नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 07

सोमवार, 30 मार्च से 05 अप्रैल 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत कर भाजपा को चुनौती देंगे: देवेंद्र यादव 03

सुप्रीम कोर्ट ने एक झटके में निपटा दिए 61 मुकदमे... 08

NCR समाचार

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर 10

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं? 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं : अक्षय कुमार 12

बंगाल में वर्षों से लूटी जा रही लोगों की कमाई, 4 मई के बाद कानून करेगा अपना काम: पीएम मोदी

कूच बिहार, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारा बंगाल 'शक्ति पूजा' की धरती है। मैं यहां आए सभी बहनों-बेटियों को, बंगाल की हर बहन-बेटियों से कहूंगा कि भाजपा आपके सम्मान और आपकी समृद्धि के लिए मैदान में है। अगर सत्ता में भाजपा आएगी तो महिलाओं के सच्चे सशक्तीकरण का रास्ता खोलेगी और यह हमारा ट्रैक रिकॉर्ड है।

उन्होंने कहा कि 4 मई के बाद कानून अपना काम करेगा। अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, इस बार न्याय की जीत होगी। उन्होंने कहा कि वर्षों से बंगाल के लोगों की मेहनत की कमाई लूटी जा रही है। हर भ्रष्ट व्यक्ति को जवाबदेह ठहराया जाएगा और उसे जनता को लूटी गई संपत्ति लौटानी होगी।

उन्होंने कहा कि देश की 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया, लेकिन ये बहुत आवश्यक है कि देश के लिए होने वाले फैसलों में भी महिलाओं की भूमिका और अधिक बढ़े, इसलिए हमारी सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बनाया। पश्चिम बंगाल सहित देशभर की बहनों को 2029 के लोकसभा चुनाव से ही इसका फायदा मिले, अब ये सुनिश्चित करने का प्रयास है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां की दमनकारी सरकार बंगाल की पवित्र भूमि पर प्रतिदिन लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। यह प्रशासन संवैधानिक संस्थाओं का कोई सम्मान नहीं करता और खुद को सर्वोपरि मानता है। कुछ ही दिन पहले पूरे देश ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाए जाने का मंजर देखा। यह कैसी सरकार है, जहां न्यायाधीश और संवैधानिक प्रक्रियाएं ही सुरक्षित नहीं हैं? हम उनसे बंगाल की जनता की सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते। यहां हालात इतने खराब हैं कि सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा। बंगाल में टीएमसी कानून-व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंकने पर तुली हुई है।

उन्होंने कहा कि मैं कूच बिहार से देश के सभी राज्यों को मैं फिर याद दिलाता हूं कि जिन भी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अच्छा काम किया है, उनको सीटों के विषय में कोई नुकसान नहीं होगा। सभी का फायदा ही होगा। सभी राज्यों की भागीदारी और सबके अधिकार सुरक्षित रहेंगे। हम संसद में इस पर पक्का ठप्पा लगाना चाहते हैं कि महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ें, ताकि राज्यों को इसका बड़ा फायदा मिले।

टीएमसी बंगाल में कानून-व्यवस्था का जनाजा निकालने पर तुली है। टीएमसी ने बंगाल को पीछे धकेल दिया है। पहले बंगाल में लोग रोजगार के लिए आते थे। निर्मम सरकार ने उसी बंगाल को पलायन का केंद्र बन दिया है। एक समय था, जब बंगाल देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक था। व्यापार, उद्योग और समग्र विकास–हर क्षेत्र में बंगाल अग्रणी था, हालांकि प्रतिकूल नेतृत्व के बाद राज्य की स्थिति बिगड़ने लगी। पहले कांग्रेस, फिर वामपंथी और अब टीएमसी के नेतृत्व में।

उन्होंने कहा कि बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में खतरनाक बदलाव आया है। इन घुसपैठियों को टीएमसी का सीधा संरक्षण मिलता है। टीएमसी ने सीधे अपने सिंडिकेट में भर्ती करती है। ये तृणमूल वाले एसआईआर का विरोध कर रहे हैं ताकि घुसपैठियों की पहचान न हो सके। उल्टे टीएमसी सीएए को रद्द करने की धमकी दे रही है यानी जिन शरणार्थी हिंदुओं को नागरिकता मिली है, ये उनकी नागरिकता छीनेंगे और वो ये नागरिकता घुसपैठियों को देंगे, क्योंकि टीएमसी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानती है।

उन्होंने कहा कि पहले लोग रोजगार के अवसर तलाशते हुए बंगाल आते थे, लेकिन आज मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण यही बंगाल पलायन का केंद्र बन गया है। टीएमसी के गिरोह ने सरकारी नौकरियों पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया है, जिससे व्यापक भ्रष्टाचार फैल रहा है।

न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य है : सीजेआई सूर्यकांत

हैदराबाद, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों की राज्य सरकारें यह मानती हैं कि न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना वैकल्पिक नहीं, बल्कि एक अनिवार्य है।

तेलंगाना उच्च न्यायालय जोन-2 (जिसमें न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश के लिए आवासीय भवन शामिल हैं) का शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब न्यायपालिका और कार्यपालिका उद्देश्य में एकजुट होती हैं, तो संविधान वास्तव में जीवंत हो उठता है।

उन्होंने कहा, देश भर में बना यह माहौल मुझे बहुत आत्मविश्वास देता है। पिछले कुछ महीनों में ही मुझे उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम और अब तेलंगाना में न्यायिक परिसर के शिलान्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, सभी राजनीतिक दलों की राज्य सरकारें यह मान रही हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना वैकल्पिक नहीं, बल्कि अत्यंत आवश्यक है।

प्रस्तावित परियोजना के नक्शों और मॉडल को देखने के बाद प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि 100 एकड़ में बनने वाला नया उच्च न्यायालय परिसर देश के सर्वश्रेष्ठ परिसरों में से एक होगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ चर्चा के दौरान उन्हें आश्वासन दिया गया कि पूरे उच्च न्यायालय परिसर का निर्माण दो वर्षों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा, जिसमें आवासीय और अन्य बुनियादी ढांचा शामिल है।

उन्होंने इस प्रतिबद्धता के लिए राज्य सरकार को बधाई दी।

तेलंगाना सरकार ने पहले ही इस नए उच्च न्यायालय परिसर के लिए 100 एकड़ भूमि आवंटित की है, जिसे दो चरणों में विकसित किया जाएगा और निर्माण के लिए 2,583 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां, न्यायमूर्ति एस वी भट्टी, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपेंश कुमार सिंह ने भी सभा को संबोधित किया।

एक नजर

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय समुद्र दिवस पर समुद्री क्षेत्र के योगदान की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय समुद्र दिवस के अवसर पर भारत की समुद्री विरासत पर प्रकाश डाला और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के योगदान की सराहना की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों का समर्पण देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और संपर्क को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय समुद्र दिवस पर हम भारत की समुद्री विरासत और इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के अमूल्य योगदान को याद करते हैं। उनका समर्पण हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और संपर्क को मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा, हम एक समृद्ध भविष्य के लिए अपने समुद्री क्षेत्र की अपार क्षमता का उपयोग करना जारी रखेंगे।

ममता बनर्जी हार रहीं, इसलिए हैं निराश : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाने वाली उनकी टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बयान चुनावी दबाव के बीच उनकी निराशा को दिखाते हैं। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने ममता बनर्जी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ह्यममता बनर्जी हार रही है और हताश हैं। उन्होंने ईवीएम के जरिए दो बार जीत हासिल की है, है ना? वो मुख्यमंत्री कैसे बनीं, ईवीएम के जरिए ही तो? हां, ग्राम पंचायत चुनावों में मतपत्रों की हेराफेरी के आरोप लगते हैं। तो जब आप ईवीएम से जीतती हैं, तो ठीक है, लेकिन अब जब लोग आपको हराना चाहते है, तो आप कहते है कि सिस्टम में खामी है, ये कैसी सोच है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस समेत कई विपक्षी नेता भी ईवीएम के जरिए चुने गए है।

उन्होंने कहा, आज कांग्रेस पार्टी कई जगहों पर सत्ता में है और उनके सांसद भी ईवीएम के जरिए चुने गए है। इस तरह की निराशा सिर्फ एक ही बात दशार्ती है कि ममता बनर्जी वहां हार रही है। वहीं, जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने बनर्जी की टिप्पणियों को लोकतंत्र विरोधी बताया। उन्होंने कहा, ह्ययह बयान लोकतंत्र विरोधी है। मतदान करना एक नागरिक का कर्तव्य है, और इससे बचने की कोई भी सलाह, विशेष रूप से एक निर्वाचित मुख्यमंत्री की ओर से अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। इससे पहले शनिवार को, ममता बनर्जी ने मतदाताओं से ईवीएम में कथित खराबी की स्थिति में मतदान रोकने और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के किसी भी प्रयास के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। मानिकचक में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं को खराब मशीनों को बदलने पर जोर देना चाहिए और मतदान व्यवस्था पर कड़ी नजर रखनी चाहिए।

खाड़ी देशों से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में हो रहा इजाफा: केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। खाड़ी देशों से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है और यूएई, सऊदी अरब और ओमान के कई एयरपोर्ट्स से विमान देश के विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भर रहे हैं। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई।

सरकार ने बताया कि रविवार को 90 नॉन-शेड्यूल उड़ानें यूएई से भारत आने की उम्मीद है। सऊदी अरब और ओमान के कई एयरपोर्ट से विमान भारत आ रहे हैं। कतर एयरस्पेस आंशिक रूप से खुला हुआ और करीब 8-10 उड़ानें भारत आने की उम्मीद है।

मंत्रालय ने बताया कि कुवैत और बहरीन का एयरस्पेस बंद होने के बावजूद, दम्माम (सऊदी अरब) होते हुए भारत के लिए उड़ानें संचालित हो रही हैं। ईरान से यात्रा आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते संचालित की जा रही हैं।

इसी प्रकार, इजरायल से भारत की यात्रा मिस्र और जॉर्डन के रास्ते सुगम बनाई जा रही है, जबकि इराक से भारत की यात्रा जॉर्डन और सऊदी अरब के रास्ते की जा रही है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि ओमान के तट पर एक जहाज पर हुए हमले में जान गंवाने वाले एक भारतीय नाविक का पार्थिव शरीर भारत वापस लाया गया है और शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, पूरे क्षेत्र में भारतीय दूतावास और भारतीय समुदाय लगातार संपर्क में हैं और उनकी सुरक्षा के लिए सहायता प्रदान करने और आवश्यक सलाह जारी करने का कार्य जारी रखे हुए हैं।

ईरान में फंसे कुल 345 भारतीय मछुआरे शनिवार को स्वदेश लौट आए। तेहरान स्थित दूतावास ने उन्हें दक्षिण ईरान से आर्मेनिया तक पहुंचाने में सहायता की, जहां से उन्होंने चेन्नई के लिए उड़ान भरी।

विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में लगातार विकसित हो रही स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, और एक समर्पित नियंत्रण कक्ष के जरिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों तथा भारतीय दूतावासों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखा जा रहा है।

भारतीय दूतावास और दूतावास चौबीसों घंटे हेल्पलाइन सेवा प्रदान कर रहे हैं, सलाह जारी कर रहे हैं और भारतीय समुदाय के संगठनों, कंपनियों और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर रहे हैं। सहायता में वीजा, कांसुलर सेवाएं, पारगमन सुविधा और रसद सहायता शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि दूतावास जहाजों पर तैनात भारतीय चालक दल के साथ निरंतर संपर्क में हैं, उन्हें कांसुलर सहायता प्रदान कर रहे हैं, परिवार से संपर्क स्थापित करने में सहायता कर रहे हैं और वापसी के अनुरोधों में सहयोग कर रहे हैं।

ओएससी की स्थिति पर राहुल ने उठाए सवाल

मोदी सरकार किसी की नहीं सुन रही : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की ओर से हिंसा प्रभावित महिलाओं की मदद के उद्देश्य से बनाए गए वन स्टॉप सेंटर' (ओएससी) से जुड़ी समस्याओं को उठाते हुए रविवार को दावा किया कि 'मोदी सरकार किसी की नहीं सुन रही है।

गांधी ने कहा कि सुरक्षा केवल एक योजना नहीं, बल्कि सरकार की बुनियादी जिम्मेदारी है।

उन्होंने अपने 'व्हाट्सऐप चैनल' पर एक पोस्ट में कहा, महिलाएं मदद के लिए दरवाजा खटखटा रही हैं और सरकार ने दरवाजे बंद कर रखे हैं। मैंने संसद में पूछाः जब कोई महिला हिंसा से भागकर वन स्टॉप सेंटर पहुंचती है तो उसे मदद क्यों नहीं मिलती, ताला क्यों मिलता है? स्टाफ की कमी क्यों है? देश भर की शिकायतें अनसुनी क्यों हैं?

उन्होंने कहा, सरकार का जवाब क्या था? सब 'संतोषजनक' है। अगर सब 'संतोषजनक' है, तो ओएससी को लेकर इतनी समस्याओं की खबरें क्यों सामने आ रही हैं?

राहुल ने सवाल किया, अगर सुरक्षा प्राथमिकता है, तो हर पांच में से तीन महिलाओं तक मदद अभी भी क्यों नहीं पहुंच पा रही है? और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के हर 100 रुपये में से सिर्फ 60 पैसे ही ओएससी पर क्यों खर्च हो रहे हैं?

उन्होंने कहा, सुरक्षा कोई योजना नहीं, बल्कि सरकार की बुनियादी जिम्मेदारी है। हर बात को 'संतोषजनक' कहना सुरक्षा नहीं देता; यह दिखाता है कि मोदी सरकार किसी की भी सुन नहीं रही है। लोकसभा में 27 मार्च को पूछे गए अपने प्रश्न में राहुल ने जानना चाहा था कि क्या कई ओएससी बंद पड़े हैं, निष्क्रिय हैं या निर्धारित 24 घंटे संचालित नहीं हो रहे हैं।

उन्होंने पिछले पांच वर्षों में राज्यवार और वर्षवार ओएससी में सहायता और आश्रय लेने वाली महिलाओं की संख्या तथा महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित दर्ज मामलों का विवरण भी मांगा था। उन्होंने पिछले पांच वर्षों में राज्यवार और वर्षवार संचालित ओएससी तथा खोले गए नए ओएससी की संख्या, और इस अवधि में जारी तथा उपयोग किए गए धन का विवरण भी मांगा था, साथ ही धन के कम उपयोग के कारणों की जानकारी चाही थी।

राहुल ने ओएससी में स्वीकृत और भरे गए पदों–जैसे प्रशासक, केस वर्कर, काउंसलर, चिकित्सा अधिकारी और पुलिसकर्मी का राज्यवार ब्योरा भी मांगा था। इसके अलावा उन्होंने यह भी पूछा था कि क्या मंत्रालय ने कुप्रबंधन या संचालन दिशा-निदेशों के उल्लंघन से जुड़ी शिकायतों की जांच की है, और यदि हां, तो उस पर क्या कार्रवाई की गई।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने लिखित उत्तर में कहा कि ओएससी, 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत 'संबल' घटक का हिस्सा है, जो हिंसा से प्रभावित और संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर समेकित और तत्काल सहायता प्रदान करता है। उन्होंने कहा, यह जरूरतमंद महिलाओं को चिकित्सा सहायता, कानूनी सहायता और परामर्श, अस्थाई आश्रय, पुलिस सहायता तथा मनोवैज्ञानिक-सामाजिक परामर्श जैसी सेवाएं प्रदान करता है। एक अप्रैल 2015 से 31 दिसंबर 2025 तक देश में 13.37 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता दी गई है। मंत्री ने बताया कि ओएससी योजना का समग्र क्रियान्वयन राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के जिम्मे है। ठाकुर ने कहा, मिशन शक्ति और इसके ओएससी घटक समेत मंत्रालय की योजनाओं का तृतीय पक्ष द्वारा 2020 और 2025 में नीति आयोग के माध्यम से मूल्यांकन किया गया।

भाजपा घुसपैठियों के खिलाफ है, मुस्लिमों के नहीं : गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने असम व पश्चिम बंगाल में पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि भाजपा घुसपैठियों का विरोध करती है न कि वह मुस्लिमों के खिलाफ है।

असम में विधानसभा चुनाव नौ अप्रैल को होने हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होगा और मतगणना चार मई को होगी। गडकरी ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम असम और पश्चिम बंगाल दोनों में जीतेंगे। भाजपा की नीति है कि धार्मिक पहचान से परे सभी को साथ लेकर चला जाए। हम घुसपैठियों के खिलाफ हैं, मुसलमानों के नहीं।ह्ण

पार्टी के विकास एजेंडे पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में निवेश और शासन-केंद्रित दृष्टिकोण भाजपा की चुनावी रणनीति के प्रमुख स्तंभ हैं।

उन्होंने कहा, असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग पांच लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि 1.5 लाख करोड़ से दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। इसके अलावा, लगभग दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि ये पहल विशेष रूप से सड़क परिवहन, राजमार्ग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था में सुधार, व्यापार को बढ़ावा देने और आर्थिक वृद्धि को तेज करने के उद्देश्य से हैं। गडकरी ने कहा, यह सतत प्रयास असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के बुनियादी ढांचा परिदृश्य को बदल देगा। ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब हिमंत विश्व शर्मा नीत सरकार अपने विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं को आधार बनाकर सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही है। गडकरी ने दोहराया कि समावेशिता भाजपा की नीति का केंद्र है और पार्टी सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का विरोध केवल घुसपैठ के खिलाफ है, किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं।

हाल में असम में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत साझा विरासत वाले शरणार्थियों को आश्रय दे सकता है, लेकिन अवैध रूप से प्रवेश करने वालों को स्वीकार नहीं कर सकता, क्योंकि इससे देश 'धर्मशाला' बन जाएगा।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

फरुर्खाबाद पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, सीओ सिटी सहित कई अधिकारियों के तबादले

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः जिले में प्रशासनिक कसावट और कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव किया गया है। फरुर्खाबाद की पुलिस अधीक्षक (एसपी) आरती सिंह ने जिले में बड़े पैमाने पर पुलिस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस अहम फेरबदल में क्षेत्राधिकारी (सीओ) सिटी, सीओ अमृतपुर समेत कई थानों के प्रभारियों की जिम्मेदारियां बदल दी गई हैं। सीओ स्तर पर हुए प्रमुख बदलावः ऐश्वर्या उपाध्यायः अब तक सीओ सिटी की जिम्मेदारी संभाल रहीं ऐश्वर्या उपाध्याय को अब यातायात (ळ१ंप्रू) और साइबर थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। अभय वर्माः* यातायात क्षेत्राधिकारी के पद पर तैनात अभय वर्मा को अब सीओ सिटी का नया प्रभार सौंपा गया है।

अमरपालः पुलिस लाइन में तैनात अमरपाल को पदस्थापित करते हुए क्षेत्राधिकारी

(सीओ) अमृतपुर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। संजय वर्माः* अब तक सीओ अमृतपुर के रूप में कार्यरत संजय वर्मा को उनके वर्तमान पद से हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। थाना प्रभारियों के स्तर पर फेरबदलः अधिकारियों के साथ-साथ थाना प्रभारियों के स्तर पर भी कड़े और अहम बदलाव किए गए हैं राजेश राय (जहानगंज):* पुलिस अधीक्षक ने जहानगंज के थानाध्यक्ष राजेश राय पर कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। पूनम अवस्थीः* राजेश राय के स्थान पर, अब तक मॉनीटरिंग सेल की प्रभारी निरीक्षक पूनम अवस्थी को जहानगंज का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मो. कामिलः* इसके अलावा, पुलिस लाइन से इंस्पेक्टर मो. कामिल को एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (अल्ळव) थाने का नया प्रभारी बनाया गया है।

पुलिस अधीक्षक आरती सिंह द्वारा किए गए इन तबादलों को जिले की पुलिसिंग व्यवस्था को अधिक चुस्त-दुरुस्त और प्रभावी बनाने के कदम के रूप में देखा जा रहा है। सभी अधिकारियों को उनके नए तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

अजय राज सिंह झाला हत्याकांड अंतिम मुख्य आरोपी विनोद गुर्जर गिरफ्तार, कुल 32 आरोपी पकड़े गए

भारत बुनकर

राजस्थान। उदयपुर कोटा फोरलेन पर सेमलपुरा के पास स्थित होटल पर 01 जून को अजयराज सिंह पर हुई फायरिंग से मौत के मामले में अंतिम आरोपी विनोद गुर्जर तथा मुख्य आरोपी भेरूलाल को शरण देने वाले आरोपी मोनु जाट को गिरफतार किया है। मामले में अब तक मुख्य आरोपी सहित घटना कारित करने वाले 15 व आश्रय देने वाले 17 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। प्रकरण में अब तक कुल 32 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस अधीक्षक श्री मनीष त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस थाना कोतवाली क्षेत्र में दिंनाक 01.06.2025 की रात्रि को 10.30 बजे सेमलपुरा चौराहे पर विकास होटल की छत पर बेठे अजयराज सिंह पुत्र शिवसिंह झाला निवासी मोड जी का मिन्नाणा व उसके साथी होटल पर खाना खा रहे थे, तब मनोज चौधरी ने रेकी कर अजयराज सिंह झाला की लोकेशन देकर ईश्वर सिंह उर्फ हरिओम सिंह निवासी डेट व उसके साथियो को होटल पर बुलाया।

जो ईश्वर सिंह उर्फ हरिओम सिंह निवासी डेट अपने 15 साथियो के साथ कुल 3 गाडियो में विकास होटल पर पहुंच कर अजयराज सिंह झाला निवासी मोड जी का मिन्नाणा व उसके साथियो पर अंधाधुंध फायरिंग करते हुवे अजयराज सिंह की हत्या कर दी गई तथा हत्या के पश्चात अजयराज सिंह की डस्टर व बोलेनो गाडी में तोडफोड कर पेट्रोल छिडककर आग लगा दी गई। मामले में ओमप्रकाश शर्मा द्वारा प्रस्तुत रिर्पोट पर पुलिस थाना कोतवाली पर प्रकरण दर्ज कर घटना कारित करने वाले आरोपियों को दस्तयाब करने हेतु जिला पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई थी। एएसपी चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह व डीएसपी चित्तौड़गढ़ के सुपरविजन में तुलसीराम पुलिस निरीक्षक की टीम ने पूर्व में दौराने अनुसंधान उक्त प्रकरण की घटना कारित करने वाले मुख्य आरोपी मुख्य आरोपी ईश्वर सिंह उर्फ हरिओम सिंह राजपूत निवासी डेट थाना गंगरार, हर्षवर्धन सिंह, भैरुलाल गुर्जर व उसके अन्य साथियो को पूर्व में गिरफ्तार किया गया। मामले अब तक घटना कारित करने वाले 15 ही आरोपी व उनको शरण देने वाले कुल 17 अभियुक्तो को गिरफ्तार किया जा चुका है।

प्रकरण की गंभीरता को देखते एएसपी सरितासिंह, डीएसपी बृजेश सिंहके निर्देशन में व तुलसीराम पु.नि. एस.एच.ओ. थाना कोतवाली के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा घटना कारित करने वाले आरोपी विनोद पिता रतनलाल गुर्जर उम्र 26 वर्ष निवासी कान्याखेड़ी पुलिस थाना हमीरगढ़ जिला भीलवाड़ा को उसके गांव कान्याखेड़ी से दिनांक गुरुवार को डिटेन कर गिरफ्तार किया जाकर पीसी रिमाण्ड प्राप्त किया गया व मुख्य आरोपी भैरुलाल गुर्जर व गोपाल लाल गुर्जर को फरारी में मदद कर आश्रय देने वाले मोनू पिता बद्रीलाल जाट निवासी रुपाहेली पुलिस थाना सदर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा राज. को दिनांक शुक्रवार को गिरफ?तार किया गया जिसको इमरोजा न्यायालय में पेश किया गया। मामले में गिर. शुदा मुल्जिमान से घटना के संबंध में पूछताछ व अनुसंधान जारी है। ज्ञात रहे कि अजय राज सिंह झाला हत्याकाण्ड के कुल 15 ही आरोपियो एवं उनको फरारी के दौरान रुपये देकर शरण देने वाले 17 अभियुक्तो को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। घटना कारित करने वाले मुख्य आरोपियो को शरण देने वाले शेष आरोपियो की तलाश जारी है।

जनहित ट्रस्ट ने महिला सशक्तिकरण हेतु सिलाई मशीन की भेंट

रमेश कुमार

हरियाणाः फतेहाबाद लंबे समय से आमजन की मदद, सेवा और भलाई के कार्यों में अग्रणी समाजसेवी संस्था 'जनहित ट्रस्टइ ने महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय कदम उठाया है। इसी कड़ी में आज जनहित ट्रस्ट के कार्यालय में ट्रस्ट के सचिव साधु बरोका और ज्वाइंट सेक्रेटरी विकास सुथार के नेतृत्व में एक जरूरतमंद महिला रानी को सिलाई मशीन दान स्वरूप भेंट की गई। इस अवसर पर जनहित ट्रस्ट के ज्वाइंट सेक्रेटरी विकास सुथार ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं और लड़कियों को सिलाई मशीन देकर उन्हें रोजगार के अवसर मुहैया करवाना है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाएं सिलाई का कार्य करके अपना स्वयं का रोजगार चला सकती हैं और अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर सकती हैं।

ट्रस्ट के सचिव साधु बरोका ने इस पुनीत कार्य पर प्रकाश डालते हुए आश्वस्त किया कि संस्था का यह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जनहित ट्रस्ट आगे भी जरूरतमंदों की पहचान कर उन्हें सिलाई मशीनें व अन्य आवश्यक सहायता दान करती रहेगी। विकास सुथार ने जानकारी देते हुए बताया कि जनहित ट्रस्ट के चेयरमैन रमेश शाक्य के कुशल नेतृत्व में संस्था द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। संस्था की पूरी टीम इन लाभकारी योजनाओं को समाज के हर वर्ग और जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें।

जिलाधिकारी ने वाणिज्यिक गैस सिलेंडर आपूर्ति में पारदर्शिता और नियंत्रण के लिए करी बैठक

दीपक यादव

उत्तर प्रदेशः जनपद में वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने तथा इससे संबंधित संभावित अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में संबंधित अधिकारियों एवं गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पीएनजी कनेक्शन की समीक्षा करते हुए आईजीएल कंपनी के प्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि प्राधिकरण क्षेत्रों में पीएनजी कनेक्शन हेतु एनओसी प्राप्त न होने के कारण कई स्थानों पर कनेक्शन स्थापित नहीं हो पा रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित प्राधिकरणों को पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि पीएनजी कनेक्शन की प्रक्रिया में आ रही बाधाओं का शीघ्र समाधान किया जा सके। साथ ही जिन स्थानों पर एजेंसियों को कार्य निष्पादन के दौरान किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, वहां

सुरक्षा एवं सुचारु कार्य संचालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस विभाग को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्र प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए गए, जिससे गैस आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं पारदर्शी बनाया जा सके। सभी तहसीलों के लिए एसडीएम न्यायिक को प्रभारी बनाया गया है, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि कहीं भी गैस की कालाबाजारी ना हो तथा एजेंसियों द्वारा गैस का वितरण मानक के अनुरूप तथा शासनादेश के अनुसार किया जाए।

बैठक में प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जनपद में उपजिलाधिकारी तथा नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में बाट माप विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों की संयुक्त टीमें निरंतर अभियान संचालित कर रही हैं। इन अभियानों के माध्यम से एलपीजी एवं पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित नियमों का अनुपालन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में वाणिज्यिक गैस सिलेंडर का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं एवं संस्थाओं को व्यावसायिक कार्यों एवं कार्यक्रमों के लिए संबंधित गैस कंपनियों द्वारा संबद्ध गैस एजेंसियों के माध्यम से निर्धारित आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत तक सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए संबंधित उपभोक्ताओं एवं संस्थाओं को अपने पिछले वित्तीय वर्ष में उपयोग किए गए गैस सिलेंडरों की मात्रा का विवरण तथा पीएनजी कनेक्शन हेतु किए गए आवेदन का प्रमाण संलग्न करते हुए संबंधित गैस कंपनी के विक्रय अधिकारी की ईमेल आईडी पर प्रेषित करना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि 70 प्रतिशत तक की यह आपूर्ति केवल उन्हीं व्यावसायिक संस्थाओं अथवा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जाएगी, जिन्होंने पीएनजी गैस कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। पीएनजी कनेक्शन से संबंधित जानकारी के लिए वेबसाइट www.commerciallpg.in पर संपर्क किया जा सकता है।

एक नजर

बेटे ने पिता की पीट-पीटकर करी हत्या, इलाके में मची सनसनी

पवन तिवारी/उत्तर प्रदेशः कुशीनगर जनपद से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां रिश्तों का कत्ल पैसे की लालच में कर दिया गया। पडरौना कोतवाली क्षेत्र के सनेरा मल्ल छपरा गांव में बेटे और बहू ने मिलकर एक खौफनाक साजिश रची, जिसमें बेटे ने अपने ही पिता को बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि गंभीर रूप से घायल पिता को पहले अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत नाजुक देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मृतक कोई आम व्यक्ति नहीं थे, बल्कि अधिवक्ता संघ के पांच बार अध्यक्ष रह चुके सम्मानित व्यक्ति थे। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की गहन जांच में जुट गई है। फिलहाल आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा होने की उम्मीद है। यह घटना न केवल एक परिवार के टूटने की कहानी है, बल्कि समाज में बढ़ती लालच और गिरते रिश्तों की भी एक कड़वी सच्चाई है।

तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आकर तीन वर्षीय बच्ची की मौत, चालक फरार

बाइक की टक्कर से दरवाजे पर खेल रही मासूम की मौत,एक ही बाइक पर थे चार लोग सवार

पवन तिवारी/उत्तर प्रदेशः तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के तुर्कपट्टी-पटहेरवा मार्ग पर चंद्रौटा गांव में शनिवार दोपहर करीब एक बजे दरवाजे पर खेल रही तीन वर्षीय बच्ची बाइक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे फाजिलनगर सीएचसी ले गए। डॉक्टर ने हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर, हादसे के बाद बाइक सवार घटना स्थल पर ही बाइक छोड़कर भाग गया। तुर्कपट्टी क्षेत्र की चंद्रौटा निवासी अरविंद गुप्ता की तीन वर्षीय बेटी नंदनी शनिवार की दोपहर अपने दरवाजे पर खेल रही थी। उसी दौरान तुर्कपट्टी-पटहेरवा मार्ग पर तेज गति से आ रही बाइक की चपेट में आकर नंदनी गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल फाजिलनगर सीएचसी ले गए। हालत गंभीर देख उसे मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान रात करीब 8:30 बजे उसकी मौत हो गई। सूचना पर आई पुलिस बाइक को कब्जे में लेकर थाने ले गई। तुर्कपट्टी थानाध्यक्ष आलोक यादव ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अमित राजपूत के निधन पर शोक, केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने जताई संवेदना

निखिल/हरियाणाः हथीन नगरपालिका की चेयरपर्सन रेनू लता के पति एवं पूर्व चेयरमैन सुमित राजपूत के भाई (ताऊ के लड़का) अमित राजपूत के आकस्मिक निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर हथीन पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दिवंगत अमित राजपूत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने का सांत्वना संदेश दिया। इस दौरान हथीन नगरपालिका के वाइस चेयरमैन राकेश गर्ग, अनाज मंडी एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सुखबीर सिंह राजाजी, हरियाणा व्यापार मंडल हथीन के अध्यक्ष चौधरी नरेश चंद सिंगला, भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ सिंगला, सेवानिवृत्त इलेक्शन नायब तहसीलदार दुर्गा प्रसाद कोहली सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इस दुखद घटना पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, हथीन के विधायक चौधरी मोहम्मद इसराइल, पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों ने भी हथीन पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

ब्राह्मण समाज की अति आवश्यक बैठक संपन्न, नगर मंडल का गठन

अरविंद कुमार दुबे

मध्य प्रदेशः गोटेगांव मध्य प्रदेश आज सर्व ब्राह्मण सभा श्रीधाम की अति आवश्यक बैठक का आयोजन श्री देव रामचंद्र ब्रह्मचारी मंदिर में तहसील अध्यक्ष पंडित बसंत उपाध्याय एवं अन्य सभी वरिष्ठ जनों युवा सहयोगियों की भव्य उपस्थिति में किया गया..

जिसमें परशुराम भवन निर्माण की समीक्षा आगामी 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जयंती के आयोजन के संबंध में चर्चा एवं सर्व ब्राह्मण सभा श्री धाम के नगर मंडल का विधिवत गठन सर्वसम्मति से किया गया नगर मंडल अध्यक्ष पद पर पंडित सत्यनारायण मिश्रा के साथ साथ अन्य महत्वपूर्ण पदों पर युवा

उत्साही एवं समाज के प्रति समर्पित विभिन्न ब्राह्मण वंधुओं का चयन किया मनीष मिश्रा को मीडिया प्रभारी एवं राकेश शर्मा को प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किया गया कुछ रिक्त पदों पर अभी और पदाधिकारी का चयन दो-तीन दिवसों मैं किया जाएगा तत्पश्चात नगर मंडल की संपूर्ण सूची आप सभी के समक्ष प्रसारित कर दी जाएगी इस अवसर पर भगवान परशुराम भवन निर्माण समिति का गठन भी किया गया।

जो निर्मित हो रहे भवन के निर्माण कार्यों की देखरेख अवलोकन एवं समीक्षा करेगी सर्व ब्राह्मण सभा श्री धाम नगर मंडल के समस्त नव नियुक्त पद अधिकारियों ने ध्यान देते हुए नगर के अलावा शीघ्र अति शीघ्र गोटेगांव शहर के अंतर्गत आने वाले जितने भी ग्रामीण अंचल के विप्र बंधु ग्रामीण इलाकों से है इन सभी को भी गठन किया जाए ताकि ग्रामीण अंचल तक संगठन को मजबूती प्रदान हो क्योंकि ग्रामीण अंचलों में भी जैसे कंजई कोशीवाडा उमरिया बेदू बरेटा इन सभी ग्रामों को संगठन के माध्यम से जोड़कर कार्य करना चाहते हैं सामाजिक हेतु के कार्यों को किया जा सके।

पलवल में गैस सप्लाई पूरी तरह सुचारु, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई जारी

निखिल

हरियाणाः पलवल जिले में एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि कहीं भी किसी प्रकार की कमी नहीं है और सप्लाई पूरी तरह सुचारु रूप से जारी है। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडरों का स्टॉक न करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रशासन लगातार गैस एजेंसियों की निगरानी कर रहा है।जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कविता सिंह परिहार ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि जिले में मांग के अनुसार 100 प्रतिशत गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सोमवार को भी पूरे जिले में उपभोक्ताओं को उनकी जरूरत के अनुसार एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए गए और सप्लाई चेन पूरी तरह व्यवस्थित रही।

उन्होंने बताया कि हाल ही में एक दिन में कुल 28,093 घरेलू गैस सिलेंडरों का सफलतापूर्वक वितरण किया गया है। इसके साथ ही हर दिन मांग के अनुरूप शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है और जिले में गैस सिलेंडरों के स्टॉक की भी कोई कमी नहीं है। वहीं, कालाबाजारी और गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिला फरीदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में गठित टीमों द्वारा छापेमारी की गई। इस दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों के गलत इस्तेमाल के मामलों में 30 मार्च तक आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत कुल 9 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

बरेली में ट्रैफिक सुधार की बड़ी पहल, एसपी अकमलखान ने तय किए 6 रूट

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित और सुचारू बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने एक नई कार्ययोजना तैयार की है। एसपी यातायात अकमल खान के निर्देशन में तैयार की गई इस योजना के तहत पूरे बरेली शहर को छह प्रमुख रूटों में विभाजित किया गया है।

इस पहल का उद्देश्य शहर के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक संचालन को बेहतर बनाना और आम नागरिकों को राहत प्रदान करना है। आधुनिक यातायात व्यवस्था के पहलकर्ता एसपी अकमल खान एसपी यातायात अकमल खान लगातार शहर की यातायात व्यवस्था को

बेहतर बनाने के लिए आधुनिक और प्रभावी रणनीतियों पर काम कर रहे हैं। उनकी अगुवाई में यातायात पुलिस टीम ने शहर के व्यस्त और संवेदनशील मार्गों का गहन अध्ययन कर यह नई रूट व्यवस्था तैयार की है। इस योजना में ट्रैफिक दबाव, बाजार क्षेत्र, शैक्षणिक संस्थान और प्रमुख चौराहों को ध्यान में रखा गया है, जिससे ट्रैफिक का बेहतर प्रबंधन संभव हो सके।

योजना के तहत प्रत्येक रूट पर सेक्टर प्रभारी और जोन इंचार्ज की तैनाती की जाएगी, जो अपने-अपने क्षेत्र में यातायात व्यवस्था की निगरानी करेंगे। साथ ही मोबाइल पेट्रोलिंग और सीसीटीवी के माध्यम से भी ट्रैफिक की स्थिति पर नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। नवेल्टी चौराहे से चौकी चौराहा, पटेल चौक, दामोदर स्वरूप पार्क, कचहरी होते हुए जंक्शन रेलवे स्टेशन तक। नवेल्टी चौराहे से रोडवेज, सिकलापुर, बरेली कॉलेज, श्यामगंज होते हुए श्यामगंज फ्लाईओवर पर चढ़कर ईदगाह/जय चौराहे तक। इस मार्ग पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी। महादेव सेतु से उतरते ही कोहड़ापीर, सूद धर्मकांटा होते हुए डीडीपुरम बैरियर नंबर 2 पुलिस चौकी तक।

महादेव सेतु से गुलाबराय होते हुए इज्जतनगर तक।

ईसाइयों की पुलिया से सैटेलाइट, बिसलपुर चौराहा, यूनिवर्सिटी, डोहरा चौराहा होते हुए बैरिया 2 नंबर चौकी तक। मालियों की पुलिया से खुर्रम गौटिया, गांधी उद्यान, चौपुला, किला क्षेत्र होते हुए मिनी बाईपास तक। एसपी यातायात अकमल खान ने बताया कि इस नई व्यवस्था से शहर में ट्रैफिक संचालन अधिक व्यवस्थित होगा और प्रमुख मार्गों पर दबाव कम किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार विभिन्न रूटों पर डायवर्जन, वन-वे सिस्टम और नो-एंट्री जैसी व्यवस्थाएं भी लागू की जाएंगी।

जल्द ही उच्च अधिकारियों के निर्देशन में इस योजना को सुचारू रूप से लागू किया जाएगा।

उन्होंने आम जनता से अपील की कि यातायात नियमों का पालन करें, अनावश्यक रूप से सड़क पर वाहन खड़ा न करें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें, ताकि शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री ने हरित दिल्ली और वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए 17 विभागों को 22,236 करोड़ रुपये किए आवंटित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी की वायु गुणवत्ता सुधारने और आने वाली पीढ़ियों को प्रदूषण-मुक्त भविष्य देने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हाल में 'हरित बजट' का व्यापक और संतुलित खाका प्रस्तुत किया था। इस बजट में कुल 1,03,700 करोड़ रुपये के राज्य बजट में से 22,236 करोड़ रुपये (21.44 प्रतिशत) विशेष रूप, से हरित योजनाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं, जो सरकार की पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। इस ग्रीन बजट के तहत दिल्ली को हरा-भरा बनाने की जिम्मेदारी अब अलग-अलग विभागों को सुनियोजित तरीके से सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुल 17 प्रमुख विभागों को चरणबद्ध रूप में धनराशि आवंटित की गई है ताकि हर क्षेत्र में समन्वित तरीके से काम हो सके। यह जानकारी रविवार को एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई।

मुख्यमंत्री के अनुसार ग्रीन बजट का सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 6,485 करोड़ रुपये दिल्ली जल बोर्ड को दिया गया है, जिसका उपयोग यमुना की सफाई और जल उपचार परियोजनाओं में किया जाएगा। इसके बाद परिवहन विभाग को 4,758 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनका लक्ष्य ई-बसों को बढ़ावा देना और स्वच्छ परिवहन प्रणाली को मजबूत करना है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को 3,350 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिनसे धूल नियंत्रण और हरित बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना विभाग को 2,350 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं ताकि विभिन्न हरित परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की जा सके। शहरी विकास विभाग और डूसिब को मिलाकर 2,273 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिनका उपयोग विशेष पर्यावरणीय अभियानों में होगा। वहीं, बिजली विभाग को 1,410 करोड़ रुपये सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने के लिए आवंटित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, अन्य विभागों को भी ह्यहरित कोषह्न के तहत महत्वपूर्ण राशि दी गई है। पर्यावरण विभाग को प्रदूषण नियंत्रण की प्रमुख योजनाओं के लिए 558 करोड़ रुपये, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को जल संरक्षण कार्यों के लिए 305 करोड़ रुपये, और विकास विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए 258 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग को वृक्षारोपण और वन्यजीव संरक्षण के लिए 181 करोड़ रुपये, पर्यटन विभाग को पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 102 करोड़ रुपये और शिक्षा विभाग को विद्यालयों में हरित पहलों के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसी क्रम में उद्योग विभाग को औद्योगिक प्रदूषण कम करने के लिए 42 करोड़ रुपये, स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में पर्यावरणीय सुधार के लिए 31 करोड़ रुपये, और राजस्व विभाग को आपदा प्रबंधन एवं हरित सर्वेक्षण के लिए 23 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को हरित कौशल विकास के लिए 7 करोड़ रुपये तथा उच्च शिक्षा विभाग को शोध और पर्यावरण अध्ययन के लिए 2 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस तरह, ग्रीन बजट-2026-27 के जरिए दिल्ली सरकार ने एक समग्र, विभागवार और चरणबद्ध रणनीति अपनाते हुए राजधानी को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ शहर में बदलने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि ह्यक्लीन दिल्ली, ग्रीन दिल्लीह्न अब महज एक चुनावी नारा नहीं, बल्कि जहरीली हवा और बढ़ते तापमान के खिलाफ सरकार का एक ठोस व निर्णायक प्रहार है। दिल्ली सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को अपनी राजकोषीय नीति का केंद्र बनाने के लिए ह्यग्रीन बजटिंगह्न की शुरूआत की है। यह पहल केवल सरकारी खर्च का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि प्रदूषण के खिलाफ जंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक मजबूत ढांचा है। उन्होंने कहा कि कि दिल्ली सरकार पर्यावरण के लिए ह्यनैतिक जिम्मेदारीह्न है। सरकार मानती है कि पर्यावरण अब सरकारी नीति की प्राथमिकता है क्योंकि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का कम होना एक गंभीर चुनौती है। इस ह्यग्रीन बजटह्न के माध्यम से सार्वजनिक खर्च और निवेश को इस तरह दिशा दी जाएगी कि वह सतत विकास और जैव विविधता की रक्षा में सहायक हो सके।

कमरा बनाने के विवाद में पड़ोसियों ने मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। शकूरपुर इलाके में शनिवार की रात एक परिवार पर पड़ोसियों ने लाठी-चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई। वहीं, उसका बेटा और दो भाई घायल हो गए। मृतक की पहचान 50 वर्षीय राजकुमार के तौर पर हुई है। नेताजी सुभाष प्लेस थाना पुलिस ने केस दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि राजकुमार परिवार संग के ब्लाक में रहते थे। राजकुमार के बेटे सुमित ने बताया कि उनका गली में एक और मकान है। वे लोग शुक्रवार को इस मकान में पार्क की तरफ एक और कमरा बना रहे थे, जिसका पड़ोसियों ने विरोध किया। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने तब काम रुकवा दिया था। सुमित ने बताया कि शनिवार रात को उसके चचेरे भाई करण के साथ पिता पार्क में टहल रहे थे। इसी दौरान पड़ोसियों ने हमला कर दिया। करण ने सुमित को हमले की जानकारी दी। इस पर सुमित अपने चाचा जितेंद्र, किशन और चचेरे भाइयों करण व कार्तिक के साथ मौके पर पहुंचा। वहां पड़ोसियों ने राजकुमार सहित उन सभी पर चाकू और लाठी-डंडों से हमला कर दिया।आरोपियों ने एक दर्जन से अधिक वार किएसुमित ने बताया कि आरोपियों ने उसके पिता राजकुमार पर चाकू से दर्जन भर से अधिक वार किए। पिता को बचाने आए सुमित की जांघ पर चाकू से हमला किया, लेकिन जेब में मोबाइल होने की वजह से वह बच गया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद परिजनों ने सभी घायलों को भगवान महावीर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने राजकुमार को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावरों में एक परिवार की महिलाएं भी शामिल थीं।

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत कर भाजपा को चुनौती देंगे: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कार्यकताओं से आह्वान किया है कि वे संगठन सृजन अभियान के तहत नियुक्त प्रेक्षकों के समक्ष क्षेत्रीय समस्याओं और संगठन की कमियों को खुलकर रखें। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर संवाद और फीडबैक से ही संगठन को मजबूत किया जा सकता है।

रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर सभी 14 जिलों में अनुभवी नेताओं को प्रेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे बिना किसी भय के अपनी बात प्रेक्षकों तक पहुंचाएं, ताकि संगठनात्मक ढांचे को और प्रभावी बनाया जा सके।

उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन सृजन के माध्यम से कांग्रेस की विचारधारा को हर बूथ तक पहुंचाया जाएगा और आगामी समय में पार्टी मजबूत स्थिति में आएगी। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों, मंडलम और सेक्टर स्तर पर नियुक्तियों के जरिए संगठन को काफी हद तक सुदृढ़ किया गया है।

बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रेक्षक लालजी देसाई, पूर्व विधायक राजेश लिलोठिया, अनिल भारद्वाज, पूर्व महापौर फरहाद सूरी, जिला अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह, राजकुमार जैन सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवेंद्र यादव ने बताया कि संगठन सृजन अभियान के तहत सभी 70 विधानसभाओं में बीएलए-2 की नियुक्ति पूरी कर ली गई है, जो चुनावी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए यह कदम अहम साबित होगा।

उन्होंने कार्यकताओं को आश्वस्त किया कि संगठन की कमियों पर खुलकर चर्चा की जा सकती है और सुझावों के आधार पर सुधार किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से जुड़े कार्यों में भी बीएलए-2 की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि पार्टी समर्थकों के वोट सुरक्षित रह सकें और चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की सुरक्षा में लगेंगे 1500 एआई से लैस कैमरे

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां तैयार होने वाले स्टेशन पर सुरक्षा के लिए लगभग 1500 एआई से लैस कैमरे लगाए जाएंगे। इनसे स्टेशन के प्रत्येक क्षेत्र की निगरानी होगी।

इसके साथ ही यहां तैनात रहने वाले प्रत्येक कर्मचारी और वेंडर को आईडी कार्ड मिलेगा ताकि अवैध प्रवेश न हो सके। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य तेजी से चल रहा है और इसके समय पर पूरा होने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान पहाड़गंज दिशा में चल रहे निर्माण कार्य की जगह अश्वनी वैष्णव पहुंचे। वहां अधिकारियों ने उन्हें बताया कि अभी तक कितना कार्य हुआ है और आगे किस तरह से परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान रेल मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन बेहद अत्याधुनिक बनने जा रहा है। यहां पर न केवल मजबूत सुरक्षा होगी बल्कि यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं भी होंगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत टैक्सी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से जोड़ा जाएगा ताकि यात्रियों को सस्ती कैब सेवा स्टेशन के बाहर ही मिल सके। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर नए दिशा सूचक बोर्ड भी लगाए जाएंगे। इस दौरान रेल मंत्री ने नई दिल्ली स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए तैयार किए गए नए डिजाइन के कोच का निरीक्षण किया। अमृत भारत गाड़ी के इस कोच में पीवीसी का फ्लोर, रेक्सीन की आरामदायक सीटें, खाने के लिए टेबल, पर्दे आदि लगाए गए हैं। निरीक्षण के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंत्री ने कहा कि नए डिजाइन के कोच और बेहतर शौचालय का मॉडल मौजूदा कोच को उन्नत कर तैयार किया गया है। यह यात्रियों के लिए काफी आरामदायक होगा।

दुकान के बाहर से दूध चुराने वाले गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी जिला पुलिस ने शुक्रवार को दुकान के बाहर रखे दूध और दही के क्रेट चुराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी का ऑटो और दो दोपहिया वाहन बरामद हुए हैं। डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि 26 मार्च को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा था। इसमें दो युवक दुकान के बाहर रखे दूध और दही की क्रेट को अपने ऑटो में रख रहे थे। वायरल वीडियो के आधार पर एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड प्रभारी राजपाल मीणा की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने वायरल फुटेज में दिख रहे दोनों युवकों की पहचान की और विकास नगर इलाके से दबोच लिया। आरोपियों की पहचान मोहित और आयुष्मान के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से प्रेम नगर से चुराया गया ऑटो और दो दोपहिया वाहन भी बरामद किए गए हैं।दूध की आपूर्ति करने वाले वाहनों का करते थे पीछाआरोपी मोहित ने पुलिस को बताया कि फरवरी में जेल से छूटने के बाद वह आयुष्मान के साथ इस तरह की वारदात कर रहा था। दोनों ने पहले ऑटो चुराया फिर सुबह दूध की आपूर्ति करने वाले वाहनों का पीछा करने लगे। वाहन जिन बंद दुकानों के बाहर दूध की क्रेट रखते थे वे चुरा लेते थे।उत्तम नगर का वीडियो वायरल होने के बाद पकड़े गएपुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से दूध-दही की चोरी कर रहे थे। उत्तम नगर इलाके से इनके दूध का क्रेट चुराने का वीडियो वायरल हुआ था।

राजधानी में मंगलवार को बारिश के आसार, सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

मंगलवार को गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना, गिरेगा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में रविवार को दिन भर आंशिक रूप से बादल छा रहे दोपहर बाद और लोगों को हल्की गर्मी का भी एहसास हुआ लेकिन राजधानी में 7 अप्रैल को सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश होने से तापमान में और गिरावट की संभावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली में मंगलवार से एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मंगलवार को राजधानी में गरज चमक के साथ बारिश हो सकती है। मौसम को लेकर इस दिन आईएमडी ने यलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार के बाद बुधवार को भी हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 11 अप्रैल तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई है।

मंगलवार को 30 से 50 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। गरज चमक के साथ हवा के तेज झोंके व बारिश की संभावना है। बारिश होने के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट होने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है जबकि न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 8 अप्रैल को भी सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दिन भी गरज चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। 30 से 40 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा भी चल सकती है हालांकि मौसम विभाग ने बुधवार के लिए किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया है।

मौसम विभाग ने अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया यह सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम था जबकि न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया।रविवार को नमी का अधिकतम स्तर 80 फीसद तथा न्यूनतम स्तर 30 फीसद दर्ज किया गया।सोमवार को आसमान में आंशिक से बादल छाए रहने की संभावना है। 33 डिग्री सेल्सियस से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है जबकि न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। राजधानी में हवा की गति 10 से 15 किलो मीटर प्रति घंटा हो सकती है।

प्रदूषण के स्तर में हुई उल्लेखनीय कमी

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार रविवार की सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 129 दर्ज किया गया और वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई। हालांकि शाम 4 बजे मानक एक्यूआई भी मध्यम ही दर्ज किया गया। यह 134 दर्ज किया गया।

सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, शून्य से 50 के बीच 'एक्यूआई' को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बहुत खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है।वहीं प्रदूषक तत्व पीएम 2.5 का स्तर शाम 5 बजे 56.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया जो बेहतर माना जाता है। जबकि पीएम 10 का स्तर 139.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया।

एक नजर

बिजनौर से दिल्ली पहुंची लड़की को परिजन से मिलवाया

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना बैंक थाना पुलिस ने पढ़ाई का दबाव बनाने पर बिजनौर से घर छोड़कर आनंद विहार मेट्रो स्टेशन पहुंची लड़की को उसके परिजनों से मिलवाया। मेट्रो के कार्यवाहक पुलिस उपायुक्त भरत रेड्डी ने बताया कि आनंद विहार मेट्रो स्टेशन परिसर के भीतर लड़की परेशान हालत में रोते हुए मिली। पुलिसकर्मियों ने लड़की के पास पहुंचकर उसकी काउंसलिंग की। उसने बताया कि वह यूपी के बिजनौर की रहने वाली है। दो तीन दिनों से पढ़ाई को लेकर माता-पिता के दबाव के कारण वह तनाव में थी और गुस्से में उसने तड़के चार बजे अपना घर छोड़ दिया। पुलिसकर्मियों ने लड़की से उसके पिता का मोबाइल नंबर लेकर उनसे संपर्क किया। उसके बाद लड़की को परिजनों के हवाले कर दिया।

भीलवाड़ा सुर संगम में सुरों की साधना में डूबा कमानी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलएनजे भीलवाड़ा समूह की तरफ से आयोजित भीलवाड़ा सुर संगम 2026 के 13वें संस्करण के दूसरे दिन कमानी ऑडिटोरियम शास्त्रीय संगीत की गूंज से सराबोर रहा। कार्यक्रम आयोजक एलएनजे भीलवाड़ा समूह के चेयरमैन रवि झुनझुनवाला ने कहा कि आयोजन कलाकारों और श्रोताओं के बीच एक सशक्त सांस्कृतिक सेतु के रूप में कार्य करता है। इसके माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत को आज की पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। संध्या की शुरूआत समान्वय सरकार के सितार वादन से हुई। इसके बाद प्रख्यात हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक मुकुल शिवपुत्र ने खयाल गायन प्रस्तुत किया।

भारत मंडपम में गूंजी महावीर कथा

नई दिल्ली, एजेंसी। भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर राजधानी में पहली बार आयोजित मेरे महावीर 3.0 कार्यक्रम में भक्ति और आध्यात्मिकता की अनूठी छटा देखने को मिली। भारत मंडपम में रविवार शाम आयोजित इस कार्यक्रम में देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के निदेशक मनोज कुमार जैन ने बताया, कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान महावीर के जीवन और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना है। सुप्रसिद्ध कथावाचक राजीव जैन ने अपने ओजस्वी कथन से भगवान महावीर की जीवन गाथा का भावपूर्ण वर्णन किया। समारोह की अध्यक्षता सुभाष ओसवाल जैन, सत्य भूषण जैन और अनिल कुमार जैन ने की। आयोजन में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग और आध्यात्मिक प्रेमी उपस्थित रहे।

2.7 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने हरकेश नगर वार्ड में करीब 2.70 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इन कार्यों में सड़कों-गलियों का निर्माण, नालियों-नालों का सुधार और पार्कों के विकास को शामिल किया गया है। बिधूड़ी ने कहा कि हरकेश नगर को जल्द ही आनंदमयी मार्ग से जोड़ा जाएगा, जिससे आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। साथ ही इलाके में पीएनजी गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए सरकार से अनुरोध किया जाएगा, ताकि लोगों को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लंबे समय से अधूरी पड़ी सीवर लाइन का काम भी जल्द पूरा किया जाएगा और झुग्गी-बस्तियों में जन सुविधा कॉम्प्लेक्स बनाए जा रहे हैं, जिन्हें छह महीनों में पूरा करने का लक्ष्य है।

मध्यम श्रेणी में हवा बरकरार, एक्यूआई 150 के नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में हवा की गति बदलने और धीमी होने के चलते रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 134 दर्ज किया गया। यह हवा की मध्यम श्रेणी है। शनिवार की तुलना में तीन सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। एनसीआर में ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 201 खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। फरीदाबाद में 173, गाजियाबाद में 160 और गुरुग्राम में 154 एक्यूआई दर्ज किया गया। नोएडा की हवा सबसे साफ रही जिसका एक्यूआई 146 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चल रही है। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 3300 मीटर रही और वेंटिलेशन इंडेक्स 18000 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, शाम चार बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 139.2 और पीएम2.5 की मात्रा 56.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। सीपीसीबी का पूवार्नुमान है कि बुधवार तक हवा मध्यम श्रेणी में बरकरार रहेगी।

9 अप्रैल से दिल्ली प्रीमियर फुटबॉल लीग होगा शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर फुटबॉल लीग का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। लीग का आयोजन 9 से 26 अप्रैल तक किया जाएगा। सभी मुकाबले डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्टेडियम में खेले जाएंगे। लीग में दिल्ली और आसपास की टीमें भाग लेंगी जिसमें नॉर्दर्न यूनाइटेड एफसी, तरुण संघा एफसी, फ्रेंड्स यूनाइटेड एफसी, नेशनल यूनाइटेड एफसी, वाटिका एफसी, सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स, नोएडा सिटी एफसी, हिंदुस्तान एफसी, शास्त्री एफसी, दिल्ली एफसी और सुदेवा दिल्ली एफसी शामिल हैं। प्रत्येक दिन दो से तीन मुकाबले खेले जाएंगे। आयोजकों के अनुसार, लीग का उद्देश्य खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना और दिल्ली में फुटबॉल के स्तर को ऊंचा उठाना है। टूनार्मेंट के पहले दिन दो मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें वाटिका एफसी का सामना सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स से और नोएडा सिटी एफसी की भिड़ंत हिंदुस्तान एफसी से होगा।

एटीएम तोड़ रहे बदमाश को पुलिस ने रंगेहाथ पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहन गार्डन इलाके में एटीएम तोड़ रहे बदमाश को पुलिस ने कंट्रोल रूम से अलर्ट मिलने के बाद रंगेहाथ दबोच लिया। आरोपी ने मशीन को क्षतिग्रस्त कर दिया था। पुलिस ने एटीएम कंपनी की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि मोहन गार्डन इलाके में गुरुद्वारा रोड पर एसबीआई का एटीएम लगा है। तीन अप्रैल की शाम करीब सात बजे एक युवक यहां पहुंचा और एटीएम में तोड़फोड़ करने लगा। कंट्रोल रूम में बैठे मशीन लगाने वाली कंपनी के कर्मचारियों ने यह देखा तो सुपरवाइजर सूरज कुमार शर्मा को जानकारी दी। इस पर सूरज एटीएम बूथ पर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि एटीएम में लोहे की पत्ती फंसी हुई थी और एक युवक अंदर मौजूद था। शक होने पर उन्होंने सीसीटीवी फुटेज से उसकी पहचान की और उसे दबोच लिया। इस बीच सूचना पाकर मोहन गार्डन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरोपी की पहचान हरियाणा निवासी 27 वर्षीय आबिया के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 200 रुपये नगद बरामद हुए, जो उसने मशीन से निकालने की कोशिश की थी। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई स्टील की पत्ती भी जब्त की गई।

श्री हनुमान प्राकट्य महोत्सव, 2-3 अप्रैल भव्य शोभा यात्रा और भजन संध्या का आयोजित

भारत बुनकर

राजस्थानः कपासन राष्ट्रीय महाकाल सेना व सर्व हिन्दू समाज की और से दिगम्बर संत श्री 1008 खुशाल भारती जी महाराज के सानिध्य में आयोजित पांच दिवसीय श्री हनुमान प्राकट्य महोत्सव के अंतर्गत श्री खारी बावड़ी बालाजी के धार्मिक अनुष्ठान जारी,2 अप्रैल को भव्य शोभा यात्रा व 3 अप्रैल को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। राष्ट्रीय महाकाल सेना के मीडिया प्रभारी घनश्याम बारेगामा के अनुसार महोत्सव के अंतर्गत श्री खारी बावड़ी बालाजी का प्रातः 9.00 बजे अरणी मंथन, अग्नि प्रवेश सहस्त्र नाम से हवनात्मक अनुष्ठान किए गए। 2 अप्रैल गुरुवार को श्री खारी बावड़ी बालाजी के दोपहर को अभिजीत मुहूर्त में दिगम्बर संत श्री खुशाल भारती जी के कर कमलों से ध्वजा दंड,कलश व शिखर की प्राण प्रतिष्ठा होगी। राष्ट्रीय महाकाल सेना के मनोज आचार्य ने बताया कि दोपहर 2 बजे श्री रोकड़िया बालाजी से भव्य शोभा यात्रा, हरिकीर्तन फेरी, कलश यात्रा के साथ शुरू होगी। शोभायात्रा में देश के प्रसिद्ध मनोज एंड रिया ग्रुप दिल्ली की और से झाकियों सहित धार्मिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेगी। शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई श्री खारी बावड़ी बालाजी के यहां संपन्न होगी। शोभायात्रा के समापन के बाद बालाजी की विशेष आरती होगी।

आरती के बाद महाप्रसादी होगी। राष्ट्रीय महाकाल सेना के गौरव बारेगामा के अनुसार श्री हनुमान प्राकट्य महोत्सव के अंतर्गत 3 अप्रैल शुक्रवार को नगर पालिका के बाहर बस स्टैंड पर रात्रि 8.00 बजे विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें देव पगली, मुक्तिधन गढ़वी गुजरात, मारवाड़ के महावीर सांखला, राज श्री पुरोहित, पीयूष महाराज गुजरात व नरेश प्रजापत अपने अपने भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। पः राजेंद्र त्रिपाठी,चाँदीप बग्गा, सूरज सिंह, राहुल बारेगामा, महेश मोची, मनीष उपाध्याय, कुंदन जोशी,राहुल मोदी, पंडित राजू व्यास,मुकेश साहू, मनीष सोनी, नमन बारेगामा, लक्की जोशी, विक्की जोशी, बंटी बारेगामा, दिनेश साहू, मनोज चाष्टा, मनीष सोनी, रजत जोशी सहित राष्ट्रीय महाकाल सेना, श्री सोमेश्वर महादेव (शिव धुना) भक्त मंडल, श्री रोकड़िया हनुमान सेवा समिति, श्री खारी बावड़ी बालाजी मंदिर ट्रस्ट, बजरंग व्यायामशाला से जुड़े पदाधिकारी, कार्यकर्ता तैयारियों में लगे हुए हैं । राष्ट्रीय महाकाल सेना की और से नगर सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के सनातनियों से आग्रह किया कि श्री हनुमान प्राकट्य महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सभी कार्यक्रमों में सपरिवार पधारे वह इस महान पुनित कार्य का लाभ ले।

पुलिस फेरबदल में धनंजय पांडे को कोतवाली की दी गई कमान

मोहम्मद रेहान

उत्तर प्रदेशः बरेली जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ररढ) ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई थाना प्रभारियों के तबादले कर दिए हैं। इस फेरबदल में सबसे अहम जिम्मेदारी निरीक्षक धनंजय पांडे को दी गई है, जिन्हें बारादरी थाना प्रभारी से हटाकर अब कोतवाली जैसे बड़े और संवेदनशील थाने की कमान सौंपी गई है। धनंजय पांडे अपने कार्यकाल के दौरान बारादरी क्षेत्र में बेहतर कानून-व्यवस्था और सख्त कार्यशैली के लिए जाने जाते रहे हैं। अब उन्हें कोतवाली जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की जिम्मेदारी देकर पुलिस प्रशासन ने उन पर बड़ा भरोसा जताया है।

माना जा रहा है कि शहर के मुख्य क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका अहम होगी। थाना प्रभारियों में बड़े बदलाव ररढ द्वारा किए गए

इस फेरबदल में कई थानों के प्रभारी बदले गए हैं। प्रमुख बदलाव इस प्रकार हैं। बहेड़ी थाना क्षेत्र में गौकशी जैसी संवेदनशील घटनाओं को लेकर पुलिस पर लगातार दबाव रहा है। ऐसे में दिनेश कुमार शर्मा को यहां की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे शहर और देहात दोनों क्षेत्रों में काम करने का अनुभव रखते हैं और अपने शांत स्वभाव के साथ सख्त कार्यवाही के लिए भी पहचाने जाते हैं। वहीं पूर्व बहेड़ी प्रभारी पवन कुमार को भमोरा भेजा गया है, जिसे प्रशासनिक रूप से एक तरह का डाउनग्रेड माना जा रहा है। कानून-व्यवस्था सुधार पर फोकस पुलिस विभाग का यह फेरबदल साफ संकेत देता है कि प्रशासन अब संवेदनशील क्षेत्रों में अनुभवी और भरोसेमंद अधिकारियों को तैनात कर अपराध पर सख्ती से नियंत्रण चाहता है। खासतौर पर शहर के मुख्य थानों और देहात क्षेत्रों में अपराध रोकने के लिए रणनीतिक बदलाव किए गए हैं।

जल जीवन मिशन हुआ फेल, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

लिखित पंत

उत्तराखण्डः गंगोलीहाट जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर नल-हर घर जल' का दावा ग्राम सभा भामा (जाखनी उप्रेती) में हवा होता दिखाई दे रहा है। गांव में पाइप लाइन बिछाए जाने के वर्षों बाद भी पानी की आपूर्ति शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में भारी रोष है। बुधवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि भीषण पेयजल संकट के कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को कई किलोमीटर दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन दूभर हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय अधिकारियों को बार-बार अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने मांग की है कि संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए तुरंत गांव में पेयजल आपूर्ति सुचारू की जाए और स्थाई समाधान होने तक टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में यूथ ब्लॉक अध्यक्ष बलवन्त सिंह, यूथ विधानसभा अध्यक्ष अनिल बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष (अनु.जा. प्रकोष्ठ) मनोज टम्टा, पूर्व यूथ अध्यक्ष दीपक धानिक, हयात सिंह बोरा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गणेश रावल और पिंकी गंगोला सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

नोएडा पुलिस ने ऑनलाइन डेटिंग ऐप के जरिए ब्लैकमेल और लूट करने वाले 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

दीपक यादव

उत्तर प्रदेशः थाना सेक्टर-126 नोएडा पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से कार्यवाही करते हुए ऑनलाइन डेटिंग एप के माध्यम से व्यक्तियों से धोखाधड़ी/छिनैती करने वाले 04 अभियुक्त 1.सुशांक सिंह पुत्र रामस्वरूप 2.प्रदीप पुत्र लालचंद 3.रोहित कुमार पुत्र मुक्तिनाथ 4.वासु पुत्र विकास कुमार को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तो के कब्जे से 01 डायमंड सलिटेयर नग, 01 सोने की चैन व 14,530 रुपए नगद बरामद हुए है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी है, जो फर्जी आधार कार्ड का प्रयोग कर किराए पर कमरा लेते है तथा अपनी वास्तविक पहचान छुपाते है। इसके उपरांत अभियुक्तगण विभिन्न डेटिंग एप पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर पीड़ित व्यक्तियों से संपर्क स्थापित करते है और उन्हें मिलने के लिए अपने किराए के पते पर बुलाते है। जब पीड़ित, अभियुक्त द्वारा बताए गए पते पर पहुंचता है, तो अभियुक्तगण

उसको आपत्तिजनक स्थिति में लेकर आपत्तिजनक फोटो/वीडियो बना लेते है। इसके बाद पीड़ित को उक्त फोटो/वीडियो वायरल करने एवं उसके परिवारजनों को भेजने की धमकी देकर ब्लैकमेल करते है। अभियुक्तगण द्वारा पीड़ित को डराकर एवं धमकाकर उससे नगद धनराशि वसूल करते है तथा उसके पास मौजूद सोने-चांदी के आभूषण भी छीन लेते है। इस प्रकार अभियुक्तगण संगठित रूप से फर्जी पहचान, चोरी के मोबाइल/सिम कार्ड एवं डेटिंग ऐप का दुरुपयोग कर लोगों को फंसाकर ब्लैकमेल, जबरन वसूली एवं लूट जैसी गंभीर आपराधिक वारदातों को अंजाम देते है।

अभियुक्तो का विवरण

1.सुशांक सिंह पुत्र रामस्वरूप निवासी नंद नगरी, प्रताप नगर साबोली, मंडोली शाहदरा, दिल्ली मूल पता ग्राम खानपुर, थाना खानपुर, बुलंदशहर उम्र 25 वर्ष।

2.प्रदीप पुत्र लालचंद निवासी प्रताप नगर साबोली, शाहदरा दिल्ली, मूल पता ग्राम बरखा, थाना कोसीकलां, जनपद मथुरा, उत्तर प्रदेश उम्र 20 वर्ष।

3.रोहित कुमार पुत्र मुक्तिनाथ निवासी प्रताप नगर साबोली, शाहदरा दिल्ली, मूल पता ग्राम नवादा, जिला सिवान, बिहार उम्र 23 वर्ष।

4.वासु पुत्र विकास कुमार निवासी उत्तरांचल कॉलेनी, बेहटा हाजीपुर, गाज़ियाबाद, मूल पता ग्राम अचारे खेड़ा, थाना बड़ौत, बागपत उम्र 25 वर्ष।

एक नजर

हार्ट अटैक से एसएसआई सत्येंद्र कुमार यादव का निधन, पुलिस महकमे में शोक

रमेश कुमार/उत्तर प्रदेशः जिले के धानेपुर थाने में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक (एसएसआई) सत्येंद्र कुमार यादव का हार्ट अटैक पड़ने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 47 वर्षीय सत्येंद्र कुमार यादव इन दिनों अवकाश पर अपने गृह जनपद देवरिया के कमुर्वा, भाटपार रानी क्षेत्र स्थित आवास पर गए हुए थे। शुक्रवार सुबह वह घर के पास टहल रहे थी। तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें तेज हार्ट अटैक आया। बताया जाता है कि अचानक अटैक आने के कारण वह सड़क पर गिर पड़े। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सत्येंद्र कुमार यादव का पुलिस विभाग में लंबा अनुभव रहा है। वह सिपाही के पद से पदोन्नति पाकर उपनिरीक्षक बने थे। अपनी कर्तव्यनिष्ठा व व्यवहार कुशलता के लिए जाने जाते थे। उनके असामयिक निधन से पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों में गहरा शोक व्याप्त है। वहीं उनके परिवार में इस दुखद घटना से कोहराम मचा हुआ है।

कक्षा 8 की छात्रा सौम्या दीक्षित ने 95.33% अंक पाकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

अरविंद कुमार दुबे/मध्य प्रदेशः नगर की प्रतिष्ठित संस्था सेंट जोसेफ इंग्लिश मीडियम स्कूल मैं अध्यनरत कक्षा आठवीं की छात्रा सौम्या दीक्षित ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कक्षा आठवीं मैं 95.33 अंक प्राप्त कर माता-पिता के साथ क्षेत्र एवं संस्था का नाम भी रोशन किया.. सौम्या दीक्षित के पिता महेंद्र दीक्षित जिनका पैतृक निवास ग्राम कुर्सीबड़ा है महेंद्र दीक्षित वर्तमान में सेंट जोसेफ इंग्लिश मीडियम स्कूल मैं शिक्षक के पद पर हैं,

वह कक्षा नवमी एवं कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं को संस्कृत पढ़ाते हैं... सौम्या दीक्षित के माता-पिता से बात करने पर उन्होंने बताया सौम्या शुरू से ही मेधावी एवं अनुशासित रही है.. सौम्या दीक्षित की इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर माता-पिता महेंद्र दीक्षित एवं श्रीमती पूजा दीक्षित और विद्यालय के प्राचार्य जोफिन के बी एवं सभी शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया और छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सिटी मजिस्ट्रेट संजय बंसल का हुआ निधन, प्रशासन में शोक

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद जिले के सिटी मजिस्ट्रेट संजय बंसल का शुक्रवार शाम नोएडा के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन की सूचना मिलते ही पूरे जिले और प्रशासनिक तंत्र में शोक का वातावरण व्याप्त हो गया है। अधिकारियों से लेकर आम जनता तक में इस खबर से गहरा दुख देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजय बंसल लंबे समय से उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) की समस्या से ग्रसित थे। गुरुवार दोपहर के बाद ही वे अवकाश लेकर फरुर्खाबाद से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। स्थिति गंभीर होने पर

उन्हें आनन-फानन में नोएडा स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद, शुक्रवार शाम लगभग 5 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। सिटी मजिस्ट्रेट के तौर पर संजय बंसल हमेशा अपनी कार्यशैली के लिए जाने गए।

अपने कार्यकाल के दौरान वे जन समस्याओं के निराकरण के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहे। आम लोगों के बीच उनकी छवि एक बेहद सुलभ और सकारात्मक अधिकारी की थी। उनके इस तरह अचानक चले जाने से प्रशासनिक कार्यों पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। जिले के तमाम प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। इस दुखद घटना ने बंसल परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि आगामी 30 अप्रैल को ही उनके पुत्र का विवाह होना तय था, जिसके चलते परिवार में शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं। खुशियों के इस माहौल के बीच अचानक हुई इस अनहोनी ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है और घर में मातम पसर गया है।

फर्जी लेटर से फैली अफवाह बिजली कटौती की खबर निकली गलत

मोहम्मद रेहान

उत्तर प्रदेशः यूपी पावर कारपोरेशन के नाम से सोशल मीडिया पर वायरल किए गए फर्जी लेटर ने शुक्रवार को राज्य के कई जिलों में बिजली अफसरों की नींद उड़ा दी। पहाड़ों पर बारिश-तूफान और यूपी में कई स्थानों पर मौसमी उतार-चढ़ाव के बीच अफवाह फैलाई गई कि शुक्रवार रात 10 बजे से शनिवार दोपहर 2 बजे तक बिजली गुल रहेगी।

अफवाहों की रेल शहर से देहात तक इतनी तेज दौड़ी कि पब्लिक में बेचैनी के चलते पूरा पावर सिस्टम उलझन में पड़ गया। उपभोक्ताओं को सच बताने के लिए आखिर में बरेली के मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश को मोर्चा संभालना पड़ गया।

चीफ इंजीनियर ने 16 घंटे पावर कट की अफवाहों का खंडन करते हुए कहा है कि बिजली गुल होने की खबरें पूरी तरह निराधार हैं। रोज की तरह जिले में सुचारू बिजली आपूर्ति जारी रहेगी। दरअसल, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के आरएमएस बिलिंग प्रणाली के मेंटेनेंस के कारण बिल भुगतान, स्मार्ट मीटर रिचार्ज और लोड वृद्धि (केवल ऑनलाइन सेवाएं) तीन अप्रैल शाम पांच बजे से चार अप्रैल की सुबह 9 बजे तक बाधित रहेंगी। इसका बिजली की सप्लाई से कोई संबंध नहीं है।

अवैध खनन से दहशत, ग्रामीणों ने महापौर से लगाई गुहार

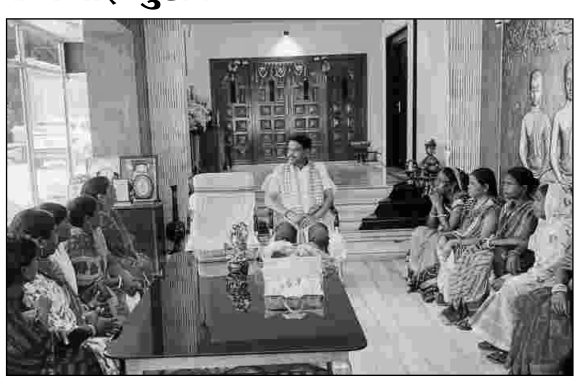

अंकित कुमार सिंह/झारखण्डः कोलाझकुसमा और तेतुलमारी क्षेत्र के ग्रामीणों ने अवैध कोयला खनन से उत्पन्न खतरे को लेकर सिंह मेंशन पहुंचकर महापौर संजय सिंह से मुलाकात की। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लगातार अवैध खनन के कारण जमीन धंसने की स्थिति बन रही है और कई घरों में दरारें पड़ गई हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि जमीन के नीचे से कोयला निकाले जाने से घरों की नींव कमजोर हो रही है और परिवारों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

महापौर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से फोन पर बात कर शिकायत की तत्काल जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी। स्थानीय लोगों ने महापौर के हस्तक्षेप की सराहना करते हुए समस्या के शीघ्र स्थायी समाधान की उम्मीद जताई।

बरेली में स्मार्ट प्रीपेड मीटर का विस्तार, अब रटर से तय होगी बिजली सप्लाई

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः बिजली सिर्फ स्विच से नहीं, मोबाइल के मैसेज से चलेगी। शहर में तेजी से लगाए जा रहे स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के लिए नई चुनौती और नई व्यवस्था लेकर आए हैं। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम साफ कह चुका है कि पांच बार रटर अलर्ट के बाद भी रीचार्ज नहीं किया तो बिना सूचना बिजली कट जाएगी। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बैलेंस की स्थिति पर 5 बार रटर अलर्ट भेजता है। बैलेंस कम होने पर पहला मैसेज

बैलेंस और घटने पर दूसरा 30% और फिर 10% बचने पर तीसरा-चौथा बैलेंस जीरो या निगेटिव होते ही आखिरी चेतावनी इसके बाद भी तीन दिन में रीचार्ज नहीं कराया तो सीधे कनेक्शन कट जाएगा।

डेढ़ लाख मीटर लग चुके,

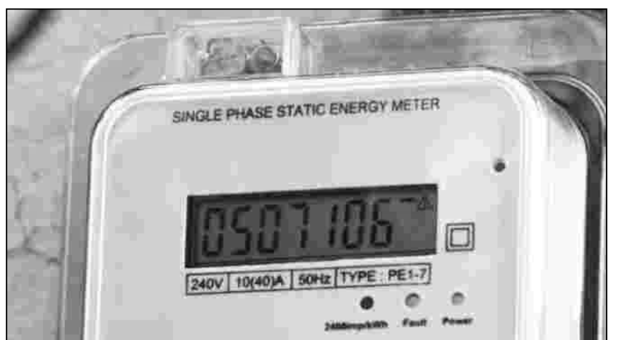

अब 7 लाख की बारी, पूरा शहर होगा प्रीपेड बरेली में अब तक करीब 1.5 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। विभाग की योजना है कि अगले एक साल में बाकी 7 लाख पुराने पोस्टपेड मीटर भी स्मार्ट मीटर में बदल दिए जाएंगे। अब नया बिजली कनेक्शन लेने पर सीधे प्रीपेड स्मार्ट मीटर ही लगाया जा रहा है। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने साफ कहा कि उपभोक्ता रटर को नजरअंदाज न करें, समय पर रीचार्ज कराएं, वरना बिजली कटना तय है। उन्होंने बताया कि पोस्टपेड मीटर को भी जल्द ही सर्वर के जरिए प्रीपेड मोड में बदला जाएगा, जिसकी सूचना पहले ही रटर से दी जाएगी।

विद्यालय में हनुमान जयंती श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई गई

लिखित पंत

उत्तराखंडः गंगोलीहाट राय बहादुर पूरन लाल शाह विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, गंगोलीहाट में हनुमान जयंती का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रशेखर जोशी, वरिष्ठ आचार्य महिपाल सिंह मेहता तथा पद्मादत्त भट्ट ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उत्सव के दौरान विद्यालय के आचार्यों–पंकज पंत, बहादुर सिंह, भगवान भंडारी, पंकज पाठक, कपिल उप्रेती, हेमन्त महर, हिमांशु उप्रेती, प्रेमा कार्की, कुलवंत धानिक, हिमानी कार्की, संगीता मेहता तथा प्रेमा दशौनी ने विधिवत पुष्पार्चन किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं (भैया-बहनों) ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा

का पाठ कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रधानाचार्य चंद्रशेखर जोशी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए भगवान हनुमान के गुणों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे हनुमान जी के समान ज्ञानवान, बलवान और बुद्धिवान बनकर अपने जीवन को सफल बनाएं और समाज की सेवा करें। कार्यक्रम के अंत में संपूर्ण विद्यालय परिवार को प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद वितरण का कार्य मुख्य रूप से प्रेमा कार्की तथा प्रेमा दशौनी द्वारा संपन्न किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

होर्मुज बना दुनिया का सबसे महंगा टोल प्लाजा

ईरान वसूल रहा है 168 करोड़ का शुल्क

❍ चीन और रूस जैसे मित्र देशों के लिए शुल्क कम है, जबकि अन्य के लिए यह बेहद महंगा है।

दुबई, एजेंसी। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अब एक अंतरराष्ट्रीय टोल प्लाजा में तब्दील हो चुका है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले मालवाहक जहाजों और तेल टैंकरों से भारी-भरकम टोल वसूल रही है। तेल टैंकरों के लिए शुरूआती शुल्क प्रति बैरल 1 डॉलर तय किया गया है। एक वेरी लार्ज क्रूड कैरियर (वीएलसीसी), जिसकी क्षमता लगभग 20 लाख बैरल होती है, उसे पार कराने के लिए ईरान 20 मिलियन डॉलर (लगभग 168 करोड़ रुपये) तक वसूल रहा है। इस संकट के बीच पाकिस्तान का एक अजीबोगरीब प्रस्ताव भी चर्चा में है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को अपने झंडे का इस्तेमाल करने का विकल्प दिया है, क्योंकि ईरान ने पाकिस्तान के 20 जहाजों को सुरक्षित मार्ग देने का वादा किया था।

चौंकाने वाली बात यह है कि ईरान यह भुगतान डॉलर के बजाय चीनी मुद्रा युआन और क्रिप्टोकरंसी में ले रहा है, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचा जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज से गुजरने के लिए अब केवल नौसेना की अनुमति पर्याप्त नहीं है। जहाज संचालकों को पहले आईआरजीसी से जुड़ी एक मध्यस्थ कंपनी से संपर्क करना पड़ता है, जो जहाज के मालिकाना हक, चालक दल और कार्गो की गहन छानबीन करती है। एक बार जब यह सुनिश्चित हो जाता है कि जहाज का संबंध इजरायल, अमेरिका या किसी अन्य शत्रु देश से नहीं है, तब उसे एक विशेष परमिट कोड दिया जाता है। इस कोड को रेडियो पर प्रसारित करने के बाद ही जहाज को आगे बढ़ने की अनुमति मिलती है।ईरान ने इस टोल वसूली के लिए देशों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा है। चीन और रूस जैसे मित्र देशों के लिए शुल्क कम है, जबकि अन्य के लिए यह बेहद महंगा है। अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञ इस वसूली को निर्दोष मार्ग के वैश्विक सिद्धांतों और समुद्री कानूनों का खुला उल्लंघन मान रहे हैं। हालांकि, ईरान इसे आत्मरक्षा का अधिकार बताकर कानूनी जामा पहनाने की कोशिश कर रहा है। इस स्थिति ने वैश्विक व्यापारिक घरानों को दुविधा में डाल दिया है, क्योंकि जहाजों के बीमा प्रीमियम में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है और देरी के कारण वैश्विक महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। दुनिया के 20% तेल और एलएनजी की आपूर्ति इसी मार्ग से होती है, जिससे यह मुद्दा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है।

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को तीन श्रेणी में बांटने की बना रहा है योजना

तेहरान। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाज को तीन श्रेणी में बांटने की योजना बना रहा है। २रिपोर्ट के अनुसार, ईरान देशों को ह्यशत्रु', 'तटस्थ' और 'मित्र' देशों के रूप में वर्गीकृत करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत 'शत्रु' देशों के जहाजों को हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर प्रतिबंध लगा दिया जायेगा, जबकि 'तटस्थ' देशों को वहां से गुजरने के लिए शुल्क देना होगा और मित्र देश को आसान या बिना रोक-टोक प्रवेश की अनुमति देगा।उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल ने तेहरान सहित ईरान के कई ठिकानों पर हमले किये थे, जिससे जान-माल का नुकसान हुआ था। जवाब में ईरान ने इजरायली क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। ईरान के आसपास बढ़ते तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य की वास्तविक घेराबंदी की गई है। यह जलमार्ग फारस की खाड़ी के देशों से वैश्विक बाजार तक तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है। इस स्थिति ने क्षेत्र में तेल उत्पादन और निर्यात के स्तर को भी प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं।

ईरान से अपने नागरिकों को निकालने में मदद के लिए भारत ने आर्मेनिया का जताया आभार

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को ईरान से अपने नागरिकों को निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनिया का आभार जताया है। आर्मेनिया के रास्ते कई भारतीय मछुआरों की ईरान से सुरक्षित निकासी हुई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, ह्लआज ईरान से आर्मेनिया के रास्ते भारत में भारतीय मछुआरों को निकालने में मदद करने के लिए विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और आर्मेनियाई सरकार को धन्यवाद। पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण हालात के बीच, हाल के दिनों में सैकड़ों भारतीय नागरिक सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे हैं। भारत अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित ट्रांजिट रूट सुनिश्चित करने के लिए इलाके की सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस हफ्ते की शुरूआत में, भारत ने में मदद के लिए अजरबैजान को भी धन्यवाद दिया थी। नई दिल्ली में मीडिया ब्रीफि ंग के दौरान, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि लगभग 204 भारतीय नागरिक जमीनी सीमा चौकियों के रास्ते ईरान से अजरबैजान में सफलतापूर्वक पहुंच गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि जहां कई पहले ही भारत लौट चुके हैं, वहीं आगामी दिनों में और लोगों के आने की उम्मीद है। जायसवाल ने कहा, अजरबैजान में हमारे राजदूत मौजूद हैं। हमारे कई भारतीय नागरिक–ठीक-ठीक कहें तो 204–ईरान से अजरबैजान के लिए जमीनी सीमा चौकियों के रास्ते निकलने में सफल रहे हैं। वो लोग वहां से, वे स्वदेश लौटेंगे।

यूएस बजट 2027: ईरान से भिड़े ट्रंप हांफते हुए बोले

घरेलू खर्च में कटौती कर रक्षा बजट बढ़ा दो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वित्तीय वर्ष 2027 के लिए अपना प्रस्तावित बजट पेश कर दिया है, जिसमें घरेलू कार्यक्रमों में व्यापक कटौती और फेडरल एजेंसियों के पुनर्गठन की सख्त रूपरेखा तैयार की गई है। इस बजट का मुख्य उद्देश्य सरकारी खर्च पर लगाम लगाना और फेडरल सरकार के ढांचे को पूरी तरह बदलना है। ये बजट ऐसे समय पर आया है जब अमेरिका, ईरान ये जंग लड़ रहा है और बहुत बुरा फंसा हुआ है, शायद यही वजह है कि ट्रंप कहते सुने गए कि भले ही घरेलू खर्च में कटौती कर दो लेकिन रक्षा बजट बढ़ा दो।

बजट प्रस्ताव में वर्ष 2026 के गैर-रक्षा स्तरों की तुलना में 10 फीसदी की कटौती का प्रावधान किया गया है, जिसे प्रशासन ने फिजूल और अप्रभावी कार्यक्रमों को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। हालांकि, सीमा सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और वेटरन्स (पूर्व सैनिकों) से जुड़ी सेवाओं के लिए फंडिंग को प्राथमिकता के आधार पर बरकरार रखा गया है। बजट प्रस्ताव के अनुसार, कई प्रमुख विभागों की फंडिंग में दोहरे अंकों में कमी की गई है। कृषि विभाग के बजट में 19 फीसदी की कटौती कर इसे 20.8 अरब डॉलर करने का प्रस्ताव है, जबकि वाणिज्य विभाग के बजट में 12.2 फीसदी की कमी के साथ 9.2 बिलियन डॉलर का प्रावधान किया गया है। शिक्षा विभाग को 76.5 बिलियन डॉलर आवंटित किए गए हैं, लेकिन साथ ही इसे धीरे-धीरे खत्म करने की मंशा भी जताई गई है। स्वास्थ्य और मानवीय सेवाओं के बजट में 12.5 फीसदी और हाउसिंग एवं शहरी विकास विभाग में 13 फीसदी की कटौती प्रस्तावित है। सबसे अधिक मार अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों और राज्य विभाग पर पड़ी है, जहां फंडिंग में 30 फीसदी की भारी कमी कर इसे 35.6 बिलियन डॉलर तक सीमित कर दिया गया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नए निकाय एडमिनिस्ट्रेशन फॉर अ हेल्दी अमेरिका के गठन का प्रस्ताव है, जो पोषण और खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों पर केंद्रित होगा। गृह सुरक्षा विभाग के कुल बजट में कमी के बावजूद सीमा प्रवर्तन और आव्रजन नियंत्रण पर निवेश जारी रहेगा। इसी तरह, न्याय विभाग को पुलिसिंग के लिए अधिक संसाधन दिए जाएंगे, लेकिन गैर-जरूरी ग्रांट प्रोग्राम बंद कर दिए जाएंगे।

बजट का एक बड़ा हिस्सा फेडरल ब्यूरोक्रेसी को कम करने और शिक्षा व वर्कफोर्स डेवलपमेंट जैसी जिम्मेदारियां राज्यों और स्थानीय सरकारों को सौंपने पर जोर देता है। ओएमबी के डायरेक्टर रसेल टी. वॉट ने इसे एक ऐतिहासिक वित्तीय बदलाव करार दिया है। अब यह प्रस्ताव कांग्रेस में जाएगा, जहां घरेलू कटौतियों और फेडरल कार्यक्रमों के पुनर्गठन के मुद्दों पर सांसदों के बीच तीखी बहस होने की संभावना है।

देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं, शनिवार को 51 लाख से अधिक सिलेंडर्स की डिलीवरी हुई : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को कहा कि 4 अप्रैल (शनिवार) को 51 लाख से अधिक एलपीजी सिलेंडर्स की डिलीवरी हुई है और देश में किसी भी वितरक एजेंसी पर गैस की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। मंत्रालय ने कहा कि कुल बुकिंग में ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर की हिस्सेदारी बढ़कर 95 प्रतिशत हो गई है। वितरक स्तर पर हेराफेरी को रोकने के लिए, डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी 90 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो कि मध्य पूर्व में तनाव से पहले फरवरी में 53 प्रतिशत की थी।

एक नजर

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ने एक मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन ने एक मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है, जिसमें शीर्ष अदालत ने पिछले महीने फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने यह कदम तब उठाया जब उनके संज्ञान में आया कि वह पहले इस मामले में अपीलकर्ता के वकील के रूप में पेश हो चुके थे। न्यायमूर्ति विश्वनाथन को 19 मई, 2023 को सीधे बार से पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया था। अप्रैल 2009 में उन्हें शीर्ष अदालत द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया गया था और पदोन्नति से पहले वह प्रमुख वकीलों में शामिल थे। अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा दायर इस मामले की सुनवाई एक अप्रैल को न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने की थी। पीठ ने कहा, इस मामले की अंतिम सुनवाई हुई थी और फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। फैसला सुरक्षित रखने के बाद न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन के संज्ञान में आया कि वह इस मामले में मुख्य कर्जदार के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में अपीलकर्ता के वकील के रूप में पेश हुए थे। इस मामले में 17 मार्च को फैसला सुरक्षित रखा गया था। इस घटनाक्रम के मद्देनजर पीठ ने 17 मार्च के अपने आदेश को वापस ले लिया और निर्देश दिया कि मामले को भारत के प्रधान न्यायाधीश के निदेर्शानुसार किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।

गैस किल्लत पर राजद सांसद ने कहा- सरकार को संकट स्वीकार करना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने देश में गैस की किल्लत पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार को गैस संकट को स्वीकार करना चाहिए। उसे अफवाह जैसी शब्दावली से बचना चाहिए, क्योंकि इससे सरकार खुद मुश्किल को बढ़ाती है। राजद सांसद मनोज झा ने कहा, सत्तापक्ष का यह कहना है कि गैस को लेकर अफवाह फैलाई जा रही है, ये थ्योरी बिल्कुल गलत है। सरकार ने कोविड के समय भी बोला था कि देश में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। आज तक सरकार मौतों को लेकर सही आंकड़ा नहीं दे पाई है। भाजपा की सरकार अब नाकाम सरकार बन चुकी है। उन्होंने आगे कहा, जब चीजें मैनेज नहीं हो पाती हैं, तो सरकार कहती है कि अफवाह फैलाई जा रही है। लेकिन उन लोगों का सरकार क्या करेगी, जो रातभर कतार लगाकर गैस सिलेंडर का इंतजार कर रहे हैं। यह मैं नहीं कर रहा हूं, बल्कि मीडिया में तस्वीरें चल रही हैं। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के अधिकारी के टीएमसी के लिए चुनाव प्रचार पर मनोज झा ने कहा, मुझे इस मामले की हकीकत नहीं पता।

200 करोड़ की ठगी मामला: लीना मारिया की जमानत पर टली सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। 200 करोड़ रुपए की ठगी से जुड़े मामले में आरोपी और सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी फिल्म अभिनेत्री लीना मारिया की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दाखिल जमानत याचिका पर शनिवार को दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 6 अप्रैल की तारीख निर्धारित की है।

इससे पहले हुई सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने लीना मारिया की मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट) के तहत दायर जमानत याचिका पर बहस पूरी कर ली थी और फैसला सुरक्षित रख लिया था। हालांकि, मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े पहलुओं पर सुनवाई अब आगे बढ़ेगी।

पिछली सुनवाई के दौरान लीना की ओर से अदालत में यह दलील दी गई थी कि उनके और सुकेश चंद्रशेखर के संबंध अब सामान्य नहीं हैं और दोनों के बीच रिश्ते ठीक नहीं चल रहे हैं। बचाव पक्ष ने यह भी कहा था कि सुकेश का किसी अन्य महिला के साथ संबंध है। जब अदालत ने इस महिला की पहचान के बारे में पूछा, तो लीना की ओर से पेश वकील ने फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस का नाम लिया था, जिससे मामला और अधिक सुर्खियों में आ गया था। गौरतलब है कि इस हाई-प्रोफाइल मामले में लीना मारिया को सितंबर 2021 में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने गिरफ्तार किया था। बाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में उन्हें गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, सुकेश चंद्रशेखर द्वारा कथित रूप से किए गए 200 करोड़ रुपए के ठगी में लीना की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

फिलहाल, इस मामले में जमानत याचिका पर अदालत में अगली सुनवाई 6 अप्रैल को होगी, जिस पर हर किसी की नजरें टिकी हुई हैं।

गौरतलब है कि सुकेश चंद्रशेखर पर 200 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है और यह मामला पहले से ही काफी चर्चा में रहा है। यह मामला साल 2021 में उस वक्त सामने आया जब तिहाड़ जेल से ही एक बड़े घोटाले को अंजाम देने वाले ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज हुआ। आरोप है कि 200 करोड़ रुपए की ठगी की गई। बाद में, पता चला कि सुकेश ने इस रकम का इस्तेमाल कई हस्तियों को महंगे तोहफे देने में भी किया था, जिनमें जैकलीन फर्नांडीज का नाम प्रमुखता से सामने आया।

कांग्रेस के शासनकाल में लोगों को रोटी के लिए भटकना पड़ता था: नितिन नवीन

श्रीभूमि, एजेंसी। असम के श्रीभूमि में आयोजित जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को भाजपा-एनडीए की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सभा में उमड़ी भारी भीड़ इस बात का साफ संकेत है कि आने वाले समय में असम में भाजपा की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है और जनता का पूरा आशीर्वाद पार्टी को मिलने वाला है।

नितिन नवीन ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने असम के विकास और उसकी समृद्ध विरासत, दोनों को आगे बढ़ाने का काम किया है। इससे पहले राज्य को अपराध का गढ़ बना दिया गया था। कांग्रेस के शासनकाल में लोगों को रोटी के लिए भटकना पड़ता था, रोजगार के अवसर नहीं थे और न ही महिलाओं और राज्य की जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित थी। इसी कारण असम की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर सजा दी।

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और असम तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। सड़क, बिजली, रोजगार जैसे हर क्षेत्र में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

बराक वैली का जिक्र करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि एक समय यह इलाका उपेक्षा और भेदभाव का शिकार था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। उन्होंने बताया कि ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के जरिए इस क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज हुई है और लोगों तक सुविधाएं पहुंच रही हैं।

नितिन नवीन ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत असम में 22 लाख गरीबों को पक्के घर दिए जा चुके हैं। साथ ही आने वाले समय में 15 लाख और मकान बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसके अलावा ओरुनोडोई (अरुणोदय) योजना के तहत लाभार्थियों को अब 3,000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के घर बनाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर करने के लिए लगातार काम कर रही है।

बता दें कि अरुणोदय योजना असम सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी योजना है। इसका उद्देश्य गरीब परिवारों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

महिलाओं के सशक्तीकरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में राज्य सरकार माताओं-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक मजबूती सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

रोजगार के मुद्दे पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने 2 लाख युवाओं को नौकरी देने का संकल्प लिया है। साथ ही नए उद्योग लगाने वालों को 5 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता देने की योजना भी बनाई गई है।

नेशनल मेरीटाइम डे : 'एसएस लॉयल्टी' से शुरू हुआ सफर, आज समुद्री ताकत बन रहा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप जानते हैं कि जिस समंदर पर आज भारत शान से तिरंगा फहरा रहा है, उस पर कभी किसी और का एकाधिकार था? बॉम्बे बंदरगाह में विश्व के समुद्री व्यापार पर ब्रिटिश जहाजों का दबदबा था। वे मनमाना किराया वसूलते और किसी भी भारतीय कंपनी को टिकने नहीं देते थे।

महान उद्योगपति जमशेदजी टाटा ने अपनी 'टाटा लाइन' शुरू कर यह चक्रव्यूह तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन ब्रिटिश कंपनियों ने 'किराया-युद्ध' छेड़कर उन्हें व्यापार से बाहर कर दिया। तभी एक गुजराती उद्योगपति वालचंद हीराचंद ने 1919 में अपने दोस्तों के साथ मिलकर 'सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी' बनाई। उन्होंने ग्वालियर के महाराजा से एक 'हॉस्पिटल शिप' खरीदा, उसे नया रूप दिया और ह्यएसएस लॉयल्टी' नाम रखा।

5 अप्रैल 1919 को बॉम्बे के तट से 'एसएस लॉयल्टी' ने जब लंदन के लिए अपनी पहली व्यावसायिक यात्रा भरी, तो यह सिर्फ एक जहाज का सफर नहीं था। यह ब्रिटिश एकाधिकार के सीने पर किया गया एक सीधा राष्ट्रवादी वार था। इसी अदम्य साहस को सलाम करने के लिए भारत हर साल 5 अप्रैल को 'नेशनल मेरीटाइम दिवस' मनाता है।

साल 1964 में 5 अप्रैल को ही बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय की शुरूआत हुई थी। एसएस लॉयल्टी जहाज मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुआ था। एसएस लॉयल्टी की उस ऐतिहासिक यात्रा की याद में भारत सरकार ने 5 अप्रैल, 1964 को पहली बार 'नेशनल मेरीटाइम दिवस' मनाने की शुरूआत की थी।

आज, जब भारत अपना 63वां राष्ट्रीय समुद्री दिवस मना रहा है, तो परिस्थितियां बदल चुकी हैं। इस वर्ष की थीम 'मैरीटाइम इंडिया - एम्पावरिंग प्रोग्रेस' है।

'भारत कंटेनर शिपिंग लाइन' (बीसीएसएल) भारत सरकार की एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य विदेशी शिपिंग कंपनियों पर देश की निर्भरता को कम करना और वैश्विक समुद्री व्यापार में भारत की पकड़ को मजबूत करना है। फरवरी 2026 में, भारत ने अपनी पहली राष्ट्रीय कंटेनर शिपिंग लाइन स्थापित करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

59,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ शुरू हुई यह योजना विदेशी जहाजों पर हमारी निर्भरता को खत्म कर देगी। भारत अब सिर्फ विदेशी जहाजों में अपना माल नहीं भेजेगा, बल्कि स्वदेशी जहाज बनाएगा।

आज भारत के बंदरगाह किसी वर्ल्ड-क्लास एयरपोर्ट से कम नहीं हैं। 'सागरमाला कार्यक्रम' ने देश की तस्वीर बदल दी है। पहले जहां एक जहाज को बंदरगाह पर माल उतारने में औसतन 93 घंटे लगते थे, आज वह समय घटकर मात्र 48 घंटे रह गया है। सड़कों का बोझ कम करने के लिए नदियों और जलमार्गों (आईडब्ल्यूटी) से माल ढुलाई में 710 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भारत 'हरित सागर' दिशा-निर्देशों के तहत ग्रीन हाइड्रोजन और सौर ऊर्जा से चलने वाले जीरो-एमिशन (शून्य-उत्सर्जन) बंदरगाह बना रहा है। दक्षिण कोरिया के साथ हुए हालिया समझौते के बाद, भारतीय युवाओं को दुनिया की सबसे बेहतरीन 'शिपबिल्डिंग' ट्रेनिंग मिलने जा रही है।

इन सब के बीच हमें उन चेहरों को कभी नहीं भूलना चाहिए जो समंदर के असली योद्धा हैं। हमारे नाविक महीनों तक परिवार से दूर, गहरे समंदर में तूफानों और चुनौतियों से लड़ते हुए भारत की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा को चालू रखते हैं। इनकी बहादुरी और असाधारण काम को सम्मान देने के लिए ही सरकार 'सागर सम्मान पुरस्कार' देती है।

भारत का विजन 2047 बिल्कुल साफ है। 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना और 1 करोड़ (10 मिलियन) से ज्यादा नई नौकरियां पैदा करना। आज जो समुद्री क्षेत्र देश की जीडीपी में 4 प्रतिशत का योगदान देता है, 2047 तक इसे करीब 'दो अंकों' तक ले जाने का लक्ष्य है। 5 अप्रैल 1919 को 'एसएस लॉयल्टी' ने आजादी की जो चिंगारी समंदर की लहरों पर छोड़ी थी, आज वह 'अमृत काल' में एक मशाल बन चुकी है। यह दुनिया के लिए एक उद्घोषणा है कि समंदर के रास्तों पर अब भारत की नई वैश्विक महाशक्ति का उदय हो रहा है।

संपादकीय

तेल के खेल में सत्ता का नया केंद्र बनेगा भारत?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दिए एक बयान से तेल के खेल में भारत सत्ता का नया केंद्र बन सकता है? राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला को लेकर एक बयान दिया है जिसमें साफ-साफ कहा है कि अब अमेरिका वेनेजुएला के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम भारी मात्रा में तेल और गैस के उत्पादन और बिक्री में बहुत अच्छा तालमेल बिठा रहे हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद पृथ्वी पर दूसरा सबसे बड़ा भंडार अब हम कच्चे तेल के लिए मध्य पूर्व पर पूरी तरह से निर्भर नहीं हैं और फिर भी हम वहां सहायता के लिए मौजूद हैं। हालांकि, ट्रंप ने भले ही वेनेजुएला के तेल भंडार पर कब्जा कर लिया हो लेकिन इसमें सबसे अधिक फायदा भारत को हो सकता है। भारत इसमें सत्ता का केंद्र बन सकता है ? यानी भारत तेल के खेल में विश्व उर्जा का केंद्र बन सकता है क्योंकि भारत भले ही दूसरे देशों से कच्चे तेलों का निर्यात करता हो लेकिन कच्चे तेल की रिफाइनिंग के लिए अन्य देशों को हम भारत पर ही निर्भर रहना पड़ता है, क्योंकि रिफाइनरी के मामले में भारत दुनिया के सभी देशों से आगे हैं। अगर अमेरिका वेनेजुएला के कच्चे तेल को यूरोपियन देश को बेचता है तो इसमें भी भारत का ही सबसे अधिक फायदा है। क्योंकि, यूरोपियन देश भारत से सबसे अधिक रिफाइंड तेल खरीदते हैं। अमेरिका खुद भारत से सबसे अधिक रिफाइंड तेल का निर्यात करता है। ऐसे में आने वाला भविष्य भारत के लिए अच्छा संकेत दे रहा है।

वैश्विक राजनीति में तेल (ऊर्जा) हमेशा से शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत रहा है। 20वीं सदी में (ऑर्गनाइजेशन ऑफ दं प्रेट्रोलियम इ एंड पोटिंग कंट्रीज) देशों और पश्चिमी शक्तियों के बीच तेल की राजनीति ने विश्व व्यवस्था को आकार दिया। आज 21वीं सदी के तीसरे दशक में, बदलते ऊर्जा समीकरणों के बीच यह सवाल फिर उठ रहा है–क्या भारत इस तेल के खेल में सत्ता का नया केंद्र बन सकता है? इस बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखलाओं में बड़ा बदलाव आया। यूरोप ने रूसी तेल पर निर्भरता घटाई, वहीं भारत ने सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़ाकर अपनी ऊर्जा रणनीति को मजबूत किया। इससे भारत न केवल लागत में बचत कर सका, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपनी वॉर्गनिंग पॉवर भी बढ़ाई। ऐसे में समय में भारत की रणनीतिक स्थिति की बात करे तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। इसकी भौगोलिक स्थिति–मध्य पूर्व, रूस और एशिया के बीच–इसे एक प्राकृतिक ऊर्जा हब बनने का अवसर देती है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है ईरान युद्ध

यह साफ है कि युद्ध की वजह से बढ़ती महंगाई और जरूरी सामान की कमी का सीधा असर आम आदमी पर पड़ता है. इसके अलावा सामाजिक अशांति भी होगी, जिसका असर आम लोगों पर ही पड़ेगा.दरअसल भारत अपनी जरूरत का लगभग 80 से 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। वर्तमान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जो भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए चिंता का विषय है।

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका इजराइल-ईरान वार दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला रहा है। जान लीजिए कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहा,बल्कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की जेब पर भी साफ दिखने लगा है। नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत जिस तरह से महंगाई के झटके के साथ हुई है, वह इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में आर्थिक चुनौतियां और गंभीर हो सकती हैं। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी, सप्लाई चेन में बाधा और वैश्विक अनिशितता, ये सभी कारक मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रहे हैं। अप्रैल के पहले ही दिन जिस तरह एलपीजी, हवाई इंधन (एटीएफ) और प्रीमियम ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि हुई, उसने आम आदमी से लेकर उद्योग जगत तक सभी को प्रभावित किया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और एटीएफ का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना यह दशार्ता है कि ऊर्जा क्षेत्र में संकट गहराता जा रहा है। हालांकि आम पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तत्काल बदलाव नहीं किया गया, लेकिन प्रीमियम ईंधन महंगा होने से परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत पर असर पड़ना तय है। इसका सीधा असर वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों पर पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ती है।

आमतौर पर हर युद्ध महंगाई बढ़ाने का कारण बनता है, लेकिन इस संघर्ष में खाड़ी देश शामिल हैं, जो दुनिया की ज्यादातर कच्चे तेल और गैस की जरूरत पूरी करते हैं, इसलिए ऊर्जा की कीमतें बढ़ने से महंगाई और तेजी से बढ़ती है. इसके अलावा समुद्री व्यापार के रास्तों में रुकावट के कारण सामान और कच्चे माल की कमी भी महंगाई बढ़ाती है.

जैसे-जैसे युद्ध लंबा खिंचता है, यह समस्या और गंभीर होती जाती है. महंगाई से लोगों की खरीदने की क्षमता कम हो जाती है, जरूरी सामान की कमी होती है और सरकारों की इन खर्चों को संभालने की क्षमता भी कम हो जाती है, जिससे सामाजिक अशांति का खतरा बढ़ता है.

यह साफ है कि युद्ध की वजह से बढ़ती महंगाई और जरूरी सामान की कमी का सीधा असर आम आदमी पर पड़ता है. इसके अलावा सामाजिक अशांति भी होगी, जिसका असर आम लोगों पर ही पड़ेगा.दरअसल भारत अपनी जरूरत का लगभग 80 से 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। वर्तमान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जो भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए चिंता का विषय है। तेल की कीमत बढ़ने से केवल पेट्रोल-डीजल ही महंगे नहीं होते, बल्कि बिजली उत्पादन, परिवहन और उद्योगों की लागत भी बह जाती है। यही कारण है कि महंगाई का प्रभाव व्यापक होता है। हालांकि राहत की बात यह है कि भारत के पास फिलहाल खाद्यान का पर्याप्त भंडार है। गेहूं और चावल की उपलब्धता मजबूत है, जिससे तत्काल खाद्य संकट की आशंका नहीं है। लेकिन खतरा भविष्य में है। भारत उर्वरकों और कुछ कृषि इनपुट के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है। यदि युद्ध लंबा खिंचता है और सप्लाई प्रभावित होती है, तो इसका असर खेती और खाद्य उत्पादन पर भी पड़ सकता है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों पर भी युद्ध का असर पड़ता है। शिपिंग महंगी होती है, बीमा लागत बढ़ती है और कई बार रास्ते असुरक्षित हो जाते हैं। इससे आयात-निर्यात दोनों प्रभावित होते हैं। भारत जैसे देश के लिए, जो वैश्विक व्यापार पर निर्भर है, यह एक बड़ी चुनौती बन सकता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू है विदेशी मुद्रा और रेमिटेंस। खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं और वहां से भेजी गई रकम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध के कारण यहां की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है, तो इसका असर भारत में आने वाली इस आय पर भी पड़ सकता है। समझने की जरूरत है कि युद्ध का असर केवल महंगाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार और उद्योगों पर भी पड़ता है। टेक्सटाइल, केमिकल, सीमेंट और टायर जैसे सेक्टर, जो बड़े पैमाने पर रोजगार देते हैं, उत्पादन लागत बढ़ने के कारण प्रभावित हो सकते हैं। जब उत्पादन महंगा होता है और मांग घटती है, तो कंपनियां लागत कम करने के लिए कर्मचारियों की संख्या घटा सकती हैं। इससे बेरोजगारी बढ़ने का खतरा भी पैदा होता है। आर्थिक रिपोर्टस के अनुसार, यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो भारत की जीडीपी ग्रोथ में 1 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसका असर निवेश, रोजगार और सरकारी राजस्व पर भी पड़ेगा। महंगाई बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति घटती है, जिससे बाजार में मांग कम होती है और आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं। हालांकि सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती इसका उदाहरण है। साथ ही, खुदरा महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत पर बनाए रखने का निर्णय भी आर्थिक स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी अगली मौद्रिक नीति 9 अप्रैल को घोषित करेगा। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की हर बैठक पर नजर होती है, लेकिन इस बार इस पर विशेष रूप से नजर होगी, क्योंकि महंगाई बढ़ रही है, क्योंकि पश्चिम एशिया में संघर्ष चल रहा है। भले ही एमपीसी ब्याज दर में कोई बदलाव न करे, लेकिन उसकी घोषणा वित्तीय बाजारों में शांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, खासतौर पर जब अनिश्चितता अधिक है। बाजार भी स्पष्ट दिशानिर्देशों के आने का इंतजार करेगा कि आखिर एमपीसी इस अनिश्चितता को कैसे देख रहा है और भविष्य की मौद्रिक नीति के लिए इसके क्या मायने हैं। महंगाई को लक्षित करने वाली अर्थव्यवस्थाओं जैसे कि भारत में मौद्रिक नीति का एक महत्त्वपूर्ण साधन संचार या सूचना होती है। वित्तीय बाजार एमपीसी के बयानों और आरबीआई गवर्नर को टिप्पणियों को भविष्य में ब्याज दरों के मार्गदर्शन के संकेत के रूप में देखते हैं।

जब केंद्रीय बैंक की सूचना जटिल या अस्पष्ट होती है तब बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है। अगर देखा जाए तो यह भी सच है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां लगातार खराब होती रहीं, तो केवल घरेलू उपाय पर्याप्त नहीं होंगे। युद्ध के प्रभाव को समझने के लिए हमें यह समझना होगा कि आज की दुनिया एक जुड़ी हुई आर्थिक श्रृंखला है। एक देश में संकट का असर दूसरे देशों तक तेजी से पहुंचता है। जब सप्लाई चेन टूटती है, तो उत्पादन, वितरण और उपभोग तीनों प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत में महंगाई के रूप में दिखाई दे रहा है। हालांकि वर्तमान स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर नहीं है, लेकिन संकेत चिंताजनक हैं। विशेषज्ञ भले ही स्पष्ट रूप से महंगाई के बढ़ने की पुष्टि न करें, लेकिन बाजार की वास्तविकता कुछ और ही कहानी कह रही है।

भाजपा के 47 साल: शिखर पर जीत, सिद्धांतों पर सवाल

दिलीप कुमार पाठक

6 अप्रैल 1980 को मुंबई के समंदर किनारे जब अटल बिहारी वाजपेयी ने अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा का उद्घोष किया था, तो वह केवल एक चुनावी नारा नहीं बल्कि एक वैकल्पिक राजनीति का संकल्प था। आज 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह दुनिया के सबसे बड़े और अजेय नजर आने वाले राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हो चुकी है। लेकिन इस अभूतपूर्व सफलता के ऊंचे बुर्ज पर बैठकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो कुछ बुनियादी सवाल आज भी पार्टी की उस अलग तरह के दल वाली छवि का पीछा कर रहे हैं। क्या सत्ता के इस विशाल साम्राज्य को खड़ा करने की प्रक्रिया में वे आदर्श कहीं पीछे छूट गए हैं, जो इस दल की नींव में रखे गए थे? भारतीय राजनीति के इस लंबे सफर में भाजपा ने शून्य से शिखर तक की जो यात्रा तय की है, वह संगठनात्मक कौशल का अद्भुत उदाहरण तो है, पर क्या यह सफर अपनी मूल शुचिता को भी साथ लेकर चल पाया है?

भाजपा की वैचारिक यात्रा का मूल आधार अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दो मजबूत स्तंभ थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय हो। हालांकि, उज्ज्वला से लेकर मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में मदद जैसी बड़ी योजनाओं ने एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे पार्टी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती है। लेकिन क्या कल्याणकारी योजनाओं का यह दाता और याचक वाला मॉडल असल सशक्तिकरण है? आज की राजनीति सेवा से ज्यादा आयोजन प्रबंधन और डिजिटल प्रचार पर टिकी नजर आती है। जिस नैतिक बल और सादगी की मिसाल पुराने दौर के नेता देते थे, उसकी जगह अब चकाचौंध और भारी-भरकम चुनावी मशीनरी ने ले ली है। विकास के दावों के बीच यह सवाल अक्सर दबी जुबान में पूछा जाता है कि क्या हम बुनियादी मुद्दों के बजाय केवल भावनात्मक और सांकेतिक राजनीति के जाल में तो नहीं उलझ गए हैं?

एक जीवंत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितना कि एक स्पष्ट बहुमत वाली सरकार का होना। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष मुक्त भारत की जिस अवधारणा को हवा दी गई, उसने लोकतांत्रिक संतुलन को बुरी तरह असहज किया है। जांच एजेंसियों के बढ़ते प्रभाव और विपक्षी नेताओं का बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल होकर रातों-रात पवित्र हो जाना, पार्टी की उस शुचिता पर गहरा सवालिया निशान लगाता है जिसका दावा वह दशकों से करती आई है। क्या सत्ता पाने की व्याकुलता में किसी भी दल के दागी चेहरों को अपना लेना उस कार्यकर्ता आधारित संगठन के लिए सही है, जो कभी अपने सिद्धांतों पर गर्व करता था? आज पार्टी का ढांचा भी पहले की तुलना में अधिक व्यक्ति-केंद्रित हो गया है। सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक विमर्श की जगह अब केवल ऊपर से आने वाले आदेशों और हां में हां मिलाने वाली संस्कृति ने ले ली है।

राम मंदिर का निर्माण, अनुच्छेद 370 का खात्मा और नागरिकता कानूनों जैसे मुद्दों पर उसे व्यापक जनसमर्थन मिला है, लेकिन क्या राष्ट्रवाद की इस प्रबल लहर ने देश की बुनियादी आर्थिक चुनौतियों को कालीन के नीचे धकेल दिया है? बढ़ती बेरोजगारी, मध्यम वर्ग पर महंगाई का लगातार बढ़ता बोझ और अमीर-गरीब के बीच बढ़ती गहरी खाई ऐसे कड़वे सच हैं, जिन्हें केवल भव्य आयोजनों और नारों से नहीं बदला जा सकता। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का शिक्षित युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। बड़े व्यापारिक घरानों के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भी यह धारणा पुख्ता की है कि पार्टी का झुकाव अब आम आदमी से हटकर खास प्रबंधकों की ओर हो गया है।

स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा को गहराई से आत्ममंथन करने की जरूरत है। क्या वह केवल चुनाव जीतने वाली एक पेशेवर मशीन बनकर रहना चाहती है या वापस उस नैतिक राजनीति की ओर लौटेगी, जिसका वादा 1980 के मुंबई अधिवेशन में किया गया था? लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है, यह अल्पमत के सम्मान, आलोचना को पचाने की शक्ति और संस्थाओं की स्वायत्तता का नाम भी है। यदि भाजपा को आने वाले दशकों में अपनी साख और गौरवशाली इतिहास को बचाए रखना है, तो उसे अपनी जीत के अहंकार से ऊपर उठकर उन लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से गले लगाना होगा, जो उसकी स्थापना की मूल भावना थे। सत्ता तो आती-जाती रहती है, लेकिन जो विचार अपनी नैतिकता और लोक-लाज की परवाह करना छोड़ देता है, वह इतिहास की नजरों में अपनी चमक धीरे-धीरे खोने लगता है। आने वाला समय बताएगा कि कमल की यह पंखुड़ियाँ सिद्धांतों की महक फैलाती हैं या केवल सत्ता की धूप में मुरझा कर रह जाती हैं।

युद्ध अपराधी है डोनॉल्ड ट्रंप व नेतन्याहू

तनवीर जाफरी

अमेरिका व इस्राईल द्वारा संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान पर थोपे गये बलात युद्ध को पांच सप्ताह बीत चुके हैं। पूरी दुनिया में अपनी फजीहत होती देख राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अब खिसियाहट में ईरान के आधारभूत ढांचों को नुक़्सान पहुँचाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अमेरिका ने पिछले दिनों ईरान की राजधानी तेहरान और कराज को जोड़ने के लिए बनाये जा रहे राजधानी के सबसे ऊँचे सस्पेंशन ब्रिज को ध्वस्त कर दिया। लगभग 1 किलोमीटर से अधिक लंबे और 136 मीटर ऊँचे इस निमार्णाधीन हाई-राइज ब्रिज पर पिछले दिनों अमेरिका और इजराइल ने मिलकर दो बार एयरस्ट्राइक की। इन हवाई हमलों के परिणामस्वरूप पुल का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो गया। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। इस हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस पुल के ढहते हुए वीडियो शेयर कर ईरान को धमकी देते हुये लिखा कि ह्लडील कर लो, वरना बहुत देर हो जाएगीह्व। उन्होंने लिखा कि अगर ईरान ने अपना रुख नहीं बदला तो ह्लउस देश में कुछ भी नहीं बचेगा जो कभी महान देश बन सकता था,ह्व। ट्रंप ने इस हमले को ह्लअमेरिकी सेना की ताकत का छोटा नमूनाह्व बताया और यह संकेत दिया कि अगर ईरान डील से मना करता है तो देश के पावर प्लांट, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क आदि अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर भी अगले निशाने हो सकते हैं।

इसी अमेरिका ने युद्ध की शुरूआत में 28 फरवरी को ही ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैय्येबह बालिका प्राथमिक स्कूल की ईमारत पर टॉमहॉक मिसाइल मिसाइल से हमला कर लगभग 175 लोगों को शहीद कर दिया था इनमें अधिकांश स्कूल की बच्चियां शामिल थीं। स्कूल के पास ही दवाखाना व अन्य नागरिक सुविधाएं भी थीं। इसी हमले के चलते न केवल ईरान ने अमेरिका को युद्ध अपराध का दोषी ठहरा दिया था बल्कि दुनिया भर में भी इसे युद्ध अपराध करार दिया गया। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के मूल सिद्धांतों के तहत जिनेवा कन्वेंशन्स 1949 व इसके एडिशनल प्रोटोकॉल्स 1977 के अंतर्गत युद्ध में रिहाइशी इलाकों,स्कूलों, अस्पताल, पानी की व्यवस्था संबंधित प्लांट्स, बिजली ग्रिड,पुल जैसे बुनियादी ढांचों पर हमले सामान्यतः नहीं किए जा सकते। ये युद्ध अपराध माने जाते हैं। युद्ध में लड़ाई के दौरान सैनिकों,सैन्य लक्ष्यों और नागरिकों व नागरिक सुविधा संबंधी वस्तुओं के बीच स्पष्ट अंतर करना जरूरी है।? परन्तु अमेरिका तो क्या उसकी शह व संरक्षण में युद्धरत इस्राइल को भी न तो मानवीय कानून की फिक्र है न ही जिनेवा कन्वेंशन्स में निर्धारित युद्ध के सिद्धांतों की। इसीलिये अपनी अपार शक्ति व सर्वोच्चता के नशे में चूर अमेरिका व उसके पिछलग्गू इस्राईल द्वारा हर संभव युद्ध अपराध किया जा रहा है।

गजा में तो नेतन्याहू के नेतृत्व में इस्राईल ने दरिन्दिगी का वह इतिहास रचा है जिसने युद्ध अपराध की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। सरकारी आंकड़े बताते है कि 7 अक्टूबर 2023 से 25 मार्च 2026 तक इस्राईली सेना द्वारा 72,265 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 1,71,959 लोग घायल हुए। यहाँ तक कि 10 अक्टूबर 2025 को लागू हुये युद्धविराम के बाद भी इस्राईल ने लगभग 700 लोगों को मार दिया है। हालाँकि कुछ स्वतंत्र अध्ययन कुल मौतों का आंकड़ा 75,000 से ज्यादा बता रहे हैं। स्वयं इस्राइली सेना ने जनवरी 2026 में 70,000 मौतों का आंकड़ा स्वीकार किया था। कुल लगभग 22-23 लाख की आबादी वाले इस इलाके में 19 लाख से ज्यादा लोग एक या कई बार विस्थापित हुए हैं। नतीजतन आज भी 17 लाख से ज्यादा लोग अस्थायी विस्थापन कैंप्स में रह रहे हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों के घर-मकान नष्ट हो चुके हैं जिसके चलते लोग बेघर हैं। नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहाइशी इलाकों,स्कूल्स,बाजार,अस्पताल,स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना,मानवता के खिलाफ अपराध,हत्या,उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे यहूदी-विरोधी तथा राजनीतिक साजिश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है।

इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आखिर क्या वजह है कि उनके सलाहकारों से लेकर सैन्य विभाग के अनेक बड़े अधिकारी तक इस अवैध युद्ध का विरोध करते हुये क्योंकर इस सनकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़े होने के बजाये अपने इस्तीफे दे रहे हैं। नाटो सहित उसके कई सहयोगी देश खुलकर ट्रंप के ईरान में सैन्य हस्तक्षेप का विरोध कर रहे हैं। और आज ईरान की ताकत व उसकी रक्षात्मक व आक्रामक शक्ति का अंदाजा किये बिना ईरान पर हमला बोल देने और परणामस्वरूप अमेरिका द्वारा ऐतिहासिक क्षति का सामना करने से अमेरिका के महाशक्ति होने का जो भरम टूटा है उसका जिम्मेदार भी ट्रंप ही है। और इसी सन्दर्भ में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची को यह कहना पड़ा है कि -अधूरे बने पुलों समेत इंफ्रास्टक्चर पर हो रहे हमले ईरानियों को सरेंडर करने के लिये मजबूर नहीं कर सकते। यह केवल अव्यवस्था में फंसे दुश्मन की हार और उस के नैतिक पतन को दिखाता है। साथ ही अरागची ने यह भी कहा कि हर पुल और ईमारत को पहले से ज्यादा मजबूती के साथ बनाया जायेगा। परन्तु जिसकी कभी भरपाई नहीं हो पायेगी वह है अमेरिकी साख को हुआ नुकसान।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयन ने भी अमेरिकियों के नाम एक खुला पत्र लिखकर कहा है कि वे युद्ध के प्रोपेगैंडा के धुंध से बाहर देखें और मनगढ़ंत खतरे को नकारें। राष्ट्रपति पेजेशिकयन ने सवाल उठाया है कि क्या अमेरिका सचमुच अमेरिका फर्स्ट को आगे रख रहा है या फिर वह केवल इजरायल के लिए एक प्रॉक्सी के तौर पर काम कर रहा है? पेजेशिकयन ने आगे कहा कि ईरानियों के मन में अमेरिका, यूरोप या किसी भी पड़ोसी देश के प्रति कोई दुश्मनी नहीं है। परन्तु सच्चाई तो यही है कि युद्ध अपराधी भगौड़े नेतन्याहू के चक्रव्यूह में उलझकर ट्रंप ने भी युद्ध अपराध को हीअंजाम दिया है।

दंड से सुधार की ओर विश्वास आधारित न्यायिक यात्रा

ललित गर्ग

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि व्यवस्था, अनुशासन, सुधार और विश्वास का वातावरण बनाना भी होता है। इसी दृष्टि से भारत सरकार द्वारा लाया गया जन विश्वास विधेयक 2026 पहले लोकसभा के बाद अब राज्यसभा से भी पारित होने से इसके कानून के रूप में अमल का रास्ता साफ हो गया। इसके माध्यम से उस व्यवस्था को विदा देने का जतन किया गया है, जिसमें छोटी-छोटी गलतियों या सामान्य नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जेल की सजा का प्रविधान था, अब ऐसा होने पर आर्थिक दंड लगेगा। निश्चित ही इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, भारतीय कानूनी परिवेश की एक उजली भोर है। निश्चित तौर यह कानून दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक व्यवस्था की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें लगभग 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर 784 प्रविधानों में संशोधन किये गये हैं और 700 से अधिक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इससे अदालतों में मुकदमों का बोझ और न्यायिक तंत्र पर दबाव कम होगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि खत्म होने पर भी वह 30 दिन तक वैध रहेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने पर सजा के स्थान पर जुमार्ने का प्रविधान होगा। इसी तरह अन्य अनेक मामलों में ऐसा होगा। इनमें से कई मामले कारोबारियों से भी जुड़े हैं, जैसे पहले ड्रग्स एवं कास्मेटिक नियमों के उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, लेकिन अब केवल जुमार्ना लगेगा। जो छोटे कारोबारी प्रायः जटिल नियम-कानूनों के अनचाहे उल्लंघन के कारण दंडित होने के दबाव में भयभीत रहते थे, वे अब भयमुक्त होंगे।

भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है भारत की व्यवस्था एवं कानूनों का सरल एवं सुगम बनाना, यह कानून उसी दिशा में एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपक्रम है। इस विधेयक से न केवल न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होगा बल्कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इसे ह्लन्यूनतम सरकार, अधिकतम शासनह्व की अवधारणा को व्यवहार मां उतारने वाला कानून भी कहा जा सकता है। दंड नहीं, सुधार की भावना को बल देते हुए इस कानून से आम-जनता को कानून की जटिल प्रक्रियाओं एवं भ्रष्टाचार की व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी। भारतीय न्याय व्यवस्था लंबे समय तक दंड आधारित रही है, जिसमें छोटे-छोटे उल्लंघनों के लिए भी आपराधिक मुकदमे चल जाते थे। इससे अदालतों में मुकदमों का ढेर लग जाता था और आम नागरिक अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं में उलझ जाते थे। जन विश्वास विधेयक ने इस सोच को बदलने का प्रयास किया है। इससे कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सुधार करना और व्यवस्था बनाए रखना होगा। अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड तय करना न्याय के मूल सिद्धांतों के अधिक अनुरूप है।

इस कानून से न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी और गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा। यह कानून न्यायिक सुधार की दिशा में भी एक बड़ा ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि इससे न्यायालयों का समय और संसाधन बचेंगे और न्याय प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी। इस कानून का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यापार और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनाना भी है। पहले कई छोटे नियमों के उल्लंघन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते थे, जिससे उद्यमियों और निवेशकों में भय का वातावरण रहता था। अब आर्थिक दंड के प्रावधान से अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार करने में आसानी होगी। इससे छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा भारत में निवेश का वातावरण और बेहतर बनेगा। वैश्विक स्तर पर भी भारत की छवि एक सरल और निवेश अनुकूल देश के रूप में मजबूत होगी।

इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसकी भावना भारतीय संस्कृति के बहुत निकट दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में दंड से अधिक सुधार, प्रतिशोध से अधिक क्षमा और अपराध से अधिक परिमार्जन की परंपरा रही है। हमारे शास्त्रों और परंपराओं में कहा गया है कि मनुष्य से गलती होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे सुधार का अवसर मिलना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों के लिए कठोर दंड देना न्याय नहीं, बल्कि अन्याय की श्रेणी में आ सकता है। इस दृष्टि से यदि कानून व्यवस्था में क्षमा, सुधार और परिमार्जन की व्यवस्था हो, तो समाज अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

2027 में प्रचंड बहुमत से फिर बनेगी भाजपा सरकार : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज, (वेब वार्ता)।

वर्ष 2027 में भी भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी, जबकि अखिलेश यादव मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं। यह बातें शुक्रवार को मीडिया से प्रयागराज पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कही। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का राजनीतिक सूर्य अस्त हो चुका है। 2027 के चुनाव परिणाम आने के बाद उनकी पार्टी के विधायक एक ही वाहन में जाते हुए नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ही वर्तमान है और भाजपा ही भविष्य है।

उन्होंने पीडीए को लेकर भी सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पीडीए के साथ न पिछड़ा है और न ही दलित है। अखिलेश यादव पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वह इस समय दुविधा में हैं क्योंकि ना माया मिली, ना राम। अन्य राज्यों के चुनावों को लेकर उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि असम में भाजपा तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। वहीं पश्चिम बंगाल को लेकर उन्होंने कहा कि इस बार टीएमसी जा रही है और 04 मई को चुनाव परिणाम आने पर यह साफ हो जाएगी क्योंकि बंगाल में भाजपा सरकार बना रही है।

उन्होंने कहा कि पूरा भारत मोदीमय और भाजपामय है तथा महिलाएं, बेटियां और नौजवान सभी भाजपा के साथ हैं। वहीं संभल के एसपी केके बिश्नोई की शादी में सपा विधायकों के शामिल होने पर अखिलेश यादव की नाराजगी के सवाल का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत घटिया बात है।

विवाह समारोह में यदि किसी को निमंत्रण मिलता है तो लोग दल और जाति से ऊपर उठकर शुभकामनाएं देने जाते हैं। उन्होंने एसपी संभल केके बिश्नोई और एसपी बरेली अंशिका वर्मा को शादी की शुभकामनाएं भी दीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव इस समय सत्ता पाने के लिए बेचैन हैं और पत्रकारों की तरह सवाल उठा रहे हैं तथा ट्विटर पर खबरें पोस्ट कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के पास इस समय धरातल पर कुछ नहीं है, जबकि भाजपा के पास समर्पित और देश सेवा की भावना से काम करने वाले कार्यकर्ता हैं।

युवती की हत्या में फरार आरोपित गिरफ्तार

देवरिया, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में जनपद देवरिया के मदनपुर थाना क्षेत्र में हुई हत्या की घटना का पुलिस ने अनावरण करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि मदनपुर के बरांव निवासी वीर बहादुर उर्फ शिवम को दो अप्रैल की रात को सेमरा पुल जाने वाले मार्ग के पास से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ इसी गांव के रहने वाले शिवानंद प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया था आरोपित बेटी से शादी करने का दबाव डाल रहा था, जबकि वह इस रिश्ते के खिलाफ थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपित ने खुन्नस में आकर एक अप्रैल की रात को युवती की हत्या कर दी थी। आरोपित वारदात के बाद से फरार चल रहा था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई रस्सी भी बरामद कर ली गई है।एएसपी ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर युवती की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री कैंप का किया निरीक्षण, सुनी समस्यायें

जौनपुर, (वेब वार्ता)।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने शुक्रवार को नगर पंचायत रामपुर स्थित एसपीएस कंप्यूटर सेंटर पर आयोजित फार्मर रजिस्ट्री कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रजिस्ट्री कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मौके पर किसानों के रजिस्ट्रेशन में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में कृषक के नाम, पिता के नाम तथा खतौनी में दर्ज विवरण में अंतर होने के कारण फार्मर रजिस्ट्री में दिक्कतें आ रही हैं।

इस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी और लेखपालों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों को खतौनी में संशोधन कर जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और रजिस्ट्री कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके। जिलाधिकारी ने रजिस्ट्री प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेजी लाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्याम अनुज पांडे को जिलाधिकारी द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मड़ियाहूं, नायब तहसीलदार संदीप सिंह, कृषि विशेषज्ञ जय प्रकाश गुप्ता तथा लेखपालों की टीम भी मौजूद रही। कार्यक्रम में लेखपाल विपिन यादव, रतन बहादुर यादव, मिथिलेश कुमार, श्याम कार्तिक, अवधेश कुमार, डॉ. संतोष पांडेय सहित ग्राम प्रधान राघोरामपट्टी मुरलीधर मिश्रा, अमित सिंह, समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर परीक्षाएं 15 अप्रैल से प्रस्तावित : डॉ विनोद कुमार सिंह

जौनपुर, (वेब वार्ता)।

यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर सम सेमेस्टर सत्र 2025-26 की परीक्षाओं को 15 अप्रैल 2026 से प्रारंभ करने का प्रस्ताव जारी किया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कार्यालय पत्र जारी कर सभी विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों तथा संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों को सूचित किया गया है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के निर्देश पर आगामी परीक्षाओं को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए परीक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में शुक्रवार को जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। यदि किसी छात्र के दो पेपर एक ही दिन निर्धारित हो गए हों या परीक्षा कार्यक्रम में किसी प्रकार की असुविधा अथवा आपत्ति हो, तो उसे 6 अप्रैल 2026 तक ई-मेल के माध्यम से भेजना सुनिश्चित करें। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार बीए, बीएससी एवं बीकॉम द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 अप्रैल से 12 मई 2026 तक आयोजित होंगी।

रविवार को मिलेगी दूसरी मल्टीलेवल पार्किंग की सौगात

मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स में 43 दुकानदारों को कारोबारी ठौर भी मिलेगा

गोरखपुर, (वेब वार्ता)।

गोरखपुर महानगर को 5 अप्रैल को दूसरी मल्टीलेवल पार्किंग का उपहार मिल जाएगा। यह मल्टीलेवल पार्किंग शहर के व्यस्ततम समझे जाने वाले घंटाघर क्षेत्र में बना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इसे एक कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया गया है।

जहां कुल 43 दुकानदारों को कारोबारी ठौर भी मिलेगा। रविवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर उनके हाथों घंटाघर के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण और विरासत गलियारा पांडेयहाता में बनने वाले नए कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का भूमि पूजन-शिलान्यास भी होगा। शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र घंटाघर में आमजन के लिए सुगम आवागमन और व्यापारियों को सहज कारोबारी गतिविधियों को संचालित करने के लिए नगर निगम की तरफ से शहीद बंधु सिंह पार्क में करीब 1540 वर्गमीटर क्षेत्रफल में मल्टीलेवल पार्किंग सह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया है। इसके निर्माण पर 27.26 करोड़ रुपये की लागत आई है। कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में 26 कारों, द्वितीय तल पर 24 और छत पर 200 दोपहिया वाहनों की पार्किंग हो सकेगी। जबकि भूतल पर 21 तथा प्रथम तल पर 22 दुकानों और पुरुष-महिला शौचालय का निर्माण हुआ है। भूतल पर ही करीब 220 वर्गमीटर क्षेत्र में शीतला माता मंदिर अवस्थित रहेगा। कॉम्प्लेक्स में दोनों तरफ सीढ़ियों और दो लिफ्ट की व्यवस्था है। यह गोरखपुर शहर का दूसरा मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स होगा।

गोलघर में एक मल्टीलेवल पार्किंग पहले से संचालित है। घंटाघर इलाके में कारोबार और जीवन सुगमता के लिहाज से मल्टीलेवल पार्किंग सह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। घंटाघर क्षेत्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख कारोबारी इलाकों में शुमार है। यहां न केवल गोरखपुर बल्कि आसपास के अन्य जिलों, बिहार और नेपाल के सीमाई इलाकों के लोग और कारोबारी खरीदारी करने आते हैं।

बांदा सदर में 09 सड़कों के निर्माण को मंजूरी, 20 करोड़ होंगे खर्च

बांदा, (वेब वार्ता)।

उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में सदर विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत संरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य सड़क निधि योजना के अंतर्गत 09 संपर्क मार्गों के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं पर लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ ही ग्रामीण इलाकों के विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

स्वीकृत परियोजनाओं में ग्राम पडुई से मनीपुर (4.500 किमी) के लिए 362.10 लाख रुपये, गांधी नगर (छिबांव) से मोदीयुग चौराहा (0.750 किमी) के लिए 66.16 लाख रुपये, मकरी मार्ग से करगेहना तकुली मोदीयुग चौराहा (5.500 किमी) के लिए 400.97 लाख रुपये, मकरी बिगहना से नाई (1.800 किमी) के लिए 151.49 लाख रुपये, बछेही से चटसरा (2.500 किमी) के लिए 172.63 लाख रुपये, पतौरा माइनर पूर्व माध्यमिक विद्यालय से सरस्वाह (1.100 किमी) के लिए 123.86 रुपये लाख, मनीपुर से जरर (3.700 किमी) के लिए 422.59 लाख रुपये, धोबिन डेरा से तिंदवारा (1.200 किमी) के लिए 86.88 लाख रुपये तथा अरबई संपर्क मार्ग के अवशेष भाग (2.400 किमी) के लिए 207.30 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। सभी सड़कों की चौड़ाई 3.75 मीटर निर्धारित की गई है। निर्माण कार्य के दौरान आबादी क्षेत्रों में जल निकासी के लिए नालियों का निर्माण, आवश्यकतानुसार पुल-पुलियों का निर्माण तथा सीसी कार्य भी कराया जाएगा।

देवरिया में निमार्णाधीन भवन की दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत

देवरिया, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में शुक्रवार को पालिका परिसर के पास एक निमार्णाधीन भवन में पुरानी जर्जर दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी, उप जिला मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की जा रही है। उपजिलाधिकारी ने बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र के अंसारी रोड निवासी आशीष कनोडिया अपने भूखंड पर भवन निर्माण करा रहे थे। निर्माण कार्य एक ठेकेदार के जिम्मे था, जिसने राघव नगर से मजदूरों को बुलाकर बेसमेंट की खुदाई शुरू कराई थी। शुक्रवार सुबह 11 बजे निर्माण स्थल पर करीब 24 मजदूर काम कर रहे थे।

सशक्त और विकसित राष्ट्र के लिए कृतसंकल्पित है भाजपाः सूर्यप्रताप शाही

देवरिया, (वेब वार्ता)।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को आगामी कार्यक्रमों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई । अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने पार्टी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है।

उन्होंने कहा कि भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया, जिसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी संतराज यादव ने कहा कि 05 अप्रैल से 12 अप्रैल तक पार्टी के कार्यक्रम चलाए जाने की कार्ययोजना है उसके बाद 14 अप्रैल को बना साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 5, 6, 7 को बूथ से लेकर मंडल और जिला स्तर तक के कार्यालयों को सजाया जाएगा तथा 06 अप्रैल को पार्टी के बूथ स्तर तक के कार्यालयों पर झंडारोहण कराया जाएगा तथा सभी कार्यकर्ता अपने घरों पर भी पार्टी का झंडा लगाएंगे।

हर बूथों पर प्राथमिक सदस्य, सक्रिय सदस्य, तथा गणमान्य व्यक्ति को सम्मानित किया जाएगा। 08 अप्रैल को सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन देवरिया क्लब सभागार में 11 बजे कराया जाएगा। पूरे जनपद में लगभग 2700 सक्रिय सदस्य हैं। ग्राम बस्ती संपर्क अभियान 7 से 12 अप्रैल तक चलाया जाएगा जिसमें पार्षद से लेकर प्रदेश पदाधिकारी भाग लेंगे। इस दौरान मंडलों में गोष्ठियों का आयोजन कराया जाएगा, जिसमें जनपद के विभिन्न पदाधिकारियों को भेजा जाएगा। सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता का कार्यक्रम भी किए जाएंगे तथा गांवों में 25 से 30 व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाना है। राष्ट्र प्रथम की भावना को आत्मसात करते हुए इन सभी कार्यक्रमों को हमे मिलजुल कर संपादित करना है।

वाराणसी में नशामुक्त प्रदेश-खुशहाल प्रदेश बनाने के लिए पदयात्रा चार अप्रैल को

वाराणसी, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के जनपद वाराणसी में भगवती मानव कल्याण संगठन की ओर से नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत, अपराध मुक्त भारत के लक्ष्य को लेकर शनिवार 04 अप्रैल को नशामुक्त रैली निकाली जाएगी। लंका स्थित बीएचयू के सिंह द्वार से निकलने वाली इस पदयात्रा में संगठन के कार्यकर्ता और नागरिक शामिल होंगे। शुक्रवार अपराह्न में यह जानकारी भगवती मानव कल्याण संगठन के जिलाध्यक्ष दिनेश मिश्रा ने पराड़कर भवन में पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि बी०एच०यू० सिंह द्वार से कटिंग ग्राउण्ड नदेसर तक निकलने वाली पदयात्रा में हजारों की संख्या में संगठन के कार्यकर्ता समाज को नशामुक्त परिवार अपराध मुक्त समाज बनने का संदेश देंगे।

घट जलाभिषेक में उमड़ी आस्था जयकारों से गूंजा विंध्य धाम

मीरजापुर, (वेब वार्ता)।

वैशाख प्रतिपदा पर शुक्रवार को विंध्याचल धाम में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जगत जननी मां विंध्यवासिनी के वार्षिक घट जलाभिषेक में हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े। 'जय मां विंध्यवासिनी' के गगनभेदी जयघोष से पूरा धाम गुंजायमान हो उठा।

भोर में मंगला आरती के बाद दर्शन-पूजन का क्रम शुरू हुआ, जिसे सुबह 10 बजे घटाभिषेक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद श्रद्धालु पक्का घाट से गंगाजल घड़ों में भरकर कंधों पर उठाए मंदिर पहुंचे। मिट्टी, तांबे और पीतल के घड़ों में जल भरकर भक्तों ने विधि-विधान से मंदिर परिसर, गर्भगृह, परिक्रमा पथ और छत की धुलाई की। इस दौरान मां अष्टभुजी और मां महाकाली मंदिरों का भी श्रद्धा के साथ जलाभिषेक किया गया। तेज धूप के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा। विंध्य नगरी की गलियां गंगाजल से भरे घड़े लेकर जा रहे भक्तों से पट गईं। श्रद्धालुओं ने पहले गंगा स्नान कर घड़ों में जल भरा, उस पर स्वास्तिक व माता का नाम अंकित किया और फूल-माला, कलावा बांधकर देवी दरबार पहुंचे। किसी ने एक तो किसी ने इक्कीस घड़ों तक जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की। दोपहर 12 बजे तक चले इस अनुष्ठान के बाद राजश्री आरती और मां के भव्य श्रृंगार के पश्चात मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी और मां के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर भक्त भाव-विभोर हो उठे।

आरक्षण खत्म करने की कोशिश कर रही सरकार : लालबिहारी यादव

जौनपुर, (वेब वार्ता)।

यूपी के जौनपुर स्थित सरायख्वाजा क्षेत्र के जंगीपुर कला स्थित रघुवर गंगा स्मारक बालिका विद्यालय परिसर में शुक्रवार को आयोजित सभा को संबोधित करते हुए शिक्षक एमएलसी और समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष लालबिहारी यादव ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार आरक्षण व्यवस्था को समाप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है और शिक्षकों व युवाओं की समस्याओं की अनदेखी कर रही है।

लालबिहारी यादव ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली और वित्तविहीन शिक्षकों के मानदेय बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार कोई सकारात्मक कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार, घोटाले और अपराध बढ़े हैं, जबकि कई विभागों में पद खाली पड़े हैं, जिन्हें भरने में सरकार रुचि नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि बीएड, बीटीसी, पीएचडी, नेट और जेआरएफ जैसी उच्च योग्यताएं रखने के बावजूद युवा बेरोजगार हैं और परिवार चलाना उनके लिए मुश्किल हो गया है।

उन्होंने परीक्षा प्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पेपर लीक की घटनाएं बढ़ रही हैं और शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षकों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। सपा संगठन पर भी टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के कई नेता जमीनी स्तर पर काम करने के बजाय सोशल मीडिया तक सीमित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी दिखावे की राजनीति में उलझी हुई है और केवल फोटो खिंचवाकर व्हाट्सएप व फेसबुक पर सक्रिय रहना ही राजनीति मान रही है, जो चिंता का विषय है।उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे गांवों में जाकर गरीबों और जरूरतमंदों के बीच काम करें और पार्टी को मजबूत बनाएं।

साइबर क्राइम पुलिस ने ठगी के शिकार पीड़ित के खातें में वापस कराए 4.23 लाख रुपये

बांदा, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों की रोकथाम और उसके खुलासे की जांच में जुटी साइबर क्राइम पुलिस ने शुक्रवार को एक पीड़ित को राहत पहुंचाई है। साइबर ठगी का शिकार हुए व्यक्ति के खाते में कुल 4 लाख 23 हजार 200 रुपये सफलतापूर्वक वापस कराए गए हैं। साइबर क्राइम थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि कोतवाली थाना नगर क्षेत्र निवासी शिवबरन के बैंक खाते से साइबर ठगों ने धोखाधड़ी कर 4 लाख 23 हजार 200 रुपये निकाल लिए थे। पीड़ित ने इस संबंध में साइबर क्राइम थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही साइबर क्राइम टीम ने तत्परता और कुशलता से कार्रवाई शुरू की। टीम ने पीड़ित के खाते में पूरी धनराशि वापस कराई है।

योगी सरकार की पहल से बदली हमीरपुर की कीर्ति की जिंदगी

लखनऊ, (वेब वार्ता)।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की योजनाएं आज ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहीं हैं। हमीरपुर जनपद की कीर्ति इसकी जीवंत मिसाल बनकर उभरीं हैं। एक समय अध्यापिका और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाली कीर्ति ने जब महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया, तो यह उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। वर्ष 2018 में समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह पकड़ी, बल्कि समाज में खुद की एक नई पहचान भी बनाई। आज वही कीर्ति 'प्रेरणा कैंटीन' के माध्यम से न सिर्फ खुद सशक्त हुई हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर दे रहीं हैं।

वर्ष 2025 अगस्त में कीर्ति ने 10 महिलाओं के साथ मिलकर हमीरपुर के दरियापुर स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में 'प्रेरणा कैंटीन' की शुरूआत की। लगभग 11 लाख रुपये के निवेश से शुरू हुआ यह प्रयास आज उनके लिए सफल उद्यम बना, जिसका टर्नओवर 1.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वर्तमान में कैंटीन से 08 महिलाएं जुड़ीं हैं। हर महीने प्रत्येक महिला को लगभग 8,000 वेतन मिल जाता है। यह कैंटीन केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि पोषण और स्वच्छता का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है जहां 332 बच्चों को रोजाना पौष्टिक नाश्ता, दूध और भोजन बेहद किफायती दर पर उपलब्ध कराया जाता है। शिक्षकों के लिए भी भोजन की व्यवस्था है। कीर्ति का मानना है कि स्वच्छ और पौष्टिक भोजन ही स्वस्थ समाज की नींव है, और इसी सोच के साथ वह पूरी जिम्मेदारी से इस कार्य को आगे बढ़ा रही हैं।

कीर्ति सिंह की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं विशेषकर स्वयं सहायता समूह और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की उपयोगिता का प्रमाण है। कीर्ति ने पहले बैंक सखी के रूप में काम करते हुए अनुभव हासिल किया और अब उद्यमिता के क्षेत्र में कदम रखकर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। कीर्ति का कहना है कि योगी सरकार की इस पहल ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण के लिए भी आवेदन किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक झटके में निपटा दिए 61 मुकदमे, 32 साल बाद दंपती को मिला तलाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने न्याय की एक मिसाल पेश करते हुए तीन दशकों से चल रहे एक लंबे कानूनी संघर्ष का अंत कर दिया है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी विशेष शक्तियों का उपयोग करते हुए एक बुजुर्ग दंपती के बीच चल रहे मामले के साथ कुल 61 मुकदमों को एक झटके में रद्द कर दिया और उन्हें तलाक की मंजूरी दे दी। साल 1994 से चले आ रहे इस विवाद में पति और पत्नी के बीच देश की विभिन्न अदालतों में घरेलू हिंसा, संपत्ति विवाद और मानहानि जैसे दर्जनों मामले लंबित थे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने यह महत्वपूर्ण आदेश देते हुए स्पष्ट किया कि जब किसी वैवाहिक रिश्ते में सुधार की कोई गुंजाइश न बचे और वह पूरी तरह टूट चुका हो, तो उसे खींचने के बजाय स्थायी रूप से समाप्त करना ही न्यायसंगत है।

यह मामला मूल रूप से अवमानना याचिका के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, लेकिन सुनवाई के दौरान पीठ ने पाया कि दोनों पक्ष पिछले 30 वर्षों से केवल कानूनी दांव-पेंच में उलझे हुए हैं। कोर्ट ने पहले दोनों पक्षों की काउंसलिंग करवाई और उन्हें आपसी सहमति से अलग होने के लिए प्रेरित किया। लंबी बातचीत के बाद, पति अपनी पत्नी को स्थायी भरण-पोषण (एलिमनी) के रूप में एक करोड़ रुपये की एकमुश्त राशि देने पर सहमत हुआ। इसके अतिरिक्त, लोनावला स्थित एक संपत्ति में पत्नी के हिस्से के बदले 90 लाख रुपये अलग से जमा करने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने संपत्ति के बंटवारे और वित्तीय लेनदेन को लिखित रूप में दर्ज करने के बाद ही इस समझौते पर अपनी मुहर लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने इस ऐतिहासिक फैसले के जरिए ट्रायल कोर्ट, हाई कोर्ट और स्वयं सुप्रीम कोर्ट में लंबित सभी 61 दीवानी और आपराधिक मामलों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया। अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि भविष्य में किसी भी पक्ष द्वारा उन्हीं पुराने मुद्दों पर कोई नया केस दर्ज नहीं किया जा सकेगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 142 का उपयोग पूर्ण न्याय करने के लिए किया गया है ताकि पक्षकारों को कानूनी बाधाओं से मुक्त किया जा सके। दोनों पक्षों ने अदालत के समक्ष सहमति दी कि वे अब कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते हैं और भविष्य में शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। यह फैसला अदालतों में लंबित वर्षों पुराने मुकदमों के निपटारे के लिए एक प्रभावी मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

ममता के हेलिकॉप्टर के पास दिखा रहस्यमय ड्रोन... पुलिस और सुरक्षा एजेंसी जांच में जुटी

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

मालदा (एजेंसी)।, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हेलिकॉप्टर के पास रहस्यमय ड्रोन दिखने से मालतीपुर इलाके में हड़कंप मच गया। इस अजीबोगरीब घटना ने ममता की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना तब हुई जब ममता अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलिकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही सीएम ममता हेलिपैड पर हेलिकॉप्टर के पास पहुंचीं, एक ड्रोन उसके सामने मंडराता दिखाई दिया। यह देखकर ममता बनर्जी कुछ पल के लिए रुक गईं और माइक संभालते हुए पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, पुलिस को इस पर नजर रखनी चाहिए। इसके पीछे जो लोग हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए। फिलहाल ड्रोन का स्रोत और उद्देश्य स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने भी यह पुष्टि नहीं की है कि प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में यह ड्रोन कैसे पहुंचा। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई हैं। गौरतलब है कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री की हवाई यात्रा के दौरान कई बाधाएं सामने आई हैं। 26 मार्च को खराब मौसम के कारण उनका विमान समय पर कोलकाता हवाई अड्डा पर नहीं उतर पाया था और करीब 70 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर लगाता रहा। इस दौरान बेहाला फ्लाइंग क्लब में भी लैंडिंग की कोशिशें असफल रहीं, जिसके बाद अंततः विमान दमदम हवाई अड्डे पर उतरा। इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने पायलटों की सराहना की थी।

देसी शराब पीने से तीन लोगों की मौत, उपचार के दौरान तोड़ा दम, जांच के लिए चार टीम गठित

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के दौराला थाना क्षेत्र में देसी शराब पीने के बाद एक किराना कारोबारी समेत तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सरस्वती कॉलोनी निवासी बाबूराम (60), उनकी दुकान में काम करने वाले जितेंद्र (35) और अंकित उर्फ दौलत (40) ने शुक्रवार शाम कस्बे में देसी शराब के एक सरकारी ठेके से शराब खरीदी और वहीं उसका सेवन किया। उसने बताया कि शराब पीने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी व पेट दर्द की शिकायत होने लगी। पुलिस ने बताया कि तीनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने जितेंद्र और अंकित को मृत घोषित कर दिया, जबकि बाबूराम ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भानु भास्कर, जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय और जिला आबकारी अधिकारी प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शराब के जहरीले या उपयोग की अवधि समाप्त होने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाउच की पैकेजिंग तिथि 11 फरवरी 2026 पाई गई है और उसी खेप के अन्य पैक भी बेचे गए हैं, जिनसे किसी अन्य स्थान से ऐसी शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित रखा जा रहा है। मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य, फॉरेंसिक, सर्विलांस और गोपनीय शाखा की चार टीम गठित की गई हैं। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आकाशीय बिजली गिरने से दंपती की मौत

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी जिले के सिंधोरा थाना क्षेत्र में भदेवली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पड़ोसी रामचंद्र ने बताया कि मृतक रमेश चंद्र भारती (58) जूनियर हाईस्कूल सिंधोरा में अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। वह अपनी पत्नी चमेला देवी (56) के साथ खेत में गेहूं की फसल का बोझ बांधने गए थे। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों पास स्थित नटवा बीर बाबा मंदिर के पास एक पकड़ी के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। तभी अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आकर दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल रेफर कर दिया, जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

केदारनाथ में बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद, भारी हिमपात के कारण अटल सुरंग बंद

नई दिल्ली(एजेंसी)। गर्मी के मौसम में देश के उत्तरी और पश्चिमी राज्यों में बारिश, ओले और बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ में शनिवार को बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद हो गया है। रोहतांग दर्रे के पास भारी हिमपात के कारण अटल सुरंग बंद की गई। उत्तर प्रदेश की कोसीकला अनाज मंडी में 10 हजार बोरियों में रखा 5 हजार क्विंटल गेहूं बारिश में भीग गया। इससे पहले राज्य में अलग-अलग जगह बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, लाहौल स्पीति के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी जारी है। हिमाचल की राजधानी शिमला में भी शनिवार को तेज तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। राजस्थान में शुक्रवार को रेगिस्तानी जिले जैसलमेर-बीकानेर में जमकर ओले गिरे। अजमेर-ब्यावर में आंधी से पेड़ गिर गए और टीनशेड उड़ गए। अगले तीन दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। 5-6 अप्रैल को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि की आशंका है। तमिलनाडु में बिजली गिर सकती है।

सोरेन को विधायक सरयू राय का सुझाव... .झारखंड में बिना बीजेपी और कांग्रेस के सरकार बनाए

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजनीति में एक नया मोड़ देखने को मिल सकता है। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बिना बीजेपी और कांग्रेस के सरकार बनाने का सुझाव दिया है। उनके बयान से राज्य में नए राजनीतिक समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है। दरअसल विधायक राय ने कहा है कि झारखंड में ऐसी सरकार बन सकती है, जिसमें न बीजेपी की जरूरत होगी और न ही कांग्रेस पार्टी की जरुरत हो। उन्होंने मुख्यमंत्री सोरेन से कहा कि अगर वे हिम्मत दिखाएं, तब वे खुद बाहर से बिना किसी शर्त के समर्थन देने को तैयार हैं। विधायक राय ने विधानसभा का गणित भी समझाया। उन्होंने बताया कि झारखंड विधानसभा में बहुमत के लिए 41 विधायकों की जरूरत होती है। जेएमएम के पास 34 विधायक हैं। आरजेडी के 4 विधायक। भाकपा माले के 2 विधायक और जयराम महतो का 1 वोट है। इन सभी को मिलाकर कुल संख्या 41 हो जाती है, इससे झारखंड में सरकार आसानी से बनाई जा सकती है। राय का कहना है कि इस स्थिति में कांग्रेस या बीजेपी के समर्थन की कोई जरूरत नहीं। उन्होंने कांग्रेस और जेएमएम के बीच बढ़ते तनाव को भी इस स्थिति की वजह बताया। उनके अनुसार, बिहार और असम चुनाव में कांग्रेस ने जेएमएम को सही हिस्सेदारी नहीं दी, जिससे दोनों पार्टियों के रिश्तों में खटास आई है। सरयू राय ने कहा कि चुनाव के समय पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ बोलती हैं और बाद में साथ आ जाती हैं, जिससे जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता कम होती है। उन्होंने संकेत दिया कि असम चुनाव के नतीजों के बाद झारखंड की राजनीति में बड़े बदलाव हो सकते हैं और नए राजनीतिक विकल्प सामने आ सकते हैं।

ईरान से भारतीयों को निकालने में मदद के लिए भारत ने आर्मेनिया का माना आभार

–तनावपूर्ण माहौल में सैकड़ों भारतीय सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे

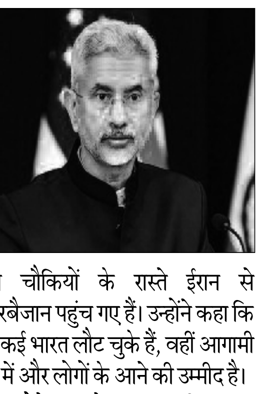

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को ईरान से अपने नागरिकों को निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनिया का आभार माना। आर्मेनिया के रास्ते कई भारतीय मछुआरों की ईरान से सुरक्षित वापसी हुई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज ईरान से आर्मेनिया के रास्ते भारत में भारतीय मछुआरों को निकालने में मदद करने के लिए विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और आर्मेनियाई सरकार को धन्यवाद।

पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण हालात के बीच, हाल के दिनों में सैकड़ों भारतीय सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे। भारत अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित ट्रांजिट रूट सुनिश्चित करने के लिए इलाके की सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में, भारत ने मदद के लिए अजरबैजान को भी धन्यवाद दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि करीब 204 भारतीय नागरिक जमीनी सीमा चौकियों के रास्ते ईरान से अजरबैजान पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जहां कई भारत लौट चुके हैं, वहीं आगामी दिनों में और लोगों के आने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि हम अजरबैजान सरकार के आभारी हैं कि उन्होंने जमीनी रास्ते ईरान से भारतीय नागरिकों के निकलने में मदद की। हमारे दोनों पक्षों के बीच परामर्श और नियमित आदान-प्रदान होता रहता है। भारत ने पहले भी लोगों को निकालने की कोशिशों में आर्मेनिया की मदद की सराहना की थी। 16 मार्च को जयशंकर ने मुश्किल हालात में मिल रहे सहयोग की प्रशंसा की थी, ईरान से 550 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनियाई सरकार और वहां के लोगों को धन्यवाद दिया था।

राहुल गांधी का एलडीएफ पर जुबानी हमला... 4 मई के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा

केरल सरकार, भाजपा और आरएसएस से गुप्त समझौता कर चुकी

अलाप्पुझा (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) पर अपनी मूल विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाकर कहा कि आगामी चुनावों के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। अलाप्पुझा में जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने एलडीएफ की सिद्धांतों से समझौता करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एलडीएफ कई सालों से हमारे विरोधी रहे हैं, कांग्रेस ने उनसे लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ाई लड़ते रहने वाले है। लेकिन कई सालों तक वे कुछ इसतरह के विचारों के लिए खड़े रहे जिससे हम सहमत नहीं थे।

राहुल गांधी ने सवाल किया कि एलडीएफ का मतलब क्या है? वाम लोकतांत्रिक मोर्चा। सच कहूं, तब वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं है, और चुनाव के बाद वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और वामपंथी दल (एलडीएफ) के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केरल की सांप्रदायिक सरकार को एक गुप्त शक्ति प्रभावित कर रही है, जो उनके अनुसार संविधान को नकार जनता पर हमला करती है।

उन्होंने कहा कि मंच पर बैठे नेता को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि उनकी नीतियां अब वामपंथी नहीं रहीं। उन्हें और वाम मोर्चे के कई कार्यकर्ताओं को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि आज एलडीएफ सरकार को एक गुप्त शक्ति के दम पर चल रही है। यह गुप्त शक्ति सांप्रदायिक है, भारत के संविधान को स्वीकार नहीं करती, भारत की जनता को बांटती है, उन पर हमला करती है, उन्हें अपमानित करती है, और केरल में हर कोई देख सकता है कि अब भाजपा, आरएसएस और वाम मोर्चे (सीपीएम) के बीच संबंध है।

राहुल गांधी ने वाम मोर्चे (एलडीएफ) को अवसरवादी नेताओं का समूह बताकर कहा कि वे सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और भाजपा एवं आरएसएस से सहायता लेने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता, जो इन विचारों से सहमत नहीं हैं, खुद को धोखा दिया हुआ और आहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाम मोर्चे के अधिकांश नेता अवसरवादी हैं। यह समझिए-कुछ अवसरवादी नेता सत्ता में आने के लिए कुछ भी कर सकते है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भाजपा या आरएसएस उनकी मदद कर रहे हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, कुछ नेता किसी विचारधारा में विश्वास रखते हैं।

दो-दो पश्चिमी विक्षोभ ने बदला मौसम का मिजाज, एक दर्जन राज्यों में बारिश, ओलावृष्टि का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के एक बड़े हिस्से में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है, जिससे उत्तर से लेकर पश्चिम और पूर्व तक के राज्यों में हलचल बढ़ गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 4-5 अप्रैल से देश के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। इस बदलाव का मुख्य कारण इस सप्ताह सक्रिय होने वाले दो नए पश्चिमी विक्षोभ हैं। पहला विक्षोभ शनिवार को अपना असर दिखाना शुरू कर चुका है, जबकि दूसरा 7 अप्रैल से प्रभावी होगा। इसके चलते दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बिहार सहित कम से कम 10 राज्यों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि को लेकर चेतावनी जारी की गई है। विशेष रूप से किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी तैयार फसलों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दें ताकि ओलावृष्टि और बारिश से होने वाले नुकसान से बचा जा सके।

उत्तर भारत की बात करें तो दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 4 अप्रैल को 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और ओले गिरने की आशंका है। इसके बाद 7 और 8 अप्रैल को दिल्ली-एनसीआर और पूर्वी राजस्थान में पुनः बारिश का दौर लौट सकता है। उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां पश्चिमी यूपी में भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना अधिक है। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी 4 और 5 अप्रैल को तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अनुमान है, हालांकि वर्तमान में बर्फबारी की संभावना नहीं है। मध्य भारत के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी और बारिश का सिलसिला बना रहेगा, जबकि महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में ओलावृष्टि को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम का असर व्यापक रहेगा। बिहार और झारखंड में 4 से 7 अप्रैल के बीच गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है, जबकि पश्चिम बंगाल में उमस बढ़ने के साथ 7 अप्रैल से बारिश की शुरुआत हो सकती है। पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड और मणिपुर में भी इस पूरे सप्ताह रुक-रुक कर बारिश होने का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और पुदुच्चेरी में भी 7 अप्रैल तक बिजली गिरने और मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन दोनों पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, लेकिन साथ ही आंधी-तूफान के कारण लोगों को आवाजाही और खुले स्थानों पर रहने के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यह मौसमी बदलाव अगले एक सप्ताह तक देश के अधिकांश हिस्सों में सक्रिय रहने वाला है।

तमिलनाडु में बीजेपी कर क्या रही, अन्नामलाई को टिकट नहीं मिलने पर चर्चा हुई तेज

प्रदेश अध्यक्ष बोले– हाईकमान का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की उम्मीदवार सूची में के अन्नामलाई का नाम नहीं होने से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान द्वारा लिया गया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नागेंद्रन ने कहा कि घोषित 27 उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से तैयार की गई है और पार्टी को विश्वास है कि सभी उम्मीदवार चुनाव में जीत हासिल करेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उम्मीदवार चयन पूरी तरह रणनीतिक आधार पर किया गया है। अन्नामलाई को तमिलनाडु भाजपा का आक्रामक और लोकप्रिय चेहरा माना जाता है, ऐसे में उनका नाम सूची में न होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

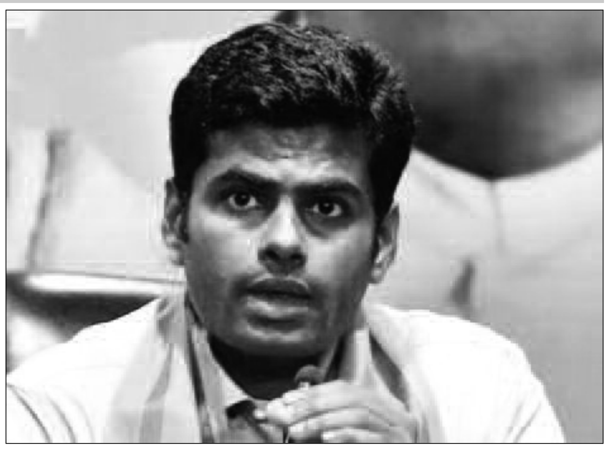

चुनाव से दूर नहीं प्रचार करुंगाः अन्नामलाई

हालांकि, अन्नामलाई ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, कि वे चुनावी प्रक्रिया से दूर नहीं हैं, बल्कि पार्टी के लिए सक्रिय रूप से प्रचार करेंगे। उन्हें तमिलनाडु के साथ-साथ पुडुचेरी और केरल में भी चुनाव प्रचार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच, भाजपा सांसद तेजस्वी सुर्या ने अन्नामलाई की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे पार्टी के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और उनका प्रचार अभियान भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगा।

भाजपा के हिस्से में 27 सीटें

तमिलनाडु में इस बार भाजपा, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। सीट बंटवारे के तहत राज्य की कुल 234 सीटों में से एआईएडीएमके 178 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि भाजपा 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई को टिकट न देने के बावजूद उन्हें प्रचार की कमान सौंपना भाजपा की व्यापक रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिससे पार्टी उनके जनाधार का अधिकतम लाभ उठाना चाहती है।

तिरंगा लगे जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य किया पार, अब भी 17 भारतीय जहाज फंसे

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट संकट के बीच शुक्रवार को सातवां भारतीय ध्वज वाला एलपीजी टैंकर, ग्रीन सानवी, होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गया। पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक छह एलपीजी ले जाने वाले जहाज होर्मुज स्ट्रेट पार करके भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुके हैं। अब सातवां टैंकर भी होर्मुज क्रॉस करके भारत की ओर बढ़ रहा है। इस जहाज पर करीब 44,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी है। इसके आने से एलपीजी को लेकर चल रही किल्लत से राहत मिलेगी। होर्मुज के पश्चिम में अब भी 17 भारतीय जहाज फंसे हैं। इनमें दो एलपीजी से लदे जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक एलपीजी से लदे ये दोनों जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम भी जल्द ही होर्मुज से निकलकर भारत की ओर रवाना हो सकते हैं। जानकारों ने बताया कि तीन एलपीजी ले जाने वाले भारतीय जहाज वर्तमान में फारस की खाड़ी स्थित अबू मूसा द्वीप के उत्तर-पूर्व में भटक रहे हैं। वे भारतीय नौसेना के निर्देशों का पालन करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने के आदेश की प्रतीक्षा में हैं।

इस बीच एक विदेशी जहाज, जो कथित तौर पर ईरान से भारत के लिए तेल ले जा रहा था, उसने अपनी यात्रा के दौरान ही अपना डेस्टिनेशन प्वाइंट अचानक बदल दिया। अब वह चीन की ओर बढ़ रहा है। वैश्विक विश्लेषण फर्म केप्लर के प्रमुख विश्लेषक ने कहा कि ईरानी कच्चे तेल के मामले में इस तरह की यात्रा के दौरान गंतव्य परिवर्तन कोई नई बात नहीं है। यह वित्तीय शर्तों और काउंटर पार्टी रिस्क के प्रति ट्रेड फ्लो की बढ़ती संवेदनशीलता को उजागर करता है। एक्सपर्ट ने कहा कि कच्चा तेल लेकर जा रहे शिप के अचानक चीन की ओर मुड़ने के बीच अहम वजह पेमेंट का माना जा रहा। इसमें पहले की 30-60 दिन की लोन अवधि से हटकर अग्रिम या निकट-अवधि के सेटलमेंट की ओर बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भुगतान संबंधी समस्याएं हल हो जाती हैं, तो माल अभी भी किसी भारतीय रिफाइनरी तक पहुंच सकता है। विश्लेषक ने आगे कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि चीन के अलावा अन्य देशों में ईरानी कच्चे तेल के प्रवाह को निर्धारित करने में वाणिज्यिक शर्तें रसद के समान ही अहम होती जा रही हैं। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि कच्चे तेल से लदे इस शिप का फाइनल डेस्टिनेशन यही रहने वाले है। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी तो ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन ट्रांसपोंडर में दर्शाया गया है ये गंतव्य अंतिम है और यात्रा के दौरान इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि, इसमें आगे भी बदलाव हो सकते हैं। वहीं अगर ये टैंकर वास्तव में वडीनार पहुंच जाता, तो यह छह सालों में भारत को ईरान से कच्चे तेल की पहली खेप होती।

युद्ध के असर से कमोडिटी बाजारों में भारी गिरावट ऊर्जा, संकट ने बढ़ाई चिंता

– एफपीआई बिकवाली और महंगाई के खतरे से निवेशकों में सतर्कता

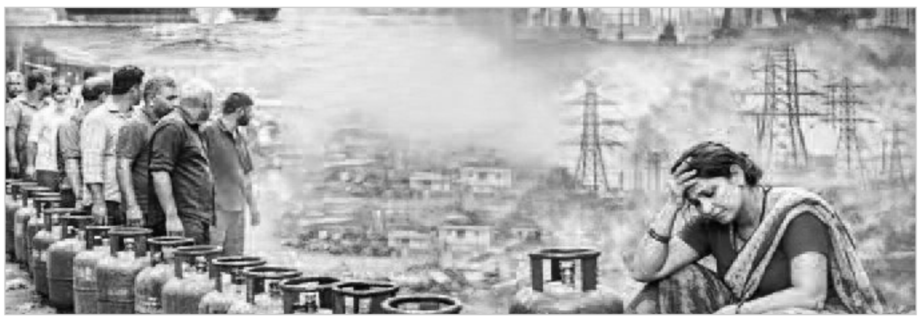

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और ऊर्जा संकट के चलते वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल तेज हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेजी से भारत जैसे आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई है। युद्ध के चलते वैश्विक कमोडिटी बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। मार्च महीने में प्रमुख सूचकांक में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी बड़ी वजह विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली रही। कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही बाजार के लिए कई वर्षों में सबसे कमजोर साबित हुई है। ऊर्जा कीमतों में उछाल से कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से उन सेक्टरों पर असर अधिक दिख सकता है, जो कच्चे माल और ईंधन पर ज्यादा निर्भर हैं। इसके अलावा, होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे आने वाले बुवाई सीजन और खाद्यान्न उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है। हालांकि, इस नकारात्मक माहौल के बावजूद ब्रोकरेज हाउस और विश्लेषक पूरी तरह निराश नहीं हैं। उनका मानना है कि मौजूदा संकट अस्थायी है और हालात सामान्य होने पर बाजार में सुधार संभव है। अगले एक साल के लिए बाजार के अनुमानित लक्ष्य में बहुत मामूली कटौती की गई है, जो निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा गिरावट के बीच चुनिंदा सेक्टरों और मजबूत कंपनियों में निवेश के अवसर भी उभर सकते हैं,

खासकर वे जो कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी से लाभान्वित हो सकती हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटा, 688 अरब डॉलर पर आया

मुंबई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चौथे सप्ताह घटकर 688 अरब डॉलर पर आ गया है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में भंडार में 10.29 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। इससे पहले यह 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये में कमजोरी को थामने के लिए बाजार में डॉलर की बिक्री की गई, जिसके चलते भंडार में गिरावट आई। साथ ही गोल्ड रिजर्व में भी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अर्थशास्त्रियों के मुताबिक मौजूदा भंडार आयात कवर के लिहाज से अब भी संतोषजनक स्थिति में है।

भारतीय शेयर बाजार में तीन दिन रहा बड़ा उतार-चढ़ाव

- पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। महावीर जयंती 31 मार्च और गुड फ्राइडे 3 अप्रैल के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा, जबकि सप्ताह के मध्य में सुधार की उम्मीदों ने बाजार को हरा निशान दिखाने में मदद की। विदेशी निवेशकों की निकासी और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत ने सप्ताह की शुरुआत में गिरावट का माहौल बनाया, लेकिन ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार ने रिकवरी दिखाई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में ही बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 के स्तर पर था। दिन के अंत में गिरावट और तेज़ हुई और सेंसेक्स 1,635.67 अंक गिरकर 71,947

.55 पर, निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निकासी ने इस कमजोरी को और बढ़ाया। बुधवार को बाजार ने मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 1,899.53 अंक की तेजी दिखाई और 73,847.08 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 572.55 अंक बढ़कर 22,903.95 पर रहा। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक बढ़कर 73,134.32 पर, और निफ्टी 348.00 अंक बढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से लगभग 950 अंकों की रिकवरी कर पाया और निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स 72,661.06 पर और निफ्टी 22,533.30 पर कारोबार कर रहे थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि निवेशक निचले स्तर पर ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। इस दौरान रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ।

पीएनबी अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की

– अधिकारियों के स्थानांतरण से बैंक के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव का खतरा

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के संगठन ने बैंक प्रबंधन से बड़े पैमाने पर किए गए तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की है। संगठन का कहना है कि ऐसे अचानक और व्यापक स्थानांतरण बैंक के संचालन और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अशोक चंद्रा को पत्र लिखकर बताया कि 1,142 स्केल-4 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, जो कुल इस स्तर के अधिकारियों का लगभग 25 प्रतिशत हैं। संघ ने आरोप लगाया कि यह कदम नीति का पालन किए बिना मनमाने ढंग से उठाया गया और इसमें महिलाओं को भी राहत नहीं दी गई। संगठन ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि वह संतुलित और मानवीय नीति अपनाए, ताकि बैंक की तरक्की और कर्मचारियों का मनोबल बना रहे। पीएनबी में लगभग एक लाख

कर्मचारी हैं, जिनमें स्केल-4 स्तर के करीब 4,000 अधिकारी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर तबादले बैंक के संचालन और ग्राहक सेवा पर असर डाल सकते हैं।

प्याज का निर्यात 90 फीसदी घटा

-2200 रुपए क्विटल की प्याज, 800 रुपए किंटल पर आई

-बाजार में मांग कम, किसान परेशान

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख प्याज मंडियों में इस समय हालात चिंताजनक बने हुए हैं। निर्यात में करीब 90 फीसदी गिरावट आने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल जिस प्याज का भाव 2200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था, वही अब घटकर करीब 800 रुपए प्रति क्विंटल पर बिक रही है। मांग में कमी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुस्ती का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ा है।व्यापारियों का कहना है कि विदेशों में ऑर्डर कम मिलने और परिवहन लागत बढ़ने से निर्यात प्रभावित हुआ है। वहीं स्थानीय बाजारों में भी खपत घटने से कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है, जिन्हें लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। कई किसान सरकार से राहत पैकेज और निर्यात प्रोत्साहन की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

बीते डेढ़ महीने में सोना 41 हजार और चांदी 1.5 लाख रुपए टूटी

– डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही गिरावट

मुंबई ।

भारत में बीते डेढ़ महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार 29 जनवरी 2026 को 24 कैरेट सोना 1,75,340 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 2 अप्रैल 2026 को घटकर 1,34,293 रुपए हो गया। इसी अवधि में चांदी की कीमत भी 3,79,888 से घटकर 2,27,813 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। इस तरह केवल डेढ़ महीने में सोने में 41,047 और चांदी में 1,52,075 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने की बात करें तो 2 मार्च 2026 को सोना 1,67,471 और चांदी 2,89,848 रुपए पर थी। तब से अब तक सोने में 33,178 रुपए और चांदी में 62,035 रुपए की कमी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट मुख्य रूप से डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही है।

युद्ध जैसी वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के लिए डॉलर की ओर आकर्षित किया है, जिससे कीमती धातुओं की मांग घट रही है। विश्लेषकों ने

चेतावनी दी है कि सोने और चांदी में निवेश जोखिम से मुक्त नहीं है और कीमतों की अस्थिरता अभी भी जारी रह सकती है।

इसलिए निवेशकों को बाजार की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय रुझानों पर ध्यान देते हुए निवेश करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना और चांदी फिर से सुरक्षित निवेश विकल्प बन सकते हैं, लेकिन वर्तमान दौर में तेजी से उतार-चढ़ाव के कारण सतर्कता जरूरी है।

ट्रंप के टैरिफ का भारत पर संभा वित असर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं तथा उनके एक्टिव इंग्रेडिएंट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसका भारत पर संभावित असर रहेगा, क्योंकि देश की फार्मा कंपनियों का अमेरिका में बड़ा निर्यात बाजार है। फिलहाल जेनेरिक, बायोसिमिलर और आवश्यक दवाएं टैरिफ से बाहर हैं, जिससे कई कंपनियों की निर्यात गतिविधियां सुरक्षित हैं। हालांकि, पेटेंटेड दवाओं और एपीआई पर बढ़ते टैरिफ से भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और उनका प्रतिस्पर्धात्मक लाभ घट सकता है। टैरिफ से अमेरिका में उत्पादन और रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। लंबे समय में इससे भारत में निवेश, उत्पादन और वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव पड़ सकता है, जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय फार्मा कंपनियों की हिस्सेदारी सीमित होने की संभावना है।

नए हफ्ते आईपीओ बाजार रहेगा सुस्त, केवल 2 नए इश्यू खुलेंगे

मुंबई ।

6 अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में ज्यादा गतिविधि नहीं रहने की संभावना है। इस दौरान केवल दो नए आईपीओ निवेशकों के लिए खुले रहेंगे, जबकि एक पहले से खुला आईपीओ भी जारी रहेगा। वहीं ``` वि विध इलेक्ट्रोमेक के शेयर बाजार में डेब्यू करेंगे। सेफ्टी कंट्रोल एंड` डिवाइस का 48 करोड़ रुपए का आईपीओ 6 अप्रैल से खुलकर 8 अप्रैल को बंद होगा। प्राइस बैंड 75-80 रुपए प्रति शेयर और लॉट साइज 1,600 शेयर है।

यह एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा और संभावित लिस्टिंग 13 अप्रैल को बीएसई एसएमई पर होगी। प्रोस्फेयर सेलेस्टा का आईपीओ 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी 244.65 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रख रही है। प्राइस बैंड 10 लाख से 10.5 लाख रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। संभावित लिस्टिंग 24 अप्रैल को बीएसई पर हो सकती है।

27 मार्च को खुला इमाइक टेक्नोलॉजी का आईपीओ 8 अप्रैल तक खुलेगा। इसे अब तक करीब 35 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है।

वहीं` विविध इलेक्ट्रोमेक के 130.54 करोड़ के शेयर 7 अप्रैल को एनएसई एसएमई पर लिस्ट होंगे, जो पूरी तरह सब्सक्राइब हो चुके हैं।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क का घटा

– वित्त वर्ष 2025–26 की अंतिम तिमाही में कंपनी का उत्पादन क्षेत्रवार मिला–जुला रहा

नई दिल्ली।

खनन और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही का परिचालन परिणाम जारी कर` दिया है। रिपोर्ट में एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात उत्पादन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी के अनुसार मार्च तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में 2 फीसदी वृद्धि हुई। इसके साथ ही जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी 2 फीसदी का इजाफा हुआ। यह संकेत है कि धातु खंडों में मांग और परिचालन क्षमता अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। हालांकि, तेल एवं गैस खंड में कंपनी का औसत दैनिक सकल उत्पादन 15 फीसदी घटकर 81,500 बैरल प्रति दिन रह गया। वहीं बिक्री-योग्य लौह अयस्क उत्पादन में 3 फीसदी और इस्पात उत्पादन में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने बयान में कहा कि वह कुशलता

बढ़ाने, परिचालन पैमाने का विस्तार करने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वेदांता का व्यवसाय वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह के तहत खनिज, ऊर्जा संक्रमण धातुएं, तेल एवं गैस और बिजली जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह मिला-जुला प्रदर्शन वैश्विक कच्चे माल की कीमतों, मांग में उतार-चढ़ाव और ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों को दर्शाता है। एल्युमिनियम और जस्ता में वृद्धि कंपनी की कुछ मजबूत धातु लाइन को उजागर करती है

, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात में गिरावट उद्योग में अस्थिरता और बाहरी दबाव का संकेत देती है।

इनॉक्सएपी ने होसुर में नया शुद्ध तरल ऑक्सीजन प्लांट शुरू किया

नई दिल्ली ।

औद्योगिक, इलेक्ट्रॉनिक और मेडिकल गैस निर्माता इनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (इनॉक्सएपी) ने तमिलनाडु के होसुर में नया अति शुद्ध (यूपीएच) तरल ऑक्सीजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया है। कंपनी का कहना है कि यह कदम देश के उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। कंपनी ने बताया कि नया प्लांट विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और सोलर सेल निर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों को समर्थन देगा। इससे उच्च गुणवत्ता वाली तरल ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ेगी और घरेलू विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी। इनॉक्सएपी का यह कदम तकनीकी नवाचार और उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे देश में औद्योगिक और मेडिकल गैस के क्षेत्र में मजबूती आएगी।

संक्षिप्त

काउंटी में प्रदर्शन से बनाएं चयन का रास्ता : बेन स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने खिलाड़ियों से चल रहे काउंटी चैंपियनशिप सीजन में इंग्लैंड टीम में जगह पाने के लिए अपना दावा मजबूत करने का आग्रह किया है।

इंग्लैंड की टीम एक बहुप्रतीक्षित घरेलू सीजन की तैयारी कर रही है। ऐसे में टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि मौजूदा घरेलू रेड-बॉल सीजन खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में चयन का रास्ता है।

आईसीसी के अनुसार स्टोक्स ने काउंटी चैंपियनशिप के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि यह देश भर के खिलाड़ियों के लिए एक शानदार मौका है। उन्होंने कहा कि जब हम ऑस्ट्रेलिया में थे, उसी समय लायंस टीम भी वहां थी, तो आप देख सकते हैं कि उस सिस्टम से कौन-कौन से खिलाड़ी उभरकर आ रहे हैं।

साई सुदर्शन ने उठाई जिम्मेदारी: आर अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कप्तान शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में गुजरात टाइटंस (जीटी) के लिए साई सुदर्शन की खेली गई पारी की तारीफ की। अश्विन ने कहा कि जिस तरह सुदर्शन ने बल्लेबाजी की उससे पता चलता है कि वह अपनी ताकत समझते हैं। अश्विन ने जियोस्टार पर कहा, "साई सुदर्शन को पता था कि शुभमन आज नहीं खेल रहे हैं, इसलिए उन्हें खुद ही सारा काम करना पड़ा। जिस तरह से उन्होंने शुरुआत की, उससे पता चला कि वह अपनी ताकत समझते हैं। उन्होंने पेस का अच्छा इस्तेमाल किया, गेंद को थर्ड मैन की तरफ गाइड किया, और फिर फ्रंट फुट पर कुछ अच्छे कवर ड्राइव खेले। उन्होंने जडेजा के अटैक में आने के तुरंत बाद उनका सामना किया, पेस का इस्तेमाल किया, और इसके बाद एक स्लॉग स्वीप किया। उन्होंने कहा, "सुदर्शन के लिए ये मजबूत क्षेत्र हैं, जिन पर वह भरोसा करते हैं, और उन्हें नतीजे मिले।

उन्हें ऐसे ही खेलना होगा, पारी

एफए कप क्वार्टर फाइनल: साउथम्पटन ने आर्सेनल, मैनचेस्टर सिटी ने लीवरपूल को हराया

लंदन, एजेंसी। दूसरे टियर की टीम साउथम्पटन ने शनिवार को यहां एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल को 1-2 से हरा दिया जबकि मैनचेस्टर सिटी ने एर्लिंग हैलेंड की हैट्रिक से लीवरपूल को 4-0 से शिकस्त दी।

इंग्लिश लीग कप के फाइनल में सिटी के खिलाफ हार के बाद आर्सेनल ने 85वें मिनट में गोल गंवाकर साउथम्पटन को जीत दर्ज करने का मौका दिया और संभवतः एक और खिताब जीतने का मौका गंवा दिया। दूसरी तरफ सिटी के पास मौजूदा सत्र में दोहरा खिताब जीतने का शानदार मौका है। टीम ने लीवरपूल को हराकर रिकॉर्ड लगातार आठवीं बार एफए कप सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की।

कोचर इंटरनेशनल सीरीज करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे

चीबा (जापान), एजेंसी। भारत के करणदीप कोचर चौथे दौर के अंतिम लम्हों में बर्डी की हैट्रिक लगाकर रविवार को यहां इंटरनेशनल सीरीज गोल्फ टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे।

ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस स्मिथ ने अंतिम होल में ईगल के साथ खिताब जीता। कोचर ने अंतिम दिन बोगी रहित प्रदर्शन करते हुए चार अंडर 67 का स्कोर बनाया। उन्होंने चौथे, 16वें, 17वें और 18वें होल में बर्डी की और कुल 12 अंडर 272 का स्कोर बनाया। वह खिताब जीतने वाले स्मिथ से तीन शॉट पीछे रहे।

ऋषभ पंत के अर्धशतक से हैदराबाद हुई घर में पस्त

लखनऊ ने खोला जीत का खाता

- एक समय हैदराबाद का स्कोर 10 ओवरों में 35 रनों पर चार विकेट था

हैदराबाद, एजेंसी।

कप्तान ऋषभ पंत (नाबाद 68) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ लखनऊ ने आईपीएल-2026 में जीत का खाता खोल लिया है। हैदराबाद ने लखनऊ के सामने 157 रनों की चुनौती रखी थी, लखनऊ ने 19.5 ओवरों में पांच विकेट खोकर ये टारगेट हासिल कर लिया।

इससे पहले, हेनरिक क्लासेन (62) और नीतीश कुमार रेड्डी (56) के बीच हुई 116 रनों की साझेदारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने शानदार वापसी करते हुए 20 ओवरों में नौ विकेट खोकर 156 रन बनाए थे। एक समय हैदराबाद का स्कोर 10 ओवरों में 35 रनों पर चार विकेट था। यहां से फिर नीतीश और क्लासेन ने मोर्चा संभाला और तूफानी रफ्तार में रन बनाए। दोनों आखिरी तक टिक नहीं सके जिसके चलते हैदराबाद को 15-20 रनों का नुकसान उठाना पड़ा।

क्लासेन ने 41 गेंदों का सामना कर पांच चौके और दो छक्के मारे। नीतीश ने 33 गेंदों पर तीन चौके और पांच छक्के मारे। इन दोनों ने अभिषेक शर्मा (0) ट्रेविस हेड (7) और ईशान किशन (1) के विकेट जल्दी खो दिए थे। इसके बाद नीतीश और क्लासेन ने कमाल किया। लखनऊ के लिए मोहम्मद शमी, आवेश खान और प्रिंस यादव ने दो-दो विकेट लिए।

फिर नीतीश और क्लासेन ने टीम को संभाला और तेजी से रन बनाने शुरू किए। दोनों ने लखनऊ के गेंदबाजों को जमकर मारा। राठी की मिस्ट्री स्पिन भी इन दोनों को रोक नहीं पाई। दोनों ही बल्लेबाजों ने अपने अर्धशतक पूरे कर लिए थे और हैदराबाद का स्कोर आसानी से 170 के पार जाता दिख रहा था।

तभी लखनऊ के गेंदबाजों ने फिर से बाजी पलट दी। पंत ने सिद्धार्थ को गेंद थमाई जिन्होंने 18वें ओवर की चौथी गेंद पर नीतीश को प्रिंस के हाथों डीप कवर पर आउट करा दिया। नीतीश ने 33 गेंदों पर तीन चौके और पांच छक्कों की मदद से 56 रन लिए। लेकिन असली बाजी पलटी आवेश खान ने। आवेश ने अगले ओवर की पहली गेंद पर क्लासेन को आउट किया। क्लासेन ने रिवर्स शॉट खेला जिस पर पंत ने उनका शानदार कैच लपका। इस बल्लेबाज ने 41 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। अगली गेंद पर हर्ष दुबे को भी उन्होंने बोल्ड कर दिया।

यहां हैदराबाद को आखिरी के ओवरों में जिस रफ्तार से रन बनाने थे वो वह बना नहीं पाई और 15-20 रन शॉर्ट रह गई।

इसका फायदा लखनऊ को मिला जिसने आसानी से टारगेट हासिल कर लिया। हालांकि, उसे भी शुरुआत में झटका लग गया था। पांचवें ओवर की चौथी गेंद पर ईशान मलिंगा ने मिचेल मार्श को पवेलियन की राह दिखाई। वह 12 गेंदों पर 14 रन ही बना सके।

हैदराबाद के धुरंधर फेल

हैदराबाद से इस मैच में तूफानी बैटिंग की उम्मीद थी। ये मैच उसके घर में खेला जा रहा जहां रनों की बारिश होती, लेकिन मोहम्मद शमी के अनुभव ने सारा काम बिगाड़ दिया। उन्होंने हैदराबाद के दोनों तूफानी बल्लेबाजों को शुरुआत में ही चलता कर दिया। पहले ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने अभिषेक शर्मा को आउट किया जो खाता तक नहीं खोल पाए। उनके बाद तीसरे ओवर की पहली गेंद पर ट्रेविस हेड को मार्करम के हाथों कैच कराया। वह सात रन ही बना सके। कप्तान ईशान किशन ने भी आज निराश किया। प्रिंस यादव की गेंद पर वह बोल्ड हो गए। इस मैच में टीम में आए लियाम लिविंगस्टन भी कुछ खास नहीं कर सके। 20 गेंदों पर 14 रन बनाने वाले इस बल्लेबाज की पारी का अंत दिग्वेश राठी ने किया। 10 ओवरों के बाद हैदराबाद का स्कोर चार विकेट के नुकसान पर 35 रन था। यहां से किसी बड़े स्कोर की उम्मीद नहीं थी बल्कि डर ये था कि क्या टीम 100 के पार जा पाएगी या नहीं?

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर

- 10 ओवर गेंदबाजी के लिए कर रहे खास तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे। वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में हार्दिक पांड्या जैसे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका टीम के लिए बेहद अहम हो सकती है। हालांकि, चयनकर्ता उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि वह पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रह चुके हैं।

पांड्या के बैकअप के तौर पर चयनकर्ताओं की नजर नितीश कुमार रेड्डी पर भी बनी हुई है।

इस प्रदर्शन से चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहेंगे तुषार: स्टेन

नई दिल्ली, एजेंसी।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन मौजूदा आईपीएल सत्र में तुषार देशपांडे के प्रदर्शन से प्रभावित हैं और उनका कहना है कि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आखिरी ओवर में राजस्थान रॉयल्स के इस तेज गेंदबाज का धैर्यपूर्ण प्रदर्शन राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचेगा।

देशपांडे ने आईपीएल 2026 में जोरदार शुरुआत की है। शनिवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 10 रन बचाकर उन्होंने रॉयल्स को जीत दिलाई।

देशपांडे ने आखिरी ओवर में राशिद खान को कैसे छकाया इस पर स्टेन ने प्रसारणकर्ता 'स्टार स्पोर्ट्स' को कहा, ''तुषार देशपांडे का आखिरी ओवर बहुत बढ़िया था। उन्होंने दबाव में एकदम सही यॉर्कर डालीं, राशिद खान जैसे खिलाड़ी को बाउंड्री लगाने का मौका नहीं दिया।

उन्होंने कहा, ''एक गेंदबाज के लिए इतने अधिक दबाव वाली स्थिति में शांत रहना बहुत मुश्किल होता है क्योंकि आपके दिमाग में बहुत सी बातें चलती रहती हैं। लेकिन यह पक्का करना कि बिना दबाव महसूस किए योजना को सही तरीके से लागू किया जाए यह बहुत कम दिखने वाला हुनर है।

स्टेन ने कहा, ''तुषार ने चार परफेक्ट यॉर्कर डालीं। फिर उन्होंने अपनी लाइन बदली और लेंथ गेंद डाली और ऐसा करके उन्होंने राशिद खान को बड़ा शॉट मारने के लिए उकसाया और वह बाउंड्री पर कैच दे बैठे।

बल्लेबाजों से अधिक एकजुट प्रदर्शन चाहते हैं : मैथ्यू हेडन

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन चाहते हैं कि इंडियन प्रीमियर लीग में टीम की लगातार दूसरी हार के बाद उनके बल्लेबाज और अधिक एकजुट होकर खेलें।

अपने शीर्ष क्रम पर बहुत अधिक निर्भर गुजरात टाइटन्स की टीम शनिवार रात अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 211 रन के लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही जबकि 11वें ओवर में टीम का स्कोर एक विकेट पर 107 रन था। साई सुदर्शन (44 गेंद में 73 रन) और कुमार कुशाग्र (14 गेंद में 18 रन) के बीच पहले विकेट की 78 रन की साझेदारी ने टीम को अच्छा मंच दिया लेकिन बीच में विकेट गिरने से टीम का स्कोर सात विकेट पर 161 रन हो गया।

समैस प्वाइंट बैडमिंटन एकेडमी का भव्य शुभारंभ 10 अप्रैल को

- कार्यक्रम का उद्घाटन दरौंदा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह एवं जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा

सीवान, एजेंसी।

शहर के ललन कॉम्प्लेक्स स्थित यूको बैंक एटीएम के सामने "समैस प्वाइंट बैडमिंटन एकेडमी" का भव्य शुभारंभ 10 अप्रैल को होगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दरौंदा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह एवं जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

एकेडमी के डायरेक्टर पवन कुमार सिंह उर्फ गुड्डू जी ने रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि "खेले सीवान–बढ़े सीवान" के संकल्प के साथ इस आधुनिक खेल केंद्र की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य स्थानीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि अब सीवान के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। एकेडमी में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और वैज्ञानिक प्रशिक्षण की सुविधा देकर खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा।

एकेडमी में बैडमिंटन के लिए इंटरनेशनल मानक के अनुरूप क्लास मैट और सिंथेटिक कोर्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही, नेशनल और इंटरनेशनल स्तर के अनुभवी कोचों द्वारा प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जाएगी। सुरक्षा के दृष्टिकोण से लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम और बाथरूम की व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा परिसर में आधुनिक जिम, गटिंग मशीन और स्पोर्ट्स किट की सुविधा भी उपलब्ध होगी। खिलाड़ियों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

शुल्क के रूप में ओपनिंग ऑफर के तहत जनरल मेंबरशिप 2000 रुपये की जगह 1500 रुपये प्रति माह निर्धारित की गई है, जबकि छात्रों के लिए विशेष रियायत के साथ मात्र 1000 रुपये प्रति माह शुल्क रखा गया है। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण देने की भी योजना है। एकेडमी में अनुशासन और बीडब्लूएफ नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा तथा कोर्ट की सुरक्षा के लिए नॉन-मार्किंग जूते पहनना अनिवार्य होगा।

स्थानीय खेल प्रेमियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे सीवान के खेल विकास की दिशा में एक अहम कदम बताया है।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' ने मनाया विश्व स्वास्थ्य दिवस

प्रतिभागियों ने अलग-अलग गेम जोन में लिया हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी।

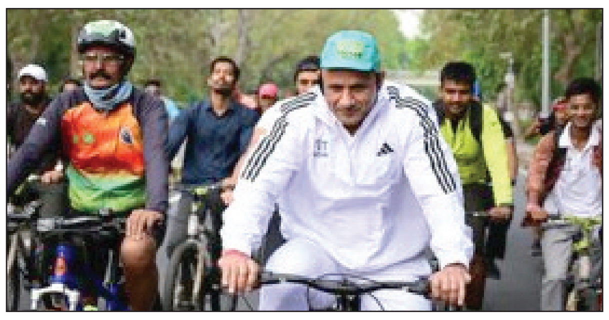

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 68वें संस्करण के दौरान, पूरी तरह से फिट रहने के महत्व को उजागर किया गया। 5 किमी की नियमित साइकिलिंग राइड के अलावा, विश्व स्वास्थ्य दिवस से दो दिन पहले, 800 से ज्यादा प्रतिभागियों ने कॉम्प्लेक्स में खास तौर पर बनाए गए कई फिटनेस जोन में हिस्सा लिया।

कई एक्टिविटी जोन में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, क्रिकेट, रस्साकशी, योग, स्किपिंग चैलेंज और कैरम, लूडो और सांप-सीढ़ी जैसे इनडोर गेम्स भी शामिल थे। आयुष मंत्रालय की 'योगा 365' पहल के तहत बनाए गए एक खास योग परामर्श बूथ पर, प्रतिभागियों ने गाइडेड सेशन और परामर्श के जरिए तनाव कम किया। वहीं, न्यूरल एक्टिविटी के लिए 'स्मार्ट वॉल फिटनेस चैलेंज' और 'डार्ट्स स्टेशन' ने सभी उम्र के लोगों को खूब आकर्षित किया।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई), इंडियन रोप स्किपिंग फेडरेशन, योगासन भारत, राहगीरी फाउंडेशन, माई बाइक्स और माई भारत के सहयोग से किया जाता है। यह साइकिलिंग अभियान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ चलाया जाता है, जिसमें साई क्षेत्रीय केंद्र, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र , साई प्रशिक्षण केंद्र, खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र और खेलो इंडिया केंद्र शामिल हैं।

किंग्स इलेवन पंजाब के पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना ने कहा, "यह आयोजन सिर्फ रविवार को ही नहीं किया जाना चाहिए। इसे रोजमर्रा की आदत बना लेना चाहिए।" पावरलिफ्टिंग चैंपियन मुकेश गहलोत, जिन्हें सुबह के समय सम्मानित भी किया गया था, ने बताया, "कई वर्षों बाद यह एक नया अनुभव है, और मुझे सचमुच इसमें बहुत मजा आया।"

बार्यन म्यूनिख के युवा खिलाड़ी चमके, फ्रीबर्ग को हराया

म्यूनिख, एजेंसी। लेनार्ट कार्ल ने अतिरिक्त समय के नौवें मिनट में गोल करके बायर्न म्यूनिख को फ्रीबर्ग पर 3-2 से जीत दिलाई और टीम को बुंदेसलीगा फुटबॉल खिताब की दौड़ में शीर्ष पर बनाए रखा। फ्रीबर्ग 81वें मिनट तक 2-0 से आगे था और उलटफेर भरी जीत की ओर बढ़ रहा था लेकिन बायर्न के युवा मिडफील्डरों ने मैच का रुख बदल दिया। बीस साल के टॉम बिशॉफ ने लंबी दूरी से दो गोल किए जबकि 18 साल के कार्ल ने अल्फांसो डेविस के क्रॉस पर गोल दागकर बायर्न की जीत सुनिश्चित की। शीर्ष पर चल रहे बायर्न के इस जीत से 28 मैच में 73 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर चल रहे बोरुसिया डोर्टमंड पर नौ अंक की बढ़त बना रखी है। डोर्टमेंड ने तीसरे स्थान पर चल रहे स्टुटगार्ट को 2-0 से हराया जबकि बायर लीवरक्युसेन ने 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए वोल्फ्सबर्ग को 6-3 से मात दी।

पावरप्ले में बल्लेबाजों के होश उड़ा रहे शमी

आईपीएल: साल 2023 से निकाले 25 विकेट

- शमी के अलावा, भुवनेश्वर कुमार भी इस दौरान 25 विकेट निकाल चुके हैं।

हैदराबाद, एजेंसी।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के विरुद्ध पावरप्ले में 2 विकेट निकाले। इसी के साथ शमी साल 2023 से अब तक आईपीएल मैच में पावरप्ले के दौरान सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में मोहम्मद शमी ने पहले ओवर की अंतिम गेंद पर अभिषेक शर्मा (0) को कैच आउट कराया। शमी ने अपने अगले ओवर की शुरुआत ट्रेविस हेड (7) के विकेट के साथ की। इसी के साथ शमी ने साल 2023 से अब तक पावरप्ले में कुल 25 विकेट हासिल कर लिए। इस दौरान सर्वाधिक विकेट लेने वालों की फेहरिस्त में ट्रेंट बोल्ट शीर्ष पर हैं, जिनके नाम 32 विकेट हैं। शमी के अलावा, भुवनेश्वर कुमार भी इस दौरान 25 विकेट निकाल चुके हैं। मोहम्मद सिराज और दीपक चाहर ने 24-24 विकेट प्राप्त किए हैं।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी एसआरएच की शुरुआत बेहद खराब रही। यह टीम शुरुआती 6 ओवरों के खेल तक 3 विकेट गंवाकर सिर्फ 22 ही रन बना सकी। इस बीच मोहम्मद शमी के अलावा, एक विकेट प्रिंस यादव ने अपने नाम किया।

एलएसजी को इस सीजन अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। यह टीम अंकतालिका में 8वें स्थान पर है। वहीं, 2 में से 1 मैच जीतकर एसआरएच प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर मौजूद है। इस टीम ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपना पहला मैच 6 विकेट से गंवाया, जिसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के विरुद्ध 65 रन से जीत दर्ज की।

आईएसएसएफ विश्व कप | भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाजों के लिए विश्व कप का पिछला सत्र शानदार रहा था

भारतीय निशानेबाज ग्रेनाडा विश्व कप में अपनी छाप छोड़ने को तैयार

ग्रेनाडा (स्पेन) एजेंसी।

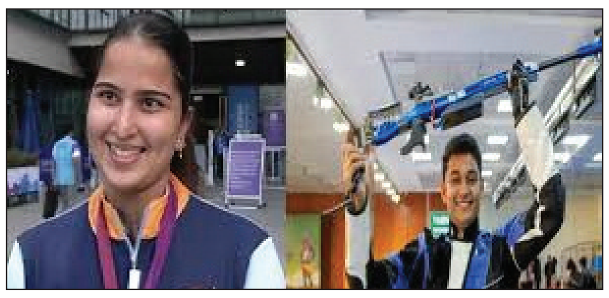

भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाज सोमवार से यहां होने वाले सत्र के शुरुआती आईएसएसएफ विश्व कप में पिछले साल के अपने दबदबे वाले प्रदर्शन को जारी रखने के संकल्प के साथ उतरेंगे।

भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाजों के लिए विश्व कप का पिछला सत्र शानदार रहा था, जहां उन्होंने लगभग हर प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए नए मानदंड स्थापित किए।

मोरक्को में आयोजित शॉटगन विश्व कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद भारतीय निशानेबाजों का सारा ध्यान पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं पर केंद्रित है। भारत का पिस्टल और राइफल से जुड़ी स्पर्धाओं में पारंपरिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है।

टीम नए सिरे से जीत की मानसिकता के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक होगी, जिसे ओलंपियन रिदम सांगवान, अंजुम मौदगिल और मेहुली घोष सहित देश के कुछ बेहतरीन निशानेबाजों की उपस्थिति से बल मिलेगा।

टीम को हालांकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और विश्व चैंपियन सम्राट राणा के अनुभव की कमी खलेगी, क्योंकि वे दल का हिस्सा नहीं हैं।

राष्ट्रीय महासंघ की रोटेशन नीति के तहत राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्यों को हुनर दिखाने का मौका सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी पिस्टल निशानेबाज भाकर, सुरुचि इंदर सिंह और सम्राट राणा सहित अन्य खिलाड़ी मई में म्यूनिख में होने वाले पिस्टल और राइफल विश्व कप में भाग लेंगे।

सत्र के शुरुआती विश्व कप में भाग लेने वाली टीम में हालांकि सितारों की कोई कमी नहीं है। इनमें पिस्टल निशानेबाज संगवान पिछले दो वर्षों में विश्व कप में पदक से चूकने के सिलसिले को पीछे छोड़ने के साथ एशियाई खेलों में चयन के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के उद्देश्य से पोडियम पर जगह बनाने के लिए उत्सुक होंगी।

अनुभवी राइफल निशानेबाज अंजुम और मेहुली भी पिछले निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नए सत्र में उतर रही हैं और इस महत्वपूर्ण वर्ष में एक मजबूत छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगी।

इसी तरह, 32 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन स्पर्धा की विशेषज्ञ अंजुम निराशाजनक सत्र के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक होंगी। इस साल की शुरुआत में दिल्ली में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में उनका कांस्य पदक उन्हें विश्व कप से पहले आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है।

टीम का सबसे उत्साहजनक पहलू लगभग तीन साल बाद मूक एवं बधिर 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज धनुष श्रीकांत की विश्व कप टीम में वापसी है। 23 वर्षीय श्रीकांत पिछली बार बाकू में आयोजित 2022 विश्व कप में खेले थे और तब से अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय दल

पुरुष: 10 मीटर एयर राइफल: गजानन खंडागले, अर्शदीप सिंह, धनुष श्रीकांत।
50 मीटर राइफल थ्री-पी: नीरज कुमार, अखिल श्योराण, चैन सिंह।
10 मीटर एयर पिस्टल: मुकेश नेलवल्ली, उज्जवल मलिक, प्रमोद।
25 मीटर रैपिडफायर: विजयवीर सिद्धू, नीरज कुमार, अंकुर गोयल।
महिला: 10 मीटर एयर राइफल: सोनम मास्कर, श्रुति, मेहुली घोष।
50 मीटर राइफल 3-पी: आयुषी पोद्दार, अंजुम मौदगिल, सुरभि रापोल।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को

दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा ? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं ?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए

मुंबई एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मिडीया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है।

कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। इस विषय में कुब्रा कहती हैं, 'असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं। अगर इंसान का आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बाहर की चीजें उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती।' इसके अलावा उन्होंने अपनी बात करते बताया कि वे खुद को फिट रखने पर ध्यान देती हैं, लेकिन किसी तरह के बदलाव का सहारा नहीं लेतीं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और ऐसे में हर किसी को चाहिए कि वे दूसरों को जज न करें। कुब्रा कहती हैं, 'हर किसी की अपनी जर्नी होती है, अपनी पसंद होती है, इसलिए दूसरों को जज करने या उनसे खुद की तुलना करने की बजाय अपनी लाइफ और अपने सफर पर ध्यान दें।' इन सबके अलावा अपने करियर के बारे में बात करते हुए कुब्रा ने यह भी बताया कि मेहनत और अनुशासन उनके लिए बहुत जरूरी रहे हैं। हालांकि मुंबई आना उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का मौका मिला।

कॉकटेल 2 मे मेरा किरदार दर्शकों को हैरान कर देगा

कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं हाल ही में कृति ने अभी तक के अपने सबसे हॉट किरदार के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहना है कि उनका यह रोल दर्शकों को हैरान कर देगा।

एक खबर के अनुसार, हाल ही में कृति सेनन ने बताया कि 'कॉकटेल 2' में उनका नया लुक दर्शकों को हैरान कर देगा। कृति ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'कॉकटेल 2' पहले से काफी अलग दिख रही हूं। यह शायद अब तक का मेरा सबसे हॉट किरदार है।' कृति ने फिल्म 'कॉकटेल 2' के डायरेक्टर होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए कहा, 'होमी की सौंदर्य समझ बहुत अच्छी है और वह स्वभाव से बहुत कूल हैं। उन्होंने मेरे अंदर एक ऐसा कूल पहलू निकाला है, जिसके बारे में मुझे खुद भी नहीं पता था।'

कृति ने क्यों की 'कॉकटेल 2'

कृति ने यह भी बताया कि उन्होंने 'कॉकटेल 2' का ऑफर क्यों स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पिछली फिल्म 'तेरे इश्क में' बहुत भावुक थी। इसलिए उन्हें कुछ हल्का-फुल्का और मजेदार काम चाहिए था। जब 'कॉकटेल 2' का ऑफर आया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, 'बस यही वो जगह है, जहां मैं रहना चाहती हूं।' कृति ने आगे कहा कि वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद करती हैं। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक आधुनिक लव ट्रायंगल है, जो दोस्ती और रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाता है।

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी समय से सोशल मीडिया पर सलमान की दिल राजू के साथ फिल्म को लेकर चर्चा हो रही थी। आज सलमान ने खुद अपने पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि कर दी है।

दिल राजू के साथ अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे सलमान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ काम करने जा रहे हैं। अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर की है। आगामी फिल्म के लिए सलमान निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ काम करेंगे। इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे।

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग अप्रैल में शुरू होने वाली है।

वामसी पेडिपल्ली को तेलुगु और तमिल सिनेमा में कई सफल फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मोग्राफी में प्रभास (मुन्ना), एनटीआर (बृंदावनम), राम चरण और अल्लू अर्जुन (येवडु), नागार्जुन और कार्थी (ओपिरी), महेश बाबू (महर्षि), और विजय (वारिसु) जैसे सितारों के साथ कई फिल्में बनाई हैं।

'मातृभूमि' में नजर आएंगे सलमान खान

दिल राजू की फिल्म करने से पहले सलमान 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। अभिनेता प्रशांत तमांग के निधन के कारण इसकी रिलीज डेट टाल दी गई है। पहले इसे 17 अप्रैल 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब यह फिल्म 15 अगस्त 2026 या उसके आसपास रिलीज हो सकती है।

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं

एक्टर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन 'भूत बंगला' से एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी और अक्षय कुमार की हिट जोड़ी 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अक्षय कुमार ने अपने एक्शन फिल्मों में सीन के शूटिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है।

अक्षय कुमार ने कहा कि आजकल एक्शन फिल्मों को बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां एक्शन सीन असली होते थे, वहीं अब ज्यादातर काम वीएफएक्स के जरिए किया जाता है। उनके मुताबिक, इसमें मजा नहीं आता क्योंकि यह नकली लगता है। अक्षय ने कहा, 'मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो पूरी तरह रियल हो।' अक्षय, जो कराटे, ताइक्वांडो और कूडो जैसी मार्शल आर्ट्स में ट्रेंड हैं, उन्होंने कहा, 'अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूद रहा हूं, वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं कर रहा। अगर मैं किक मार रहा हूं तो खुद मार रहा हूं, ऐसा नहीं कि 15 लोग मिलकर किसी को किक मारने में मदद कर रहे हों।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं बिना वीएफएक्स के एक एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं। मैं ये बात एआई के दौर में कह रहा हूं, लोग जो सोचें, लेकिन मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जिसमें असली एक्शन हो। दर्शक खुद महसूस कर सकें कि इसमें कितनी मेहनत लगी है, ना कि एआई या कंप्यूटर की मदद से किया गया काम।' बता दें कि भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसे प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं।

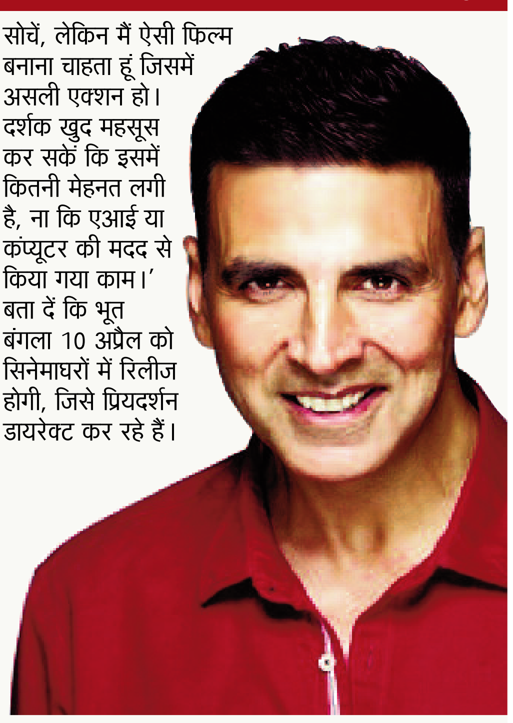

बॉलीवुड में काम करने पर क्या बोले नागा चैतन्य? आमिर के साथ किया था हिंदी फिल्मों में डेब्यू

साउथ के अभिनेता नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म 'वृषकर्मा' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने साउथ के अलावा आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' (2022) में भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने बताया कि अपनी पहली हिंदी फिल्म के बाद उन्होंने कोई दूसरी हिंदी फिल्म क्यों साइन नहीं की। एक्टर का यह बेबाक जवाब तब आया है जब फैंस लगातार उनसे बॉलीवुड से उनकी गैरमौजूदगी के बारे में सवाल कर रहे हैं।

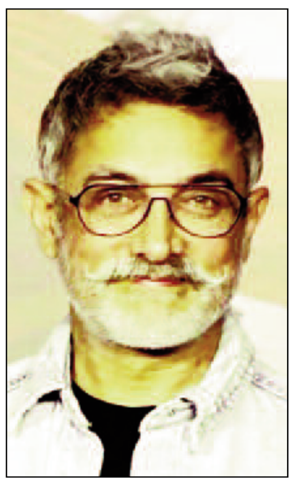

क्या हिंदी में काम करना चाहते हैं अभिनेता?

हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर उन्होंने कहा 'इसका कोई खास कारण नहीं है। यकीनन, मैं नए मौकों के लिए तैयार हूं। बस उस फिल्म के बाद, मैं यहां (साउथ) के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा था। उनमें मेरा काफी समय और मेहनत लगी। इसलिए, मैं हिंदी फिल्मों में काम करने के मौके का इंतजार कर रहा हूं। अपनी पूरी ऊर्जा के साथ वहां फिर से कुछ खास करने की उम्मीद कर रहा हूं।'

प्रेरित करने वाली हो फिल्म

नागा चैतन्य ने आगे कहा 'अब भाषा कोई रुकावट नहीं रही, दर्शक अलग-अलग भाषाओं की हर तरह की फिल्में देखते हैं। मैं हिंदी फिल्म करने के लिए तैयार हूं, लेकिन वह कुछ ऐसी होनी चाहिए जो मुझे प्रेरित करे। वह कुछ नई होनी चाहिए, जिसमें मुझे उन फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका मिले, जिन्हें मैं सच में पसंद करता हूं।'

बॉलीवुड के बारे में क्या बोले अभिनेता?

लाल सिंह चड्ढा के बारे में बात करते हुए नागा चैतन्य ने कहा 'मुझे उस फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया। मैंने बहुत कुछ सीखा। वहां के लोग बहुत ही मिलनसार थे। उन्होंने मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रखा। इसलिए, मेरा यह अनुभव शानदार था। बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। इस फिल्म के नतीजों ने मेरी सोच में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है।' नागा चैतन्य आखिरी बार फिल्म 'तंडेल' में नजर आए थे। अगली बार अभिनेता फिल्म 'वृषकर्मा' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया

दिव्या दत्ता ने अपने अभिनय का जादू कुछ इस कदर लोगों के जहन में छोड़ा है कि उनका नाम ही उनकी मेहनत को बयां कर देता है। वीर ज़ारा, दिल्ली 6, भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्मों नज़र आईं दिव्या हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली में शिरकत करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने ओटीटी में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया है।

एक लंबा दौर रहा है जब कोई फिल्म रिलीज होती थी, तो लोग पूछते थे कि ऐक्टर कौन है। इस वजह से हिराइनों के किरदार की अहमियत ढक जाती थी। लेकिन ओटीटी पर महिला प्रधान सीरीज और फिल्में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ओटीटी पर आने से क्या अब उन कलाकारों को एक संजीवनी में है, जो हीरो की साख में कहीं खो जाते थे? नवभारत टाइम्स के इस सवाल पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि ओटीटी आज सबको मौका दे रहा है। पहले इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का कॉन्सेप्ट नहीं होता था। उस समय होता यह था कि तू भी आजा, वो भी आ जाए। एक ही किरदार आपको हर जगह दिखता था, ये ही कॉमिडी करेंगे, ये ही विलन होंगे, ये ही हीरो होंगे, लेकिन हिरोइनें बदल जाती थीं।'

टीवी एक्टर्स के लिए अच्छा समय

दिव्या ने आगे कहा, 'एक समय था जब लोग कहते थे कि टीवी के कलाकार फिल्मों में नहीं आ सकते और जो छोटे रोल करते हैं वो बड़े रोल नहीं कर सकते। अब वो लाइन खत्म हो गई है। अब अगर आप अच्छे हैं और आप उस रोल को सूट करते हैं तो आप हैं। और यह ऐक्टर के साथ बहुत ही बेहतरीन बात हुई है। इसका क्रेडिट में दर्शकों को दूंगी।'

लंबे करियर के बीच काम से ब्रेक लेना कितना जरूरी है, इस पर दिव्या कहती हैं, 'आपको काम से ब्रेक लेने की जरूरत पड़ती ही है। एक समय ऐसा भी आया था, जब मैंने पांच महीने का ब्रेक लिया था। क्योंकि कभी-कभी काम का बोझ इतना ज्यादा हो जाता है कि आपको आराम की जरूरत महसूस होती है। उस समय हर कोई मुझसे पूछता था कि क्या मैं अपने घर पर ठीक हूं? लोग कहते थे कि मुझे बाहर निकलना चाहिए, लोगों से मिलना-जुलना चाहिए। लेकिन जब आपकी कोई फिल्म रिलीज होती है और वह फिल्म अच्छी होती है, तो सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं।'

ओटीटी कॉन्टेंट स्टार्स नहीं कहानी की जरूरत देखता है

ओटीटी पर आज बड़े स्टार्स से लेकर नए कलाकार तक नज़र आते हैं। लेकिन दिव्या का कहना है कि ओटीटी लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्म है, यहां जो जिस काबिल है, उसे वो ही मिलता है, चाहे कितना भी बड़ा स्टार हो। वह कहती हैं, 'आज कई लोग कहते हैं, धुरंधर आई है तो उसका एक्शन तो हम बड़े पर्दे पर ही देखेंगे। लेकिन सब फिल्में उतनी अच्छी नहीं चलतीं, उन्हें उतना वक्त नहीं मिलता है। जैसे होता था कि फलाना हीरो होगा या हिरोइन होगी तो ही फिल्म पर्दे पर लगेगी, ओटीटी पर ऐसी कोई सीमा नहीं है। ओटीटी पर आप स्टार्स को भी देखेंगे लेकिन उन रोल में जो उन्हें सूट करते हैं। अगर जबरदस्ती का कोई किरदार उन्हें दिया जाता है तो उन्हें पसंद नहीं करते हैं। यह एक बहुत लोकतांत्रित प्लेटफॉर्म है। चाहे आप नए हों या जाने-माने ऐक्टर हों या कोई बड़े स्टार हों, अगर आप उस शो में हैं तो इसलिए हैं क्योंकि आप उस रोल से जुड़े हुए हो। वरना दर्शक निर्णय करते हैं कि फलाना शो नहीं देखते हैं और आपको पता चल जाता है कि उन्होंने किसको नकारा है।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009